रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 26 जून 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 04 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 78

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	38.1	29.5
जमशेदपुर	39.5	28.4
डालटनगंज	40.6	28.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

टूटी संसदीय परंपरा : आज लोकसभा अध्यक्ष के लिए चुनाव

ओम बिरला vs के. सुरेश

लगातार न्यूज। नयी दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए सरकार और विपक्ष के बीच मंगलवार को आम सहमति नहीं बन पाई और अब एनडीए के ओम बिरला का मुकाबला कांग्रेस के के. सुरेश के साथ होगा. स्पीकर के चुनाव के लिए वोट बुधवार को होगा. बिरला और सुरेश ने क्रमशः एनडीए और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों के रूप में अपने नामांकन पत्र पेश किए. पिछली लोकसभा में भी अध्यक्ष रह चुके बिरला की जीत तय मानी जा रही है. ऐसे में 25 साल में इस पद पर फिर आसीन होने वाले वे पहले व्यक्ति होंगे.

बता दें कि ओम बिरला राजस्थान के कोटा से तीसरी बार सांसद बने है, वहीं के सुरेश केरल से आठ बार के सांसद हैं. यह चुनाव सत्ता पक्ष की जिद के कारण हो रहा है. सत्ता पक्ष लोकसभा उपाध्यक्ष का पद भी विपक्ष को देने को तैयार नहीं है. इसी से नाराज विपक्ष स्पीकर पद के लिए मैदान में उतर गया है. दोनों पक्षों ने अपने सांसदों को व्हिप जारी कर दिया है.

इसी के साथ देश में लंबे समय से चली आ रही परंपरा टूट गई. दरअसल, पहले लोकसभा सत्र को छोड़ दें, तो अब तक निचले सदन में अध्यक्ष सर्वसम्मति से ही चुना जाता रहा है. पिछली बार भी ऐसा ही हुआ था. बता दें कि 15 मई 1952 को पहली लोकसभा के अध्यक्ष का चुनाव हुआ था. इस चुनाव में सत्ता पक्ष के जीवी मावलंकर उमीदवार थे. उनका मुकाबला शंकर शांतराम मोरे से हुआ था. मावलंकर के पक्ष में 394 वोट, जबकि 55 वोट उनके खिलाफ पड़े थे. इस तरह मावलंकर आजादी से पहले देश के पहले लोकसभा स्पीकर बने थे. इसके बाद अब चुनाव होने जा रहा है.

- दोनों पक्षों ने अपने सांसदों को जारी किया व्हिप, बैठकों का दौर जारी रहा
- मोदी सरकार विपक्ष को लोकसभा उपाध्यक्ष पद देने को भी तैयार नहीं

ओम बिरला

के. सुरेश

ओम बिरला का पलड़ा भारी

543 सदस्यीय लोकसभा में वर्तमान में 542 सांसद हैं, क्योंकि केरल की वायनाड सीट राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद खाली है. सदन में 293 सांसदों वाले एनडीए को स्पष्ट बहुमत प्राप्त है. विपक्षी इंडिया ब्लॉक के पास 235 सांसद हैं. वहीं अन्य दल जो न एनडीए का हिस्सा हैं और न इंडिया ब्लॉक के उनके 16 सांसद हैं. इनमें कुछ निर्दलीय भी शामिल हैं. अगर ये सभी सांसद भी इंडिया ब्लॉक का समर्थन करते हैं, तब भी उसकी संख्या 249 तक ही पहुंचेगी. जबकि चुनाव जीतने के लिए 271 वोटों की जरूरत होगी. ओम बिरला की जीत पक्की मानी जा रही है.

टीएमसी से पूछा नहीं, एकतरफा फैसला: अभिषेक

इस बीच, इंडिया गठबंधन को करारा झटका लगा है. गठबंधन का हिस्सा रही ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने इस पर अलग रुख अपनाने के संकेत दिए हैं. ममता बनर्जी के सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी ने इस पर अलग स्टैंड लेने के संकेत दिए हैं. उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह एकतरफा फैसला है. ममता बनर्जी के सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी ने कहा, हमसे इस बारे में कोई संपर्क नहीं किया गया. इसके बारे में कोई चर्चा नहीं की गई. दुर्भाग्य से यह एकतरफा फैसला लिया गया है. हालांकि टीएमसी ने यह नहीं बताया कि वह मतदान में हिस्सा लेगी या नहीं. टीएमसी के कुल 29 सांसद हैं.

राजनाथ सिंह ने नहीं किया कॉल बैक: राहुल गांधी

कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार सुबह कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा था कि विपक्ष को सरकार के साथ रचनात्मक सहयोग करना चाहिए. सोमवार शाम को राजनाथ सिंह ने मल्लिकार्जुन खरगे को फोन किया और उनसे लोकसभा अध्यक्ष पद पर समर्थन देने को कहा. पूरे विपक्ष ने कहा कि हम लोकसभा अध्यक्ष का समर्थन करेंगे, लेकिन परंपरा यह है कि उपसभापति का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए. राजनाथ सिंह ने कहा कि वे खरगे को फिर से फोन करेंगे, लेकिन उन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है. पीएम मोदी विपक्ष से सहयोग मांग रहे हैं, लेकिन हमारे नेता का अपमान हो रहा है. सरकार की नीयत साफ नहीं है. भाजपा तानाशाही पर उतर आई है.

ऐसे बिगड़ी बात, राजनाथ की चुप्पी के बाद टूटी सर्वसम्मति की डोर!

मंगलवार को आम सहमति पर विपक्षी नेता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से संसद में मिले. लेकिन आम सहमति नहीं बन सकी. विपक्ष ने राजनाथ से कहा कि हम एनडीए उम्मीदवार को समर्थन देने को तैयार हैं, लेकिन उपसभापति के पद का क्या होगा? इस मांग पर राजनाथ ने कोई जवाब नहीं दिया. इससे पहले सोमवार को राजनाथ ने आम सहमति के लिए सभी विपक्षी नेताओं से संपर्क किया. इसी दौरान उन्होंने खरगे से भी बात की. खरगे ने कहा, हम एनडीए का समर्थन करेंगे. लेकिन ये समर्थन हम तभी देंगे, जब विपक्ष को उपसभापति का पद मिले. इस पर राजनाथ ने उन्हें फिर कॉल करने की बात कही. राजनाथ ने विपक्ष को इस मांग पर कोई आश्वासन नहीं दिया. मंगलवार सुबह आम सहमति को लेकर फिर विपक्षी नेता रक्षा मंत्री मिले. लेकिन इस दौरान भी आम सहमति नहीं बन सकी.

राजनाथ सिंह ने विपक्ष को बताया कि स्पीकर के लिए हम ओम बिरला के नाम पर आप का समर्थन चाहते हैं. इस पर विपक्ष ने कहा,हम समर्थन को तैयार हैं, लेकिन उपसभापति के पद विपक्ष को मिलना चाहिए. लेकिन इस मांग पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया. तब कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल ने उनसे कहा,आपने कहा था कि हम डिप्टी स्पीकर पर मंगलवार को बताएंगे. राजनाथ की तरफ जवाब नहीं मिलने पर वेणुगोपाल और टीआर बालू राजनाथ सिंह के कार्यालय से बाहर आ गए. कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव लड़ेगा, उन्होंने सरकार पर डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को देने में आनाकानी करने का आरोप लगाया. इस बीच, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कहा कि हमारी पार्टी की राय है कि उपसभापति विपक्ष को मिलना चाहिए.

आयुष्मान को मात देगी चंपाई सरकार की नई हेल्थ स्कीम

15 लाख तक फ्री इलाज

कौशल आनंद। रांची

केंद्र सरकार की आयुष्मान कार्ड स्कीम से इतर चंपाई सरकार नयी हेल्थ स्कीम ला रही है. इसके तहत जिसका राशन कार्ड होगा, उसको 15 लाख रुपए तक के फ्री इलाज की सुविधा मिलेगी. इसमें आयुष्मान कार्ड से वंचित लोगों को भी जोड़ा जाएगा. मंगलवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी.

उन्होंने कहा कि राज्य का कोई भी गरीब इलाज से वंचित न रहे, इसके लिए सरकार नई योजना शुरू करने जा रही है. योजना को जल्द से जल्द शुरू करने की सभी प्रक्रिया जल्द पूरी हो. मालूम हो कि आयुष्मान कार्ड से केवल 5 लाख तक का इलाज होता है. इस लिए इसे चंपाई सरकार की एक और मास्टर स्ट्रोक स्कीम माना जा रहा है.

स्वास्थ्य उप केंद्रों को सुविधायुक्त बनाएं : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी स्वास्थ्य उप केंद्रों को बेहतर बनाया जाए, ताकि ग्रामीणों को यहां प्राइमरी इलाज की सुविधा उपलब्ध हो. उन्होंने कहा कि यहां स्वास्थ्य कर्मियों की नियमित उपस्थिति होनी चाहिए. इसके साथ स्वास्थ्य उप केंद्र के बाहर नोटिस बोर्ड लगाया जाए, जिसमें संबंधित स्वास्थ्य कर्मी का नाम और मोबाइल नंबर अंकित हो, ताकि जरूरत पड़ने पर कोई भी ग्रामीण उससे संपर्क कर सके.

नर्सिंग स्कूलों और कॉलेज की क्षमता बढ़ाई जाए : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी नर्सिंग स्कूल और कॉलेज में विद्यार्थियों की जो वर्तमान क्षमता है, उसे बढ़ाया जाए. इसके साथ इन नर्सिंग स्कूल और कॉलेजों में जो विद्यार्थी नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे हैं, उन्हें छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिलना चाहिए. इसके साथ इन विद्यार्थियों के बेहतर प्लेसमेंट की भी व्यवस्था सुनिश्चित करें.

चंपाई सरकार की एक और मास्टर स्ट्रोक स्कीम

- स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान नई स्कीम की सभी प्रक्रियाएं जल्द पूरी करने का निर्देश

मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की बैठक करते मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन.

पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए नई पहल करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर और मजबूत बनाने के लिए मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है. इस दिशा में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए निवेशकों को आमंत्रित करने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग कदम उठाएं. निवेशकों को या भरोसा दिलाएं कि मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए उन्हें सरकार की ओर से सभी जरूरी सहयोग किया जाएगा. बैठक में मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट कॉरपोरेशन के एमडी अबू इमरान, एनएचएम के अभियान निदेशक आलोक त्रिवेदी, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक प्रमुख डॉ. सीके साही और निदेशक औषधि ऋतु सहाय समेत स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी उपस्थित थे.

मुख्यमंत्री के अन्य अहम निर्देश

- सभी अस्पतालों में एक ही भवन में ओपीडी और चिकित्सा जांच की सुविधा उपलब्ध हो.
- **सभी स्वास्थ्य उप केंद्र और अन्य अस्पतालों में बाउंड्री वॉल का निर्माण के साथ परिसर में वृक्षारोपण किया जाए.**
- अस्पतालों में डायलिसिस यूनिटों की संख्या में बढ़ोतरी की जाए.
- **रांची सदर अस्पताल में एमआरआई मशीन की उपलब्धता सुनिश्चित करें**
- अस्पतालों के आधारभूत संरचना की मरम्मत, पेयजल शौचालय और बिजली की व्यवस्था, प्रसव कक्ष, चिकित्सीय उपकरण और दवा की व्यवस्था होनी चाहिए.
- **वैसे स्वास्थ्य केंद्र और अस्पताल जहां आईसीयू बेड की व्यवस्था नहीं है, वहां आईसीयू बेड तथा टेली आईसीयू इनेबल्ड केयर क्रिटिकल केयर यूनिट को शुरू करने की पहल हो.**
- 108 एंबुलेंस सेवा का संचालन बेहतर तरीके से हो

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,400
चांदी (किलो)	94,000

न्यूज इन ब्रीफ

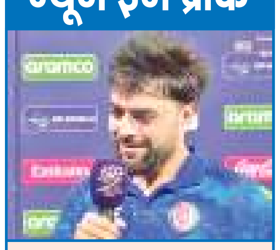

अफगानिस्तान ने रचा इतिहास

किंग्सटाउन। विषमता से सफलता के सफर में अपने क्रिकेट इतिहास का सबसे सुनहरा पन्ना लिखते हुए अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से बांग्लादेश को आठ विकेट से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. **पेज 10 पर**

झटका: अभी जेल में ही रहेंगे केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट से सीएम अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका लगा है. ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को कोर्ट ने फैसला सुनाया. केजरीवाल को अभी जेल में ही रहना पड़ेगा. हाईकोर्ट ने केजरीवाल को जमानत देने से इनकार कर दिया है. ईडी ने कोर्ट में ट्रायल कोर्ट के आदेश को दोषपूर्ण बताते हुए कहा था कि केजरीवाल को राहत नहीं मिलनी चाहिए.

जम्मू से वैष्णो देवी तक हेलीकॉप्टर सेवा शुरू

कटरा/जम्मू। जम्मू से वैष्णो देवी तक सीधी हेलीकॉप्टर सेवा शुरू हो गई है, जिससे एक दिन में ही दर्शन की इच्छा रखने वाले लोगों को सुविधा होगी. सेवा रियासी में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित मंदिर में जानेवाले लोगों के लिए आधार शिविर और मंदिर के पास सांझी छत के बीच पहले से ही उपलब्ध हेलीकॉप्टर सेवा के अतिरिक्त है.

लोकसभा सत्र के दूसरे दिन सदस्यों की पूरी हुई शपथ

राहुल होंगे लोस में नेता प्रतिपक्ष

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर मंगलवार रात को इंडिया ब्लॉक की बैठक हुई. इस बैठक में राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाने को लेकर विचार किया गया. इस बैठक में राहुल को नेता विपक्ष बनाने के लिए प्रोटेम स्पीकर को पत्र भी लिखा गया है. कांग्रेस केसी वेणुगोपाल ने जानकारी देते हुए कहा कि इस बैठक में राहुल गांधी को सदन में नेता प्रतिपक्ष बनाने को लेकर चर्चा हुई. साथ ही बैठक में उन्हें नेता विपक्ष बनाने के लिए प्रोटेम स्पीकर को पत्र भी लिखा गया है.

इससे पूर्व 18वीं लोकसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन नवनिर्वाचित सांसदों का शपथ कार्य पूरा हो गया. दूसरे दिन राहुल गांधी, अखिलेश यादव, डिंपल और असदुद्दीन ओबैसी समेत बाकी बचे सभी सांसदों ने शपथ ली. राहुल शपथ लेने के लिए संविधान की एक प्रति को साथ लिए पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने संविधान की प्रति को सत्ता पक्ष की ओर दिखाया और शपथ ली. राहुल रायबरेली सीट से सांसद हैं. राहुल ने जय हिंद, जय संविधान का जोरदार नारा भी लगाया.

हाथ में संविधान के साथ अखिलेश भी छाए

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी दूसरे दिन सदस्यता की शपथ ली. शपथ लेते समय उन्होंने भी अपने हाथ में संविधान की प्रति ले रखी थी. विपक्ष के सदस्यों ने इस दौरान जम कर मेजें थपथपाईं. अखिलेश के अलावा उनकी डिंपल यादव एवं अन्य सदस्यों ने शपथ ली. उधर, ओबैसी ने शपथ लेने के बाद जय फलस्तीन, जय भीम का नारा लगाया. इस पर सत्ता पक्ष ने विरोध जताया. बाद में प्रोटेम स्पीकर ने जय फलस्तीन को कार्यवाही से हटवा दिया. मामले को लेकर एआईएमआईएम ने कहा, हर कोई बहुत सारी बातें कह रहा है. मैंने कहा जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन. यह कैसे खिलाफ है, संविधान में प्रावधान दिखाएं. आपको भी दूसरों ने क्या कहा, यह सुनना चाहिए. मैंने वही कहा जो मुझे कहना था.

अरबों का जीएसटी घोटाला स्क्रैप कारोबारी गिरफ्तार

जमशेदपुर के व्यवसायियों में मचा हड़कंप, बबलू जायसवाल की गिनती रसूखदार लोगों में

- सोमवार रात गिरफ्तारी, मंगलवार को भेज दिए गए जेल
- **बबलू का पूरे राज्य में फैला है लोहा स्क्रैप का कारोबार**
- जीएसटी घोटाले में कई अन्य कारोबारी भी हो चुके हैं गिरफ्तार

रोहित कुमार। जमशेदपुर

शहर के जाने माने स्क्रैप कारोबारी बबलू जायसवाल उर्फ ज्ञानचंद जायसवाल को जीएसटी घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. जीएसटी विभाग बीते छह माह से बबलू की गतिविधि पर नजर बनाए हुए था. बबलू को सोमवार की देर शाम पहले जीएसटी के साकची स्थित इंटेलिजेंस विभाग के कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया गया. उनसे कई बार बातचीत की गयी, उसके बाद उनको हिरासत में ले लिया गया. मंगलवार को उन्हें जेल भेज दिया गया. इसके पूर्व इस मामले में जीएसटी विभाग ने विक्की भालोटिया, अमित गुप्ता, सुमित गुप्ता और शिवदौड़ा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था. उन्हीं लोगों से पूछताछ में बबलू का नाम भी सामने आया था. इसी मामले में मुख्य अभियुक्त रांची निवासी विवेक नरसरिया अब तक फरार हैं.

सूत्रों की मानें, तो अब तक गिरफ्तार विक्की भालोटिया, शिवदौड़ा, अमित गुप्ता और सुमित गुप्ता ने 5000 करोड़ से ज्यादा का जीएसटी घोटाला किया है. वहीं बबलू ने 300 करोड़ से ज्यादा का जीएसटी घोटाला किया है. बबलू इनपुट टैक्स क्रेडिट के जरिए जीएसटी घोटाले को अंजाम देता था. बबलू जायसवाल लघु उद्योग भारती के सरायकेला-खरसावां जिलाध्यक्ष भी है.

ज्ञानचंद जायसवाल उर्फ बबलू जायसवाल जमशेदपुर के रसूखदार व्यवसायियों में गिने जाते हैं. लोहा और स्क्रैप के कारोबार में उनका जाल पूरे झारखंड और आसपास के राज्यों तक फैला हुआ है. लगभग दो दशक पहले अपने व्यवसाय की शुरुआत करने वाले बबलू ने देखते ही देखते अपने बिजनेस को बुलंदियों तक पहुंचाया. जीएसटी इंटेलिजेंस की जांच में पता चला है कि बबलू जालसाजी के एक बड़े रैकेट से जुड़े थे. इस रैकेट में 100 से ज़्यादा फर्जी कंपनियां शामिल हैं, जिनके ज़रिए तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक का लेनदेन किया गया. अकेले जमशेदपुर में ही 150 करोड़ रुपए से ज्यादा का जीएसटी घोटाले का खुलासा हुआ है. बबलू की गिरफ़्तारी से जमशेदपुर के व्यापारियों के बीच हड़कंप मच गया है. जांच में कई बड़े व्यापारियों के नाम सामने आने की आशंका है.

5000 करोड़ से ज्यादा का घोटाला आया सामने

मामले का खुलासा तब हुआ था, जब जमशेदपुर की जीएसटी इंटेलीजेंस की टीम ने जांच की. जांच में पाया कि जमशेदपुर में कई ऐसी कंपनियां हैं, जिनमें फर्जी तरीके से लेन-देन किया जा रहा है. जांच के क्रम में पाया गया कि 100 से ज्यादा कंपनियां ऐसी हैं, जिनमें फर्जी तरीके से लेन-देन हो रहा है. अब तक इन कंपनियों में तीन हजार से ज्यादा के लेन-देन सामने आए हैं. जमशेदपुर में ही 150 करोड़ रुपए से ज्यादा का जीएसटी घोटाला सामने आया है. इसके बाद एक टीम का गठन किया गया जिसमें सीनियर इंटेलीजेंस ऑफिसर रौशन कुमार मिश्रा, इंटेलीजेंस ऑफिसर दिनेश कुमार, राजीव रंजन और राजेश कुमार शामिल थे.

गिरफ्तार बबलू जायसवाल

मुलाकात चंपाई सोरेन से लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने की शिष्टाचार भेंट

सेना में अलग से गठित हो आदिवासी रेजीमेंट: मुख्यमंत्री

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मंगलवार को भारतीय सेना के जनरल ऑफिसर, कमांडिंग-इन-चीफ,ईस्टर्न कमांड और लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने शिष्टाचार भेंट की. मौके पर मुख्यमंत्री ने जाट रेजीमेंट, बिहार, पंजाब, सिख और मद्रास रेजीमेंट की तरह आदिवासी रेजीमेंट बनाने की अपनी भावना से अवगत कराया. कहा कि आदिवासी रेजीमेंट के गठन से आदिवासियों को सेना में अलग पहचान भी मिलेगी.

ले.जनरल तिवारी ने झारखंड में भी पर्यावरण संरक्षण पर इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी के गठन का प्रस्ताव रखा. इस पर सीएम ने कहा, प्रस्ताव मिलने पर सरकार पूरा सहयोग करेगी. झारखंड में इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी के गठन से पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में सेना भी योगदान कर सकेगी.

फौज बहाली में आदिवासियों को ज्यादा से ज्यादा अवसर मिले : मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय सेना में झारखंड के आदिवासी युवा अपनी सेवा देते आ रहे हैं. फौज बहाली में यहां के आदिवासियों को और ज्यादा से ज्यादा अवसर प्राप्त हो, इसमें सेना आदिवासियों को आगे लाने की दिशा में पहल करें. लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने मुख्यमंत्री को भरोसा दिलाया क इस दिशा में सेना की स्थानीय जीओसी के माध्यम से आदिवासियों को सेना बहाली के योग्य तैयार करने के लिए प्रशिक्षण समेत अन्य सभी सहयोग किया जाएगा.

डूरंड कप के आयोजन में सहयोग करने के लिए जताया आभार : लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने डुरंड कप फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे सहयोग के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया.

उन्होंने बताया कि डुरंड कप (प्रेसिडेंट कप) एशिया की सबसे पुरानी और विश्व की दूसरी सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता है. इस बार जमशेदपुर की मेजबानी में इस प्रतियोगिता का आयोजन होना है, जिसमे राज्य सरकार हर स्तर पर सहयोग कर रही है. इस मौके पर सीएम के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, ले. जनरल राजेंद्र पुरी, सीएम के सचिव अरवा राजकमल, मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर, कर्नल वीएस आडकर और मेजर जनरल एमपी सिंह मौजूद थे.

सेना के लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने मंगलवार को सीएम से की मुलाकात.

दिया भरोसा

- सीएम ने सेना को दिया भरोसा, झारखंड में इकोलॉजिकल टेरिटोरियल आर्मी के गठन में करेंगे सहयोग
- **फौज बहाली में झारखंड के आदिवासियों को ज्यादा से ज्यादा प्राप्त हो अवसर**

यूपी में पर्चा लीक कराने वाले ताउम्र जेल में रहेंगे

लगातार न्यूज। लखनऊ

यूपी में प्रतियोगी परीक्षाओं में पर्चा लीक से निपटने के लिए योगी सरकार सख्त कानून लेकर आ रही है. पर्चा लीक कराने वालों को आजीवन कारावास तक की सजा होगी. इसके अलावा एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना भी लगेगा.

मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यूपी परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अध्यादेश 2024 को मंजूरी दे दी है. राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद ही यह कानून लागू हो जाएगा. यूपी में चुनाव के ठीक पहले पुलिस भर्ती की पर्चा लीक हो गया था. इसके चलते 50 लाख से अधिक अभ्यर्थी प्रभावित हुए थे. वहीं, यूपी पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी / सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा भी पर्चा लीक के चलते रद्द करनी पड़ी थी. इन स्थितियों को देखते हुए सीएम ने कड़े कानून बनाने के संकेत दिए थे.

फर्जी वेबसाइट भी सजा के दायरे में : कानून के तहत फर्जी प्रश्नपत्र बांटना, फर्जी सेवायोजन वेबसाइट बनाना भी दंडनीय अपराध होगा. कानून तोड़ने पर 2 साल से उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है. पेपर लीक से परीक्षा रद्द होती है तो उस पर आने वाला खर्च सॉल्वर गिरोह से वसूला जाएगा.

खास बातें

- **योगी कैबिनेट ने यूपी परीक्षा अध्यादेश को मंजूरी दी**
- **राज्यपाल की मंजूरी मिलते ही यह कानून लागू हो जाएगा**

अच्छी खबर: दीनदयाल कौशल केंद्र से 98,353 को मिला नौकरी का ऑफर

श्रम विभाग की योजनाओं के तहत 1.77 लाख को मिला कंपनियों में ऑफर

241 पदों के लिए विभिन्न संस्थानों और कंपनियों ने निकाली वेकेंसी

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने युवाओं को रोजगार देने को प्राथमिकता दी है. इस कड़ी में श्रम विभाग की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के तहत एक लाख 77 हजार 146 लोगों को विभिन्न संस्थानों और निजी कंपनियों में नौकरी का ऑफर मिला है. एक्सल योजना(इंप्लोयबिलिटी एक्सीलेंस विथ कॉलेज एजुकेशन एंड लर्निंग प्रोग्राम के तहत 2325 लोगों को ऑफर मिला है. वहीं दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र द्वारा प्रशिक्षित 98,353 लोगों को नौकरी का ऑफर मिला है. सक्षम झारखंड कौशल विकास योजना के तहत 74, 087 लोगों को ऑफर मिला है.

श्रम विभाग ने निकाली है इन कंपनियों की वेकेंसी

संस्थान का नाम	पद का नाम	पदों की संख्या
एलायंस इंटरप्राइसेस	ऑपरेटर	27
बीएसकेडी पब्लिक स्कूल	पीजीटी टीचर	03
भारत फाइनेंस	मैनेजर	10
वीरेंद्र प्रसाद कश्यप	मैसेंजर, टाइपिस्ट, इलेक्ट्रिशियन	08
कैपिटोल हिल	स्टेवार्ड	06
डीएन हाइस्कूल	टीचर	03
ग्रिजलीविद्यालय	क्लर्क, पियुन, टीचर	10
जगदंबा सर्विसेस	गार्ड, सिक्यूरिटी ऑफिसर	11
नेशनल इंडस्ट्रीयल कॉरपोरेशन	वेल्डर	01
फॉनिक्स इंजीनियरिंग	प्रोजेक्ट मैनेजर	02
आरकेवीएस संस्थान	अस्सिटेंट प्रोफेसर	10
रांची ग्रेजुएट कॉलेज	टीचर	06
रांची पेसेंट केयर सर्विस	नर्स	30
श्री वेकेंटेश्वर इलेक्ट्रोकॉस्ट	हेल्पर, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिशियन	10
स्पंदन स्फूर्ति फिनांशियल	लोन ऑफिसर	50
सूर्या सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पीटल	गार्ड	04
टाटा स्टील टेक्निकल सर्विस	स्टेशन अटेंडेंट, फीटर	50

विभिन्न योजनाओं के तहत 4,26,058 लोगों को किया गया प्रशिक्षित

श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत 4,26,058 लोगों को प्रशिक्षित किया गया. इसमें 2,99,109 को प्रशिक्षण पूरा करने के बाद सर्टिफिकेट दिया गया. इसमें से कुल 1,77,146 लोगों को विभिन्न विभिन्न संस्थानों और कंपनियों में नौकरी का ऑफर मिला. राज्य भर में कुल 6,65,498 लोगों से रजिस्ट्रेशन कराया था.

जमीन कारोबारी कमलेश को ईडी ने भेजा समन, 28 को पेश होने को कहा

संवाददाता। रांची

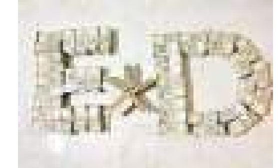

जमीन कारोबारी कमलेश कुमार को ईडी ने दोबारा समन भेजा है. ईडी ने समन भेजकर 28 जून को उपस्थित होने को कहा है. इससे पहले बीते 21 जून को ईडी ने कमलेश के ठिकानों पर छापेमारी की थी. इस दौरान उसके ठिकानों से एक करोड़ कैश और 100 कारतूस बरामद हुए थे. जिसके बाद ईडी के सहायक निदेशक देवव्रत झा ने पूरे मामले में झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह को पत्र लिखा और कार्रवाई की मांग की थी. रांची के कांके में थाना में कमलेश के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था.

शेखर कुशवाहा के बयान पर हुई कार्रवाई : फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने वाले सिंडिकेट से जुड़े शेखर कुशवाहा ने बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी कांके इलाके में कई जगहों पर कमलेश कुमार द्वारा जमीन के फर्जी दस्तावेजों के सहारे जमीन हड़पने की जानकारी दी थी. मामला सामने आने के बाद ईडी ने समन कर कमलेश कुमार को रांची जोनल आफिस में पूछताछ के लिए बुलाया था. लेकिन ईडी के समन पर उपस्थिति ना होकर कमलेश फरार हो गया था. जिसके बाद शुक्रवार की दोपहर 12 बजे ईडी की टीम कांके रोड के चांदनी चौक स्थित एस्ट्रो ग्रीन स्थित फ्लैट पहुंची. लेकिन ईडी के पहुंचने से ठीक पहले कमलेश वहां से निकल गया था. स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में ईडी ने इस फ्लैट को सर्च किया. इस दौरान ईडी को वहां से 100 जिंदा कारतूस और एक करोड़ कैश मिला. इस मौके से एजेंसी ने जमीन से जुड़े दस्तावेज समेत कई महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किये हैं. कांके रोड में छापेमारी के बाद ईडी ने देर शाम कमलेश के चेशायर होम रोड स्थित आवास में भी छापेमारी की थी.

लैंड स्कैम का आरोपी इरशाद जेल से ही देगा सहायक आचार्य परीक्षा, कोर्ट ने दी अनुमति

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने लैंड स्कैम केस के आरोपी मोहम्मद इरशाद को सहायक आचार्य परीक्षा देने में शामिल होने की अनुमति दे दी है. उसने रांची PMLA (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में अपने अधिवक्ता के माध्यम से झारखंड प्राइमरी स्कूल एंट्रेंस आचार्या कंबाइंड परीक्षा में शामिल होने की अनुमति के लिए याचिका दाखिल को थी. इरशाद की परीक्षा 27 जून को जमशेदपुर में है. कोर्ट ने उसे सुरक्षा के बीच परीक्षा सेंटर पर ले जाने और परीक्षा के बाद वापस होटवार जेल लाने का निर्देश दिया है.

ब्रीफ खबरें

हटिया-दुर्ग स्पेशल ट्रेन दो से 26 दिसंबर तक चलेगी

रांची। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने ट्रेन संख्या 08185/08186 हटिया-दुर्ग-हटिया के बीच द्विसाप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में विस्तार किया है. अब ये ट्रेन 27 दिसंबर तक चलेगी. ट्रेन संख्या 08185 हटिया-दुर्ग द्विसाप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दिनांक दो जुलाई से 26 दिसंबर तक कुल 52 ट्रिप करेगी और प्रत्येक मंगलवार व गुरुवार को हटिया से प्रस्थान करेगी.

कोर्ट में सीपीएमएस ऐप से होगी गवाही

रांची। कोर्ट में सीपीएमएस एप्लिकेशन के माध्यम से गवाही होगी. इसको लेकर आईजी मानवाधिकार 26 जून को सभी जिलों के एसएसपी और एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करेंगे. इस एप्लिकेशन के माध्यम से सभी गवाहों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सही समय पर कोर्ट में उपस्थित कराया जाएगा. बता दें कि गवाह को कोर्ट में हाजिर होने की जरूरत नहीं होगी. वह जहां पर है, वहीं से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए गवाही दे सकेगा. इससे समय की बचत और कोर्ट में लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी.

साजिद, रमजान और अजमत को उम्रकैद

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने हत्या के तीन दोषियों मो.साजिद, रमजान अंसारी और अजमत अंसारी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. साथ ही कोर्ट ने सभी दोषियों पर 30-30 हजार का जुर्माना भी लगाया है. सिविल कोर्ट के अपर न्यायुक्त सचिंद्र बिरुआ की कोर्ट ने दोषियों के खिलाफ सजा सुनायी है. तीनों दोषियों ने वर्ष 2019 में मंगरू पाहन की चाकू मारकर हत्या की थी. मंगरू के परिजनों के बयान के आधार पर अरगोड़ा थाना में कांड संख्या 205/2019 दर्ज करायी गयी थी. दोषियों के खिलाफ अभियोजन पक्ष ने 12 गवाह पेश किये.

संयुक्त सचिव से जूनियर असिस्टेंट तक के 2352 पद रिक्त

झारखंड सचिवालय सेवा: टॉप से बॉटम तक अफसर व कर्मियों की भारी कमी

- सबसे अधिक सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के 1156 के पद हैं रिक्त

रवि भारती। रांची

झारखंड में सचिवालय सेवा का कैडर चरमरा गया है. टॉप से लेकर बॉटम तक में अफसर लेकर सहायक तक की भारी कमी हो गई है. जिसका असर सचिवालय के कामकाज पर पड़ रहा है. इसको लेकर सचिवालय सेवा संघ पिछले कई दिनों से आंदोलनरत भी है. सचिवालय सेवा में संयुक्त सचिव से लेकर कनीय सचिवालय सहायक तक के पद रिक्त पड़े हैं.

सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के 1156 पद रिक्त पड़े हैं

सचिवालय सेवा में सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के 1156 पद रिक्त पड़े हैं. इस कैटेगरी में 1313 पद स्वीकृत हैं, जिसमें सिर्फ 157 सहायक प्रशाखा पदाधिकारी ही कार्यरत हैं. सचिवालय में सेक्शन ऑफिसर के 657 पद रिक्त हैं. इसमें 539 सेक्शन ऑफिसर ही कार्यरत हैं. 118 पद रिक्त पड़े हैं.

पदनाम	स्वीकृत पद	कार्यरत	रिक्त पद
संयुक्त सचिव	23	16	07
उपसचिव	54	43	11
अवर सचिव	328	160	168
सेक्शन ऑफिसर	657	539	118
सहा. सेक्शन ऑफिसर	1313	157	1156
वरीय सचिवालय सहायक	524	100	424
कनीय सचिवालय सहायक	527	59	468

ज्वाइंट, डिप्टी और अंडर सेक्रेटरी के पद भी रिक्त

सचिवालय सेवा में ज्वाइंट सेक्रेटरी, डिप्टी सेक्रेटरी और अंडर सेक्रेटरी के भी पद रिक्त हैं. सचिवालय सेवा में ज्वाइंट सेक्रेटरी के 23 पद स्वीकृत हैं, इसमें 16 पद पर अफसर कार्यरत हैं. सात पद रिक्त हैं. डिप्टी सेक्रेटरी के 54 पदों में से 11 पद रिक्त हैं. वहीं अंडर सेक्रेटरी के 328 पदों में से 168 पद रिक्त पड़े हैं.

सहायक के 892 पद हैं रिक्त

झारखंड सचिवालय लिपिकीय सेवा के 892 पद रिक्त पड़े हैं. वरीय सचिवालय सहायक के कुल 524 पद स्वीकृत हैं. इसमें 424 पद रिक्त पड़े हैं. वहीं कनीय सचिवालय सहायक के 527 पद स्वीकृत हैं, जिसमें 468 पद रिक्त पड़े हैं.

पहले पदों का हुआ सृजन, अब कटौती का प्रस्ताव

सचिवालय सेवा संघ पद कटौती का जोरदार विरोध कर रहा है. संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद के अनुसार आठ साल गुजर जाने के बाद सचिवालय सहायकों की नियुक्ति नहीं हुई है. सचिवालय सेवा के तहत संयुक्त सचिव रैंक में 24 पद, उपसचिव रैंक में 53 पद सृजन का प्रस्ताव है. लेकिन इन पदों की कटौती का प्रस्ताव आगे बढ़ाया गय़ा है. जबकि 2016 में ही सचिवालय सेवा के लिए पद सृजन के प्रस्ताव पर सरकार ने स्वीकृति दी थी.

भाकपा ने भी नियुक्ति की कही बात

सीपीआई राज्य कार्यकारणी सदस्य सह जिला मंत्री अजय सिंह ने बयान जारी कर कहा है कि सरकार सचिवालय में रिक्त पड़े सभी पदों पर तत्काल नियुक्ति करे. सचिवालय और मंत्रालय में कर्मियों की कमी रहने के कारण विकास के कार्य प्रभावित हो रहे हैं. समय पर काम नहीं हो पाता है.

एमसीसी एरिया कमांडर तिलकमन साहू को आठ साल सश्रम कैद की सजा

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने तिलकमन साहू को आठ वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही कोर्ट ने उसपर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है. तिलकमन साहू प्रतिबंधित माओवादी संगठन एमसीसी का एरिया कमांडर था. इसके खिलाफ पालकोट थाना में कांड संख्या 5/2002 दर्ज किया गया था. जिसके बाद इस केस का ट्रायल पोटा (प्रीवेन्शन ऑफ टैररिस्ट एक्ट) के तहत चला. इस केस में पुलिस की ओर से 17 गवाह पेश किए गए, जिसमें पूर्व डीजीपी एमवी राव की गवाही भी शामिल थी. रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय की कोर्ट ने तिलक को सजा सुनाई. अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक बी एन शर्मा ने बहस की.

झारखंड हाईकोर्ट के वकीलों के लिए स्पेशल बस सेवा शुरू की गयी

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के वकीलों के लिए मंगलवार से स्पेशल बस सेवा शुरू की गयी है. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस ने हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के आग्रह पर रांची नगर निगम को वकीलों के लिए बस सुविधा मुहैया कराने का निर्देश दिया था, ताकि दूर दराज से आकर हाईकोर्ट में प्रेक्टिस करने वाले वकीलों को यातायात की सुविधा मिल सके. जिसके बाद रांची नगर निगम ने पुराने हाईकोर्ट से नये हाईकोर्ट के लिए तीन बसों की शुरुआत की है. पुराने हाईकोर्ट से रोजाना सुबह 9:00 बजे, 9:15 और 9:30 बजे से नया हाईकोर्ट के लिए खुलेगी. वहीं नये हाईकोर्ट से वापस आने के लिए शाम के 5:00 बजे, 5:15 बजे और 5:30 बजे बसें संचालित होंगी.

ट्रैक्टर योजना के लिए तीन जुलाई तक जमा करें आवेदन

रांची। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखंड सरकार कृषि यंत्रों को अनुदान पर कृषि समूहों को उपलब्ध करा रही है. इसके लिए तीन जुलाई तक जिलों के भूमि संरक्षण कार्यालय में आवेदन जमा किये जा सकते हैं. मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना का लाभ एसएचजी, पानी पंचायतों, जलछाजन समितियों, लैम्पस-पैक्स एवं अन्य किसान संगठनों भी उठा सकते है. झारखंड सरकार दो कृषि यंत्रों की खरीद पर 50% अनदान दे रही है. वहीं कृषि यंत्रों की खरीद पर सरकार अधिकतम अनुदान 80% देगी. लाभुकों के चयन में विधायक की अनुशंसा को प्राथमिकता देते हुए जिलास्तरीय समिति चयन करेगी. वैसे लाभुक समूहों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनके पास कम से काम 10 एकड़ जमीन कृषि योग्य हो. साथ ही समूहों के पास ट्रैक्टर चलाने के लिए वैध लाइसेंस हो.

विपक्ष की बात नहीं करेंगे तो मोदी सरकार नहीं चलेगी: वृंदा

संवाददाता। रांची

सीपीएम की पोलित ब्यूरो सदस्य एवं पूर्व सांसद वृंदा करात ने कहा कि लोकसभा के परिणाम से मोदी जी के दल को गहरा धक्का लगा है. आज भी दिल्ली में कोई बदलाव नहीं हुआ है. स्पीकर व डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को जाना चाहिए. हमारे संसद के इतिहास में कोई डिप्टी स्पीकर नहीं है. स्पीकर सब का होता है, डिप्टी स्पीकर हम लोग चुनेंगे. इस बार पार्लियामेंट में बुलडोजर नहीं चलने देंगे. विपक्ष की बात नहीं सुनेंगे तो मोदी सरकार नहीं चलेगी. वह मंगलवार को रांची स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बोल रही थी. उन्होंने कहा कि महंगाई, जमीन घोटाला, कोयला घोटाला, बेरोजगारी से जनता त्रस्त है. किसानों को भी धोखा दिया है, यूज एंड थ्रो की राजनीति करते हैं, मोदीजी, बांग्ला भाषी मुसलमानों को टारगेट कर रहे हैं, यह गलत है, वे 40 से 50 साल से रह रहे हैं.

पार्टी नेताओं के साथ सीएम चंपाई सोरेन से मिलने पहुंचीं माकपा नेत्री वृंदा करात.

16 से 21 अगस्त तक होगी विरोध कार्रवाई : जन मुद्दों को भी चिन्हित किया गया है, पानी की विकराल समस्या से शहर समेत ग्रामीण क्षेत्र जूझ रहे हैं. जमीन के नक्शे को डिजिटल करने से किसान परेशान हैं, हरा राशन कार्डधारियों को कोई राशन नहीं मिल रहा है. मिनिमम वेज बढ़ा है, तो इसे बढ़ने दें, रोक लगेगी तो इस पर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा. 16 अगस्त से 21 अगस्त तक विरोध कार्रवाई का आयोजन जिला, प्रखंड, पंचायत स्तर पर किया जायेगा. प्रेस वार्ता में सीपीएम के वरीष्ठ नेता रामचंद्र ओम, राज्य सचिव प्रकाश विप्लव शामिल थे.

सीएम से की औपचारिक मुलाकात

पूर्व सांसद वृंदा करात के नेतृत्व में सीपीएम का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से झारखंड मंत्रालय में औपचारिक मुलाकात की. उन्होंने मिल कर जमीन के नक्शे को डिजिटल करने से किसानों की परेशानी समेत अन्य मुद्दों को रखा. मौके पर पार्टी के राज्य सचिव संजय पासवान, स्टेट कमेटी मेंबर सुरेश मुंडा, अशोक साह, सुभाष हेम्ब्रम और सुधांशु रंजन शामिल थे.

शेखर कुशवाहा से पूछताछ पूरी कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेजा गया

कोर्ट में पेशी के के लिए ले जाते जमीन कारोबारी शेखर कुशवाहा.

रांची। जमीन कारोबारी शेखर कुशवाहा से इंफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) की पूछताछ पूरी हो चुकी है. शुक्रवार को मिली चार दिनों की रिमांड अवधि पूरी होने के बार मंगलवार को शेखर कुशवाहा को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के विशेष कोर्ट में पेश किया गया. पेशी के बाद कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. ईडी ने भूमि घोटाले से संबंधित केस में कुशवाहा गिरफ्तारी की है. कुशवाहा से अब तक की हुई पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं. उसने एजेंसी को यह जानकारी दी है कि आदिवासी जमीन को जनरल बना कर बेचने का गोरखधंधा करने के खेल में कौन-कौन शामिल हैं. वहीं शेखर कुशवाहा ने ईडी के समक्ष कई ऐसे नाम कबूले हैं, जो लैंड स्कैम के सिंडिकेट में शामिल हैं.

कार्यक्रम

डीपीएस में पैन-इंडिया आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन

छात्रों को कानूनी साक्षरता के महत्व के प्रति किया जागरूक

खास बातें

- 50 स्कूलों के 200 बच्चों ने लिया कार्यक्रम में हिस्सा
- प्राचार्य ने कहा- मेजबानी करना गौरव की बात है

संवाददाता। रांची

डीपीएस में आयोजित पैन इंडिया आउटरीच कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे छात्र-छात्राएं.

झारखंड स्टेट लीगल सर्विसेस अथॉरिटी (झालसा) ने विद्यार्थियों के बीच कानूनी साक्षरता और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया. दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के 50 स्कूलों के कक्षा आठवीं से बारहवीं के 200 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यक्रम में छात्रों को भारत की न्यायिक और राजनीतिक प्रणालियों की समझ प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों की एक विविध श्रृंखला प्रदर्शित की गई. जिसमें भाषण, एक्सटेम्पोर, निबंध लेखन, पेंटिंग और रंगोली बनाने की प्रतियोगिताएं शामिल थी. आयोजन में सभी प्रतिभागियों ने अपने प्रदर्शन और प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने रचनात्मकता और समझ का प्रदर्शन किया. प्रत्येक प्रतियोगिता के शीर्ष तीन रैंक धारकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया.

स्कूल के प्राचार्य डॉ. राम सिंह ने कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की मेजबानी करना हमारे लिए सम्मान की बात है. कानूनी साक्षरता के महत्व को समझने वाले जागरूक युवाओं को तैयार करने के लिए ऐसे कार्यक्रम आवश्यक हैं. छात्रों को सक्रिय रूप से विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते एवं अपनी रचनात्मकता एवं रूचि का प्रदर्शन करते हुए देखना खुशी की बात है.

झारेरा का अल्टीमेटम: वेबसाइट पर अपलोड करें अपडेटेड डॉक्यूमेंट

रांची। झारखंड भू-संपदा नियामक प्राधिकार (झारेरा) ने अल्टीमेटम दिया है कि वैसे बिल्डर्स, डेवलपर्स जिनका वर्तमान पता, ई-मेल, मोबाइल नंबर आदि किसी कारण से बदल गया हो, वे सात दिनों के अंदर कार्यालय को उसके मेल आ ई ड ी (rera.jharkhand<bha>@</bha>gmail.com) पर सूचित करें. साथ ही जिनका प्रोजेक्ट ऑफलाइन मोड में रजिस्टर्ड है और प्रोजेक्ट से संबंधित सभी कागजात अद्यतन झारेरा की वेबसाइट पर अपलोड नहीं किए हैं. वे इस सूचना के प्रकाशन के एक सप्ताह के भीतर अपलोड कर दें. ऐसा नहीं करने पर भू-संपदा (विनियमन एवं विकास) एक्ट 2016 के तहत कार्रवाई की जाएगी. यह जानकारी झारेरा के अध्यक्ष वीरेंद भूषण ने दी.

क्लासिफाइड

ब्रीफ खबर

वज्रपात की चपेट में आकर 12 वर्षीय किशोर की मौत

जमशेदपुर । पटमदा के गोबरघुसी में वज्रपात की चपेट में आकर 12 वर्षीय कोलेन टुडू की मौत हो गई. कोलेन गोबरघुसी हाई स्कूल में सांतवीं कक्षा का छात्र था. घटना के वक्त वह आंगन में खेल रहा था. परिजनों एंबुलेंस की मदद से उसे एमजीएम अस्पताल पहुंचाया पर कोलेन ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया.

नाबालिग के अपहरण का आरोपी पोक्सो कोर्ट से बरी

जमशेदपुर । पटमदा थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय नाबालिग के अपहरण के आरोपी पंचानन मंडल को कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया. मामले के सुनवाई करते हुए स्पेशल पोक्सो जज कंवलजीत चोपड़ा ने आरोपी को बरी किया. आरोपी पक्ष की अधिवक्ता प्रीति मुर्मू ने बताया कि घटना मार्च 2022 की है. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था.

गालूडीह के समीप बाइक से गिरकर पिता-पुत्री घायल

घाटशिला । गालूडीह थाना के समीप मंगलवार की देर रात बाइक अनियंत्रित होने से घाटशिला थाना क्षेत्र के कसीदा गांव निवासी तपन आस व उनकी पुत्री परिधि घायल हो गए. उन्हें अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया जहां से डा. मीरा मुर्मू ने दोनो घायलों को एमजीएम जमशेदपुर के लिए रेफर कर दिया.

भाजपा ने बनाई विजय संकल्प सभा समिति

जमशेदपुर । प्रदेश भाजपा प्रत्येक विधानसभा में विजय संकल्प सभा का आयोजन करेगी. इसके लिए दस सदस्यीय समिति का किया गया है. इसमें जमशेदपुर भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष दिनेश कुमार को भी शामिल किया गया है. समिति के नामित सदस्य सूबे के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विजय संकल्प सभा का आयोजन सुनिश्चित करेंगे.

गृह रक्षा वाहिनी संघ का चुनाव सात जुलाई को

जमशेदपुर । झारखंड गृह रक्षा वाहिनी लोक सेवक संघ ने आगामी 7 जुलाई को संघ की पूर्वी सिंहभूम जिला इकाई का गठन करने का निर्णय लिया है. उक्त दिन बिष्टुपुर पोस्टल पार्क में संघ का चुनाव कराया जायेगा. केंद्रीय समिति के सचिव दिनेश कुमार ने बताया कि सुबह 10 से शाम 4 बजे तक मतदान चलेगा.

जयंती पर याद किए गए कुकड़ू में सुधीर महतो

चांडिल । झारखंड आंदोलनकारी सह झारखंड सरकार के पूर्व उप मुख्यमंत्री दिवंगत सुधीर महतो की कुकड़ू में झामुमो प्रखंड कमेटी ने जयंती मनाई. झामुमो प्रखंड अध्यक्ष इंद्रजीत महतो के नेतृत्व में दर्जनों लोगों ने दिवंगत सुधीर महतो के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी. इस दौरान झामुमो कार्यकर्ताओं ने मिठाई भी बांटी.

चोरी के मोबाइल के साथ बिष्टुपुर में दो गिरफ्तार

जमशेदपुर । बिष्टुपुर पुलिस ने मोबाइल चोरी के मामले में सात माह बाद दो चोरों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में मानगो निवासी रिजवान रजा उर्फ शेख अयान और मो रजीक उर्फ मुजमिल उर्फ बच्चा शामिल है. पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किया गया मोबाइल भी बरामद कर लिया है.

कदमा में दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

जमशेदपुर । कदमा पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर एक निवासी विनोद कुमार यादव को जेल भेजा है. इस संबंध में पीड़िता के बयान पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी. पीड़िता ने पुलिस को बताया था कि आरोपी बिजली का काम करता था वह एक दिन उसके घर में काम करने के लिए आया था जिस दौरान उससे परिचय हुआ.

बागबेड़ा, परसुडीह व गोविंदपुर में रेल क्षेत्र की 18 पंचायतों में प्रखंड प्रशासन के विकास कार्य रोकने के आदेश पर उबाल

बीडीओ दे रहीं मामले को तूल : जिप सदस्य, विकास नहीं तो वोट नहीं : मुखिया

मुख्य संवाददाता । जमशेदपुर

बागबेड़ा,परसुडीह और गोविंदपुर में रेल क्षेत्र में बसी 18 पंचायतों में प्रखंड प्रशासन की ओर से विकास कार्यों पर रोक लगाये जाने के खिलाफ वहां के जनप्रतिनिधियों समेत ग्रामीणों में उबाल है.

उनका आरोप है कि बीडीओ जानबूझ कर इस मामले को तूल दे रही हैं. इसे लेकर उन्होंने अभी से ही विकास नहीं तो अब वोट नहीं की रणनीति बनानी शुरू कर दी है. उन्होंने कहा कि बीडीओ की ओर से दिये गये इस निर्देश पर पुनर्विचार नहीं किया गया, तो इन 15 पंचायतों में निवास करने वाली बड़ी आबादी विकास व सरकार की जनकल्याणकारी योजाओं से वंचित हो जायेगी. ये ग्रामीण मतदान का अधिकार और यहां की नागरिकता होते हुए भी अपने ही देश में बेगाने बन कर रह जायेंगे. विकास की रोशनी से कोसों दूर हो जायेंगे.

प्रत्येक पंचायत में कम से कम 7 से 8 हजार लोग निवास करते हैं. यदि एक पंचायत में औसत आबादी 7 हजार ही मान ली जाये, तो 18 पंचायतों में यह संख्या 1 लाख 26 हजार होगी, जो इस निर्देश से प्रभावित होगी. लोगों का कहना है कि लगभग 40 वर्षों से अधिक समय से वे वहां रह रहे हैं. अबतक किसी भी प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) ने इस तरह का निर्देश जारी नहीं किया, लेकिन अब विकास कार्यों पर रोक लगाई जा रही है. स्थानीय लोगों के अलावा जनप्रतिनिधियों में भी इसे लेकर रोष है. उनका कहना है कि बीडीओ सुधा वर्मा मामले को जबरन तूल दे रही हैं. यही स्थिति रही तो आगामी चुनावों में वे विकास नहीं, तो वोट नहीं की नीति निश्चित ही अपनायी जायेगी. आगामी दो-तीन दिन में इन 18 पंचायतों के सभी जनप्रतिनिधि बैठक कर आंदोलन की रणनीति तय करेंगे. वे प्रखंड से लेकर जिला मुख्यालय तक आंदोलन करने को बाध्य होंगे. कुल मिला कर बीडीओ के इस निर्देश के बाद से इन पंचायतों के ग्रामीणों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक में जनाक्रोश है. उनका कहना है कि जिला मुख्यालय के स्तर से भी मामला नहीं सुलझा, जनहित में फैसला नहीं आया, तो वे सांसद विद्युत वरण महतो और मुख्यमंत्री चंपाई से मिलेंगे.

इस बीच पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य एवं वार्ड सदस्य मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी से मिले. श्री बाउरी जिला भाजपा के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शहर आये थे. इस दौरान साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में अमर बाउरी से मिल कर एक ज्ञापन भी सौंपा. इसके बाद श्री बाउरी ने तत्काल उपयुक्त से फोन पर बात की. उपायुक्त से विकास कार्य नहीं रोकने की बात कही. इस दौरान उमुखिया नीनू कुदादा, भाजपा नेता सुबोध झा, संजीव ठाकुर व अन्य उपस्थित थे.

सवा लाख की आबादी जनकल्याणकारी योजनाओं से हो जायेगी वंचित

दक्षिण-पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक ने किया था आश्वस्त

हालांकि बीडीओ सुधा वर्मा पहले ही इस संबंध में स्पष्ट कर चुकी हैं कि रेलवे की ओर से आपत्ति दर्ज करायी गयी है. इसके बाद यह फैसला लिया गया है. यह मामला उपायुक्त के संज्ञान में भी है. जबतक रेल प्रशासन की ओर से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) नहीं मिल जाता है, तब तक इस फैसले को वापस नहीं लिया जा सकता है. वहीं जिला परिषद सदस्य कविता परमार समेत इन पंचायतों के जनप्रतिनिधियों ने बताया कि मामला रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग से जुड़ा है. पिछली बार दक्षिण-पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक (जीएम) टाटानगर के दौरे पर आये थे, तब उन्होंने आश्वस्त किया था कि इन क्षेत्रों में विकास कार्य बाधित नहीं होगा. बावजूद बीडीओ सुधा वर्मा इस मामले को तूल देने पर तुली हुई हैं.

जिला मुख्यालय तक आंदोलन और सांसद से मुख्यमंत्री तक मिलने की तैयारी

बीडीओ के इस निर्देश के संबंध में कल (24 जून) ही मुझे जानकारी मिली है. ठीक से यह जानकारी भी नहीं मिली है क्यों इस तरह का निर्देश जारी किया गया है. इस संबंध में बीडीओ से समुचित जानकारी लूंगा.

अनन्य मित्तल, उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम

सभी 18 पंचायतों के सभी जनप्रतिनिधि आगामी दो दिन में इस मसले पर बैठक करेंगे. बैठक कर विकास नहीं तो वोट नहीं का ऐलान करेंगे. इसके साथ ही आंदोलन की रणनीति तय की जायेगी. जिसके तहत हम प्रखंड से जिला मुख्यालय तक आंदोलन करेंगे. इसके अलावा जरूरत पड़ी तो सांसद और मुख्यमंत्री से भी मिलेंगे.

नीनू कुदादा, मुखिया, उत्तर-पूर्वी ग्राम पंचायत, बागबेड़ा

पिछले दिनों दक्षिण-पूर्व रेलवे (गार्डेनरिच) के जीएम टाटानगर के दौरे पर आये थे. तब हमने उनसे इस मसले पर बात की थी. उन्होंने आश्वस्त किया था कि इन पंचायतों में विकास और जनकल्याणकारी कार्यों को नहीं रोका जायेगा. बावजूद पता नहीं कहां से कोई चिट्ठी निकाल कर बीडीओ इस मामले को तूल देने पर अड़ी हैं. मैं उपायुक्त से मिलूंगी.

डॉ कविता परमार, जिप सदस्य, बागबेड़ा-8

पूर्वी सिंहभूम के प्रखंड विकास पदाधिकारियों को भेजा गया निर्देश

विद्यार्थियों को साइकिलें दो दिन के अंदर दें : डीसी

- जमशेदपुर प्रखंड को मिली है 2230 साइकिल
- 1081 छात्राओं एवं 1149 छात्रों के बीच होगा वितरण

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

प्रखंड मुख्यालयों में एक पखवाड़े से अधिक समय से पड़ी साइकिलों को कक्षा 8वीं के छात्रों के बीच बांटने का निर्देश डीसी ने दिए. सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को भेजे निर्देश में डीसी ने दो दिनों में वितरण सुनिश्चित कराने के लिए कहा है. दैनिक शुभम संदेश ने "खुले आसमान के नीचे दफन हो रहा उन्नति का पहिया" शीर्षक से प्रमुखता से इस खबर को प्रकाशित किया था. जमशेदपुर प्रखंड मुख्यालय में खुले आसमान में साइकिलों के पार्ट्स रख दिए गए थे. जब से पार्ट्स रखे गए हैं. तब से कई बार वर्षा हो चुकी है. इस संबंध में पूछे जाने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सुधा वर्मा ने कहा था जगह के अभाव के कारण खुले आसमान में साइकिल के पार्ट्स रखे गए है. साथ ही कहा था कि अभी वितरण की तिथि तय नहीं है. हालांकि 19 जून को दैनिक "शुभम संदेश" में खबर प्रकाशित होने के बाद बीडीओ द्वारा साइकिल के पार्ट्स को तिरपाल से ढंकवा दिया गया.

शुभम संदेश में खबर छपने के बाद तिरपाल से ढंक दिए गए साइकिल के पार्ट्स.

गौरतलब है कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के बच्चों को कल्याण विभाग द्वारा तथा सामान्य वर्ग के बच्चों को शिक्षा विभाग द्वारा साइकिल प्राप्त होता है. उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को प्रखंड स्तर पर सुव्यवस्थित तरीके से साइकिल वितरण का कार्य सुनिश्चित करने के लिए प्रखंड कल्याण पदाधिकारी और प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को विद्यालयों से समन्वय स्थापित करने तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में साइकिलों का वितरण सुनिश्चित करने हेतु निदेशित किया है. ज्ञात हो कि पूर्वी सिंहभूम जिले में कक्षा 8 में अध्ययनरत 17214 छात्रों के बीच उक्त साइकिलें वितरीत की जानी है. इसके लिए सभी प्रखंड मुख्यालयों को कलस्टर एवं डिलीवरी प्लाइंट बनाया गया है.

इस संबंध में विभाग ने एक एसओपी भी जारी की है. जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी को मुख्यालय में बड़े स्थान की व्यवस्था करने, साइकिल असेंबल करने वाले कारीगरों के आवासन जैसी जन सुविधा उपलब्ध कराने, सुरक्षा उपलब्ध कराने, इसके लिए एक सहायक एवं डाटा इंट्री ऑपरेटर की व्यवस्था करने के लिए कहा गया है. मुख्यालय में ही कारीगरों द्वारा साइकिलें असेंबल की जाएंगी तथा उसे स्कूलवार छात्रों को प्रदान किया जाएगा. साइकिल वितरण योजना (उन्नति का पहिया) के लिए एजेंसी का चयन राज्य मुख्यालय स्तर पर किया गया है.

कार्यकारी एजेंसी को सभी जिले के प्रखंडों में साइकिल के पार्ट्स पहुंचाने एवं उसे वहीं असेंबल करने की जवाबदेही दी गई है.

जवाबदेही मिलने के बाद एजेंसी ने सभी जिलों में ट्रकों में भर भरकर पार्ट्स एवं असेंबल करने वाले एक्सपर्ट्स भिजवा दिए हैं. लेकिन विभागीय स्तर से लेट लतीफी के कारण साइकिल असेंबल नहीं हो रही है. जमशेदपुर प्रखंड को कुल 2230 साइकिल मिली है. जिसमें 1081 छात्राओं एवं 1149 छात्रों के बीच इसका वितरण किया जाना है.

भाजमो युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष को फोन पर धमकी

पहले पिटाई हुई थी अब हत्या होगी

- 29 जून तक कार्रवाई नहीं होने पर धरना की चेतावनी
- वरीय पुलिस अधीक्षक से की लिखित शिकायत

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय की पार्टी भारतीय जनतंत्र युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अमित शर्मा को जेल से जान से मारने की धमकी मिली है.

अमित शर्मा ने एसएसपी से इसकी लिखित शिकायत की है. अमित शर्मा ने बताया कि वे 23 जून को अपने परिवार संग दीघा घूमने गए थे. सोमवार देर शाम उन्हें 7464078147 नंबर से कई बार व्हाट्सएप कॉल आया. फोन उठाने पर कहा गया कि तुम विधायक सरयू राय के करीबी हो, सूर्य मंदिर के मामले से दूर रहो. फोन करने वाले ने धमकी भरे अंदाज में बोला कि बर्मामाइंस के कंटेनर यार्ड में बम फेंकवाकर सभी सदस्यों की हत्या करवा देंगे. दो साल पूर्व छठ घाट वाले मामले को अंकित करते हुए कहा गया कि पहले तो सरयू समर्थकों की पिटाई हुई थी अब हत्या होगी. बर्मामाइंस में अमित का लेबर सोसाइटी का काम चलता है जहां कई मजदूर जुड़े हुए हैं. अमित ने शिकायत में बताया है कि फोन करने वाले ने सूर्य मंदिर के एक दायित्वधारी के बेटा का नाम लिया और कहा कि वह रांची जेल से बोल रहा है.

अमित ने बताया कि फोन करने वाले ने झारखंड के एक पूर्व मुख्यमंत्री का नाम लेते हुए कहा कि तुरंत इस मामले से निकल जाओ नहीं तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे.

अमित ने बताया कि ये मफिया तत्व डर बनाने के लिए सूर्य मंदिर की जमीन हड़पने के लिए लोगों को दहशत में रखकर सरयू समर्थकों को हतोत्साहित करना चाहते हैं. अमित ने कहा कि कंटेनर यार्ड में किसी प्रकार की अनहोनी होती है तो इसके जिम्मेदार कई लोग होंगे. उन्होंने 29 जून तक कार्रवाई की मांग की है. कार्रवाई नहीं होने पर कंटेनर यार्ड के पास तीन दिवसीय धरना की चेतावनी दी है.

गुड़ाबांदा में आंगनबाड़ी सेविका चयन पर हंगामा

माकड़ी गांव में नियुक्ति पत्र देने से रोका

संवाददाता । डुमरिया

गुड़ाबांदा प्रखंड के सिंहपुरा पंचायत अंतर्गत माकड़ी गांव में मंगलवार को आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका चयन के दौरान ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया. माकड़ी ग्राम के चयन समिति द्वारा आभा महतो पति माधव महतो को सेविका चयन किया गया. परंतु कुछ ग्रामीणों के हंगामे के कारण नियुक्ति पत्र नहीं बांटा गया.

सेविका पद के लिए 6 महिलाओं ने आवेदन किया था. परंतु कागजात पूर्ण नहीं होने के कारण 4 लोगों का आवेदन का रिजेक्ट किया गया. ज्यादा नम्बर के आधार पर आभा महतो का चयन किया गया था. धातकीडीह टोला के ग्रामीणों ने कहा कि कि सेविका का चयन धातकीडीह टोला से ही करें वहां के ज्यादातर बच्चे आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने आते हैं. समिति द्वारा चयनित आवेदिका को नियुक्ति पत्र देने से रोक दिया गया. सिंहपुरा पंचायत की पंचायत समिति सदस्य पुष्पा महतो ने बाल विकास परियोजना पदाधिकारी माया कुमारी और पर्यवेक्षिका शांति कुमारी को सुरक्षित जगह निकाला. पुष्पा महतो ने बताया कि इससे पहले भी माकड़ी ग्राम में 2022 और 2023 में सेविका चयन के लिए दो बार आम सभा आयोजन किया गया था. परंतु ग्रामीणों के विरोध के कारण स्थगित करना पड़ा था. पंसस पुष्पा महतो ने इसकी सूचना पहले पुलिस प्रशासन को दी परंतु सहयोग नहीं किया गया.

शराब दुकान चोरी मामले में कर्मचारी से लगातार हो रही पूछताछ, हर पहलू पर हो रही सघन जांच

घाटशिला । थाना क्षेत्र अंतर्गत मऊभंडार एवं घाटशिला के गोपालपुर स्थित दो सरकारी शराब दुकान में रविवार रात को चोरी होने के बाद दोनों थाना में अज्ञात चोर के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया गया. दुकान के इंचार्ज राकेश कुमार एवं आलोक कुमार के लिखित शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर हर पहलू में सघन जांच शुरू कर दिया. चोरी के बाद सोमवार एवं मंगलवार दोपहर तक शराब दुकान बंद रखा गया था. पुलिस दुकान के सभी कर्मचारी एवं रात्रि प्रहरी के मोबाइल जब्त कर खंगालने में जुटी है. कर्मचारियों से लगातार पूछताछ जारी है. घाटशिला थाना प्रभारी मधुसूदन दे ने बताया कि हर पहलू पर गहराई से जांच की जा रही है. फिलहाल कुछ भी बताना जल्दबाजी होगी.

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

जमशेदपुर । सोनारी थाना अंतर्गत खूंटाडीह निवासी 21 वर्षीय आशीष सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मंगलवार सुबह परिजनों ने आशीष को पंखे से लटका पाया जिसके बाद उसे फंदे से उतारकर टीएमएच लेकर पहुंचे जहां जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह रात को 12.30 बजे तक देखा गया जिसके बाद वह अपने कमरे में चला गया. सुबह 4 बजे उसके कमरे की लाईट और पंखा बंद था. खिड़की से झांकने पर उसका शव फंदे से लटका पाया गया इस संबंध में मृतक के भाई आश्विनी सिंह के बयान पर अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज कराया गया है.

गर्म रहा जमशेदपुर, आज अच्छी बारिश के आसार

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

झारखंड में मानसून का प्रवेश 21 जून को ही हो गया. लेकिन कोल्हान में मानसून की बौझार छिटपुट की ही देखने को मिली. 21 जून से लेकर 25 जून तक तापमान में उतार चढ़ाव देखा गया. 21 जून को अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक था. 23 जून तक कमोवेश यही स्थिति रही. लेकिन 24 जून को तापमान में 3.5 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी (38 डिग्री) ने मानसून के मौसम में लोगों को हीटवेब की याद दिला दी. 25 जून को 5.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी के साथ 39.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा. हालांकि दोपहर बाद आसमान में बादल छाने से धूप की तपिश से कुछ राहत मिली. लेकिन गर्मी एवं उमस वैसी ही रही.

मौसम विभाग की माने तो बुधवार से शहर के मौसम में परिवर्तन के आसार है. राज्य के दक्षिण पूर्वी क्षेत्र जिसमें कोल्हान के तीनों जिले पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम व सरायकेला खरसावां तथा सिमडेगा में कहीं-कहीं भारी वर्षा के आसार हैं. इसी तरह राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्से देवघर, धनबाद, दुमका, गिरीडीह, गोड्डा, जामताड़ा, साहेबगंज तथा पाकुंड़ में वर्षा की संभावना बलवती है. यह स्थिति 29 जून तक रहने की संभावना है.

सांस्कृतिक मूल्यों में बदलाव से बढ़ा नशा का सेवन : कुलपति

जमशेदपुर । जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय नशा उन्मूलन दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को सेमिनार का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि कोल्हान विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति सह कोल्हान प्रमंडलीय आयुक्त हरि कुमार केशरी ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया.

आयुक्त श्री केशरी कहा कि संयुक्त परिवार में बिखराव के मुख्य कारणों में से एक नशापान है. नशा पर रोक के लिए जागरूकता आवश्यक है. सांस्कृतिक मूल्यों में बदलाव के कारण ही शराब व अन्य नशीले पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है. इसे सामाजिक स्तर पर रोका जा सकता है. इसमें शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है.

मतदाता सूची वृद्ध, दिव्यांग, थर्ड जेंडर के लिए अलग से चलेगा अभियान

नाम जोड़ने में राजनीतिक पार्टियों के बीएलए करेंगे सहयोग

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए मंगलवार से जिले में मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण की शुरुआत हुई. विधानसभावार बूथ लेबल ऑफिसर घर-घर जाकर सत्यापन कार्य करेंगे. इस दौरान छूटे हुए मतदाताओं का नाम जोड़ने, ईपीक का सत्यापन, ब्लैक एंड व्हाइट इमेज वाले कार्ड की पहचान करेंगे.

इस दौरान वे एक जुलाई 2024 को अर्हता तिथि मानकर 18 साल की आयु पूर्ण करने वाले मतदाता का नाम मतदाता सूची में प्रपत्र-6 भरकर शामिल करेंगे. वहीं गैर हाजिर रहने वाले, दूसरी जगह स्थानांतरित हो चुके एवं मृत मतदाताओं के लिए फॉर्म -7 भरकर जमा करेंगे. उपायुक्त अनन्य मित्तल ने बताया कि 25 जून से 24 जुलाई के बीच चलने वाले पुनरीक्षण अभियान में राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) सहयोग करेंगे. वे भी छूटे हुए मतदाताओं का नाम प्रपत्र-6 में दर्ज कर बीएलओ को सुपुर्द कर सकेंगे. उपायुक्त ने बताया कि मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए वृद्ध (85 वर्ष से अधिक), दिव्यांग, आदिम जनजाति, थर्ड जेंडर/सेक्स वर्कर एवं रैन बसेरों में रहने वालों के लिए समावेशी सप्ताह चलाकर छूटे हुए लोगों का नाम निर्वाचक सूची में शामिल किया जाना है. इसके लिए 29 जुलाई से 2 अगस्त तक की तिथि निर्धारित की गई है. इस कार्य में सरकारी, गैर सरकारी एवं सामाजिक गतिविधियों में लिप्त लोगों का सहयोग लिया जाएगा.

मतदाता सूची	:	25 जुलाई
दावा एवं आपत्ति	:	9 अगस्त तक
आपत्तियों का निपटारा	:	27 व 28 जुलाई एवं 3 व 4 अगस्त
दावों का निष्पादन	:	19 अगस्त तक
अंतिम मतदाता सूची	:	20 अगस्त

ब्रीफ खबरें

ट्रैक्टर पलटने से चालक घायल, एमजीएम रेफर

घाटशिला | फुलडुंगरी चौक के समीप एनएच 18 फोरलेन पर मंगलवार की सुबह कट से घुमाने के दौरान अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर पलट गया. इस दुर्घटना में चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया. स्थानीय लोगों ने एक निजी कार की मदद से तत्काल अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया. चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया. चालक के सिर और मुंह पर गंभीर चोट लगी है. ट्रैक्टर चालक जगन्नाथपुर गांव का रहने वाला है. वह ट्रैक्टर लेकर घाटशिला की ओर जाने के लिए कट से घूमने लगा तभी ट्रैक्टर पलट गया.

खाद्यान्न वितरण पर आज सचिव करेंगे समीक्षा

जमशेदपुर| खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के सचिव 26 जून को विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करेंगे. वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा होगी. इसमें झारखंड राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, खाद्य एवं उपभोक्ता मामले के निदेशक, सभी जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं सभी विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी को अद्यतन प्रतिवेदन के साथ उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है. इस संबंध में एक पत्र अवर सचिव संजय कुमार ने सभी संबंधित को भेजा है.

जलापूर्ति में वार्ड 18 से सौतेला व्यवहार : रंजन

आदित्यपुर | नगर निगम के प्रशासक को पत्र लिखकर पार्षद रंजन सिंह ने अपने वार्ड में होने वाली पाइप लाइन जलापूर्ति और टैंकर की जलापूर्ति में वार्ड 18 के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया है. पार्षद ने कहा कि वार्ड 18 में पानी की अनियमित और अनिश्चित समय पर जलापूर्ति की जा रही है. इससे यहां के लोगों को पेयजल की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है. पार्षद ने टैंकर जलापूर्ति के साथ सप्लाई लाइन पानी की आपूर्ति को अनियमित बताया है. सप्लाई पानी आपूर्ति के खुलने का समय भी निश्चित नहीं है.

आपातकाल लोकतंत्र की हत्या थी: गणेश महाली

आदित्यपुर | भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष गणेश महाली ने मंगलवार को यहां बयान जारी कर कहा कि संविधान और लोकतंत्र को खतरे में बताने वाले कांग्रेसियों को अपने इतिहास की ओर एक बार देखना चाहिए.आपातकाल के दौरान देश के नेताओं को जबरन जेल में डाला जा रहा था. आपातकाल आजाद भारत के सबसे काले अध्याय था. देश में आपातकाल लगाकर लोकतांत्रिक और संविधान की हत्याएं करने वाले लोग आज गला फाड़फाड़ कर बता रहे हैं कि लोकतंत्र और संविधान खतरे में है.

पूर्व पार्षद ने डीसी को कई समस्या से अवगत कराया

आदित्यपुर | वार्ड 17 की पूर्व पार्षद नीतू शर्मा ने मंगलवार को डीसी सरायकेला रवि शंकर शुक्ला को आम जनता की समस्या से अवगत है. पार्षद ने डीसी को राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड औऱ पेयजल संकट जैसी समस्याओं को डीसी के समक्ष रखा है. डीसी को बताया कि किस तरह 4 साल पूर्व गरीब लोगों ने राशन कार्ड के लिए आवेदन किया लेकिन उन्हें अब तक राशन कार्ड नहीं मिल पाया है. इससे इनका आयुष्मान कार्ड भी नहीं बन पाया है जिसके वजह से सैंकड़ों गरीब परिवार सरकार की योजनाओं से वंचित हैं.

कन्वाई चालक एसडीओ व डीसी से मिले, रखी बात

जमशेदपुर | कन्वाई चालक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को उपायुक्त अनन्य मित्तल एवं एसडीओ (धालभूम) पारूल सिंह से मिला. इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने दोनों अधिकारियों को विभिन्न मांगों को लेकर मार्च माह से धरना जारी रखने की बात कही. संघ के नेता ज्ञानसागर प्रसाद ने बताया कि टाटा मोटर्स एवं टीटीसीए प्रबंधन कन्वाई चालकों की जायज मांगों को नहीं मान रही है. प्रशासन की ओर से भी कई बार पहल की गई. लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. दोनों अधिकारियों ने जल्द ही इस मामले में सकारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया.

फुटपाथ पर जगह नहीं, मुख्य सड़क पर चलें तो दुर्घटना का खतरा, अतिक्रमण व अवैध पार्किंग से स्थिति गम्भीर

आदित्यपुर के राहगीर पूछ रहे नगर निगम से फुटपाथ किसके लिए?

जमशेदपुर | संवाददाता

फुटपाथ किसका ? आदित्यपुर के आम राहगीर नगर निगम से यह सवाल पूछ रहे हैं. चूंकि फुटपाथ को ठेले खोमचों और अवैध पार्किंग ने कब्जा कर लिया है. राहगीर मजबूरी में मुख्य सड़क पर चलते हैं, जिससे वे दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं. आदित्यपुर में फुटपाथ पर लोगों ने कब्जा कर लिया है. फुटपाथ पर अवैध कब्जे से आदित्यपुर वासियों को परेशानी हो रही है. सड़कों पर अवैध पार्किंग के कारण भी परेशान होना पड़ रहा है. यहां के लोगों का कहना है कि अतिक्रमण हटाने के लिए कार्रवाई होती है, लेकिन कुछ दिनों के बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है. फुटपाथ पर अवैध कब्जों की वजह से राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. लोगों को मजबूरी में मुख्य सड़क पर चलना पड़ रहा है. इसके अलावा रिहायशी इलाकों में सड़कों पर ही लोग गाड़ी पार्क कर देते हैं, जिससे पैदल चलना दूभर हो गया है.

फुटपाथ पर कब्जे की तस्वीर

जियाडा का मुख्य गेट बना खाऊ सड़क

आदित्यपुर में ठेले खोमचे वालों की स्थिति यह है कि अब वे प्रोहैबिटेड (अत्यंत सुरक्षित स्थान) आकाशवाणी और जियाडा की मुख्य गेट को खाऊ सड़क बना लिया है. इसके लिए जवाबदेह अधिकारी भी केवल टैक्स वसूलने का काम कर रहे हैं. उन्हें आम राहगीरों की समस्या से कोई लेना देना नहीं है.

यूजर चार्ज लेकर दुकानदारों को दी छूट

आम लोगों का आरोप है कि आदित्यपुर नगर निगम यूजर चार्ज लेकर दुकानदारों को अवैध पार्किंग की छूट दे रखी है. इसलिए वो सख्त कार्रवाई नहीं करती है. फुटपाथ पर आए दिन नई दुकानें खुल रही हैं. चलने के लिए जगह नहीं बची है. इन पर कार्रवाई क्यों नहीं होती है. अब तो वाहन चालक और ठेले वाले मुख्य सड़कों पर को भी पार्किंग का अड्डा बना लिए हैं. लोगों का कहना है कि अगर इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत है.

श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में तीन जुलाई से प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान

प्रभु की प्रतिमा संग नाचते गाते मंदिर पहुंचे श्रद्धालु

मुख्य संवाददाता | जमशेदपुर

भगवान श्री लक्ष्मीनारायण की प्रतिमा मंगलवार को जयपुर से जमशेदपुर पहुंचr. प्रतिमा को दोपहर बाद टfनप्लेट चौक से केबुल टाउन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर प्रांगण में लाया गया. आगामी तीन से प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान आरंभ होगा, जो सात जुलाई तक चलेगा. इस बीच पांच जुलाई को प्रख्यात जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ एवं आध्यात्मिक गुरु पं विजय शंकर मेहता का आगमन होगा. वे यहां श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे.

आज टिनप्लेट चौक से मंदिर प्रांगण तक भगवान की प्रतिमा को लेकर आने के दौरान उत्सव सा माहौल रहा. जिस वाहन पर प्रतिमा रखी थी, उसके साथ श्रद्धालुओं का सैलाब चल रहा था. श्रद्धालुओं के सैलाब में जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय भी शामिल थे. इसमें शामिल तासा पार्टी की धुन पर श्रद्धालुओं के मन-मस्तिष्क में भक्तिभाव हिलोरें ले रहा था. लोग भक्ति में विभोर होकर थिरकते-नाचते चल रहे थे. प्रतिमा अभी मंदिर प्रांगण में ही रखी गई है. तीन जुलाई को पूजा-अर्चना के बाद भगवान को नगर भ्रमण कराया जायेगा. सात जुलाई को पूरे विधि-विधान के साथ प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान होगा.

तीन से सात जुलाई तक होनेवाले अनुष्ठान

तीन जुलाई: जलयात्रा, पंचांग पूजन, ब्राह्मण वरण, मंडप प्रवेश, वेदी निर्माण, नगर भ्रमण और जलाधिवास होगा. **चार जुलाई**: देवताओं का आवाहन पूजन, पाठ, जप, धन्नाधिवास, धृताधिवास, गन्धाधिवास और धूपाधिवास होगा. **पांच जुलाई**: मंडपस्थ आवाहित देवताओं का पूजन, अरणी मंथन कर अग्नि स्थापन, पाठ जप, हवन, पुष्पाधिवास, फलाधिवास, वस्त्राधिवास, औषध्याधिवास और मिष्ठानाधिवास होगा. **छह जुलाई**: आवाहित देवताओं का पूजन, पाठ, हवन, देवस्नपन के पश्चात भगवान को नगर भ्रमण और शय्याधिवास कराया जायेगा. **सात जुलाई**: आवाहित देवताओं का पूजन, जप, मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा, पूर्णाहुति एवं भोग वितरण किया जायेगा.

टुना सबर से मिले बीडीओ, राशन के साथ योजनाओं के स्वीकृति पत्र दिए

संवाददाता | डुमरिया

दाम्पाबेड़ा के टुना सबर और उसकी पत्नी सोमी सबर से बीडीओ निलेश कुमार मुर्मू ने मंगलवार को बादलगोड़ा में मिले. विगत दिनों लगातार डॉट इन ने टुना सबर को सरकारी आश्वासन के एक वर्ष बाद भी राशनकार्ड व अन्य सुविधाओं से वंचित होने की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था. बीडीओ ने तत्काल सहायता के रूप में पचास किलोग्राम चावल प्रदान किया. साथ ही पीएच राशनकार्ड, मनरेगा से पशु शेड, कुंआ, जॉब कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अंतर्गत बकरी अनुदान, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, पीएम जनमन योजना से आवास, व गोल्डन आयुष्मान कार्ड योजना की स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया.

बीडीओ निलेश कुमार मुर्मू ने बताया कि टुना सबर को सरकार कि लाभकारी योजनाओं से जोड़ दिया गया है. साथ ही टुना सबर को डाकिया योजना से जोड़ने के लिए जिला आपूर्ति पदाधिकारी को अनुशंसा किया गया है.

विदित हो कि 2023 फरवरी माह में टुना सबर भीषण चर्मरोग से पीड़ित होकर मरणासन्न अवस्था में पंहुच गया था. मीडिया में खबर आने के बाद प्रशासन ने जमशेदपुर सदर अस्पताल में उसका ईलाज कराया. ईलाज के बाद बादलगोड़ा पूरानी पंचायत भवन में टुना सबर और उसकी पत्नी सोमी सबर को रखा गया है. इस मौके पर पंचायत सचिव मिहिर सरदार, युवा नेता उदय मुर्मू आदि उपस्थित थे.

अलग-अलग रिजल्ट जारी होने से खाली रह जाएंगी सीटें

- प्राइमरी व अपर प्राइमरी कैटेगरी सहायक आचार्य परीक्षा का रिजल्ट एक साथ जारी करने की मांग

संवाददाता | चांडिल

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन द्वारा सहायक आचार्य परीक्षा के तहत प्राइमरी एवं अपर प्राइमरी कैटेगरी का रिजल्ट अलग-अलग जारी किए जाने की घोषणा का जेटेट पास अभ्यर्थियों ने विरोध किया है. मंगलवार को पारा शिक्षक-गैर पारा जेटेट सफल अभ्यर्थी संघ झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष कुणाल दास ने कहा कि राज्य में काफी संख्या में ऐसे अभ्यर्थी हैं जो दोनों कैटेगरी में पात्रता रखने की वजह से दोनों ही कैटेगरी की परीक्षा में शामिल हुए हैं. ऐसे में अगर प्राइमरी लेवल की नियुक्ति पहले होती है तो दोनों कैटेगरी के अभ्यर्थी प्राइमरी में चुने जाने की स्थिति में पहले प्राइमरी में ज्वाइन करेंगे. बाद में अगर उसी अभ्यर्थी का चयन अपर प्राइमरी में हो जाता है तो वह प्राइमरी लेवल से इस्तीफा देकर अपर प्राइमरी लेवल पर ज्वॉइन कर लेंगे. इस प्रकार से प्राइमरी का सीट अनावश्यक रूप से रिक्त रह जाएगा. यह एक गंभीर समस्या है और इस पर सरकार से लेकर जेएसएससी तक को गंभीरतापूर्वक पुनर्विचार करना चाहिए.

कुणाल दास ने आगे कहा कि अगर मुख्यमंत्री के मुताबिक प्राइमरी का रिजल्ट पहले जारी होता है तो न केवल अनावश्यक रूप से प्राइमरी के सीट रिक्त रह जाएंगे बल्कि काफी संख्या में प्राइमरी के अभ्यर्थी वंचित रह जाएंगे. बहुत जल्द संघ का प्रतिनिधिमंडल इस समस्या से अवगत कराने के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात करेगा. उन्होंने कहा कि बहाली में झारखंड के अधिसंख्य युवा मूल निवासियों की नियुक्ति हो, यही उनका मूल लक्ष्य है. इसके लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा. विदित हो कि झारखंड के सरकारी प्रारंभिक विद्यालयों में जेएसएससी के माध्यम से 26001 सहायक आचार्यों की नियुक्ति प्रक्रियाधीन है. इसे लेकर कई चरण में परीक्षा ली जा चुकी है और आगे और भी कई चरणों में परीक्षा लिया जाना बाकी है.

छात्रों ने दिये नशे से परहेज के संदेश

अर्का जैन यूनिवर्सिटी में दिलाई गई मादक पदार्थों से दूर रहने की शपथ

मुख्य संवाददाता | जमशेदपुर

अर्का जैन यूनिवर्सिटी में पिछले 19 से 26 जून (मंगलवारः मादक पदार्थों की रोकथाम व इससे परहेज करने को लेकर कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये. इसमें यूनिवर्सिटी में संचालित सभी विभागों में क्विज, पोस्टर मेकिंग, नुक्कड़ नाटक, निबंध लेखन, शपथ ग्रहण, स्किट समेत अन्य कार्यक्रम व प्रतियोगिताएं हुईं. इसके माध्यम से छात्र-छात्राओं के बीच मादक पदार्थों की रोकथाम और इससे परहेज करने के प्रति पर जागरूकता फैलायी गयी.

यूनिवर्सिटी की एनएसएस विंग ने भी स्वयंसेवकों के बीच जागरूकता अभियान चलाया. अंग्रेजी और कॉमर्स विभाग ने क्विज, मैनेजमेंट ने निबंध लेखन, स्कूल ऑफ़ नर्सिंग ने नुक्कड़ नाटक किया, तो बायो टेक्नोलॉजी विभाग ने विद्यार्थियों को मादक पदार्थ से दूरी बनाने की शपथ दिलायी. कार्यक्रम की महत्ता को इंगित करते हुए कुलपति डॉ ईश्वरन अय्यर ने कहा कि युवा पीढ़ी को मादक पदार्थ से बचना चाहिए, ताकि अपनी पूरी मानसिक व शारीरिक क्षमता का उपयोग कर अपने भविष्य का निर्माण कर सकें.

यूनिवर्सिटी के निदेशक सह कुलसचिव डॉ अमित कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मादक पदार्थों की रोकथाम के प्रयास व्यक्ति या उसके परिवेश पर केंद्रित हो सकते हैं. इसलिए अर्का जैन यूनि. में अक्सर ऐसे जागरूकता अभियान चलाये जाते हैं, ताकि युवा पीढ़ी गलत संगती और नशे से दूर रहे. मादक पदार्थ रोकथाम जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन और भागीदारी के दौरान यूनिवर्सिटी परिवार में काफी उत्साह रहा. इसी तरह विद्यार्थियों एवं आसपास के लोगों को भी जागरूक ने की दिशा में एक सार्थक प्रयास किया गया.

समस्या खराब हो चुकीं हैं अनेक सोलर जल मीनार, निर्माण में अनियमितता का आरोप

बहरागोड़ा की पंचायतों के ग्रामीण पानी के लिये भटक रहे दर-दर

- पाइप लीकेज, नल व सोलर प्लेट की खराबी समेत कई समस्याएं

संवाददाता | बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में 14वें वित्त आयोग की राशि से निर्मित सोलर जलमीनार इन दिनों खराब पड़ी हुई है. प्रखंड के पाथरा, मानुषमुड़िया, बहुलिया समेत अन्य पंचायतों के विभिन्न स्थानों पर लगी जलमीनार बीते कई माह से खराब है. पाथरा पंचायत के गंधानाटा सारंगी टोला, ऊपर टोला, बांधडीही, जातकांटा गांव में लगी जलमीनार भी खराब है. इसके कारण लोगों को पीने के पानी के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीण चापानल से कुआं तक दर-दर भटक रहे हैं तब कहीं जाकर दो तीन बाल्टी पानी की व्यवस्था हो पा रही है.

गंधानाटा सारंगी टोला के ग्रामीणों मदन कुमार गोप, गुर्बा मुर्मू, बादल मुर्मू, कुंवर मुर्मू, दुलाल मुर्मू, आरती गोप, मालती मुर्मू, कनक लता गोप, फागू गोप, रंजित गोप, राधि गोप, राकेश गोप, तुला गोप, सुरु बाली मुर्मू, नाग मानी मुर्मू, लक्की राणा, सोना मनी टुडु, हंपा टुडु ,राधि मुर्मु समेत कई लोगों ने बताया कि पेयजल की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने 14वें वित्त आयोग की राशि से गत दो वर्ष पहले वेंडर के माध्यम से जलमीनार लगवाई गई थी.

ग्रामीणों का विरोध

ग्रामीणों ने बताया कि इस टोला में पीने के पानी का एकमात्र साधन उक्त सोलर जलमीनार ही है. इसके खराब हो जाने से पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि जल मीनार लगाने में घोर अनियमितता बरती गई है. अनियमितता का आलम यह है कि निर्माण के साथ ही पाइप में लीकेज होना, नल में खराबी आ जाना और सोलर प्लेट का काम करना बंद कर देना आदि समस्याएं उत्पन्न हो गईं हैं. शुक्रवार ग्रामीणों ने जल मीनार के पास बर्तन, बाल्टी लेकर संबंधित विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया.

न्यूज अपडेट

झामुमो की समीक्षा बैठक में परिणाम पर चर्चा

डुमरिया | प्रखंड के आस्ताकोवाली, कांटाशोल व कुमड़ाशोल पंचायत के झामुमो पंचायत कमिटियों की बैठक मंगलवार को आयोजित हुई. बैठक में पोटका विधायक संजीव सरदार के उपस्थिति में विगत लोकसभा चुनाव परिणाम की समीक्षा की गई. झामुमो को बढ़त दिलाने के लिए विधायक ने कार्यकर्ता व मतदाताओं का आभार व्यक्त किया गया. मौके पर झामुमो प्रखंड कमिटी के अध्यक्ष मिर्जा सोरेन, शंकर चंद्र हेंब्रम, भगत बास्के समेत पंचायत के झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे. आस्ताकोवाली पंचायत में विधायक संजीव सरदार ने विगत दिनों सड़क दुर्घटना में मृत पंसस लोधया हांसदा के परिजनों से भागाबेड़ा में मिले और शोक जताते हुए परिजनों को सांत्वना दी.

श्री शनिदेव भक्त मंडली ने की बच्चे के इलाज में मदद

जमशेदपुर | श्री शनिदेव भक्त मंडली (ट्रस्ट) ने अपने सामाजिक सरोकार के तहत अस्पताल में भर्ती मास्टर ह्यांश नामक बच्चे के इलाज में आर्थिक सहयोग किया तथा उसे अस्पताल से सकुशल घर भिजवाया. ह्यांश आदित्यपुर दिंदली बस्ती के रहने वाले मंगल सरदार का पुत्र है. पिछले वर्ष अक्टूबर में पीने का पानी लाते समय पैर फिसल कर घर में गिरने से उसके पैर की हड्डी टूट गई थी. जिसके बाद उसके पैर में ऑपरेशन कर प्लेट लगाया गया. 8 माह बाद बच्चे को पुनः परेशानी महसूस हुई. पिता के पास पैसे नहीं होने के कारण संस्था मदद को आगे आई तथा बच्चे के इलाज में मदद की. मौके पर मंटू सिंह मोदक, मानिक गोराई, आशीष बनर्जी, अमित कुमार सिन्हा, देव प्रकाश गोराई, गौरांगो धर आदि मौजूद रहे.

याद किये गये स्व. सुधीर महतो, श्रद्धासुमन अर्पित

जमशेदपुर | झारखंड सरकार के पुर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय सुधीर महतो की 68वीं जन्म जयंती पर मंगलवार को कदमा उलियान स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई. सबसे पहले उनकी पत्नी सह ईचागढ़ की विधायक सविता महतो ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रूप से घाटशिला के विधायक सह झामुमो पूर्वी सिंहभूम जिला कमिटी के अध्यक्ष रामदास सोरेन, पूर्व सांसद सुमन महतो, अल्पसंख्यक आयोग के चैयरमैन हिदायतुल्लाह खान, 20 सूत्री समिति के उपाध्यक्ष मोहन कर्मकार, सरायकेला-खरसावां के पार्टी जिलाध्यक्ष डॉ. सुभेंदू महतो, लालटू महतो, पूर्वी सिंहभूम जिला कमिटी के संयुक्त सचिव फैयाज अहमद शामिल थे.

नशीली दवाओं के नुकसान से छात्रों को अवगत कराया

घाटशिला | संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर में मंगलवार को विद्यालय के मल्टीमीडिया हॉल में नशीली दवाओं की लत के हानिकारक प्रभावों पर एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया गया. मुख्य वक्ता के रूप में एचसीएल/आईसीसी अस्पताल मऊभंडार के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. डीडी बर्मन उपस्थित थे. डॉ. बर्मन को विद्यालय प्रबंधक प्रसनजीत कर्मकार एवं अन्य ने शॉल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया. डॉ. बर्मन ने नशीली दवाइयों के दुरुपयोग, इसके दुष्प्रभावों एवं इससे बचने के उपायों से सभी छात्रों को अवगत कराया. इस संवादात्मक सत्र में विद्यार्थियों ने अपने संदेह को दूर करने के लिए कई रोचक प्रश्न भी पूछा जिसका उत्तर डॉ. बर्मन एवं विद्यालय प्राचार्या द्वारा दिया गया.

महुलिया उच्च विद्यालय में पर्यावरण मित्र ने लगाये पौधे

घाटशिला | पर्यावरण मित्र घाटशिला ने मंगलवार को महुलिया प्लस टू उच्च विद्यालय में सामूहिक पौधा रोपण किया.विद्यालय के प्रधानाध्यापक और प्रबंधन समिति के आग्रह पर प्रो. इंदल पासवान और डा. संदीप चंद्रा के नेतृत्व में पर्यावरण मित्र घाटशिला ने अपने स्तर से 50 फलदार पौधे स्कूल परिसर में लगाये. एक वर्ष पहले भी स्कूल परिसर में करीब 70 पौधे लगाये थे, करीब 50 पौधे अब बड़े हो गये हैं. प्रो. इंदल पासवान ने कहा कि हम सबका अस्तित्व ही इसी प्रकृति के कारण है. पौधरोपण अभियान में मिहिर भकत, स्कूल प्रबंधन समिति अध्यक्ष प्रियव्रत दत्ता, प्रधानाध्यापक संजीव पाल, शिक्षिका ख्याली मंडल, सुर सिंह तामसी, इको क्लब इंचार्ज नूतन कुमारी व छात्र छात्राओं ने सक्रिय भूमिका निभाई.

पूर्व उप मुख्यमंत्री स्व. सुधीर महतो की मनाई जयंती

घाटशिला | झारखंड के पूर्व उप मुख्यमंत्री सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष स्व. सुधीर महतो का 69वां जन्मदिन मंगलवार को मनाया गया. फुलडूंगरी में जन्मदिन पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई. उनकी आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की गई. श्रद्धांजलि सभा में विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने कहा कि ईचागढ़ विधानसभा के विधायक रहते हुए भी घाटशिला क्षेत्र उनकी कर्मस्थली थी. झारखंड कॉपर मजदूर यूनियन के अध्यक्ष के साथ ही बहुत से संगठन से जुड़े थे. इस अवसर पर काजल डॉन, विकास मजूमदार, कला चंद सरकार, रहमत अली, विष्णु शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे.

पोटका के विधायक ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं

डुमरिया | पोटका के विधायक संजीव सरदार सोमवार की रात डुमरिया वन विश्रामगृह में रूके. आज सुबह विधायक क्षेत्र के ग्रामीणों से मिले. उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान किया. कई ग्रामीण सड़क निर्माण की मांग लेकर पहुंचे थे. पेंशन, पेयजल से संबंधित आवश्यकताओं की जानकारी भी विधायक को दी गई. विधायक ने बीडीओ निलेश कुमार मुर्मू से मिलकर क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं की जानकारी ली. कार्यों को त्वरित गति के साथ निष्पादन का निर्देश दिया. बीडीओ ने कई विकास कार्यों के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं की जानकारी विधायक को दी. विधायक ने आवश्यक पहल करने का भरोसा दिया. मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मिर्जा सोरेन, भगत बास्के, शंकर चंद्र हेंब्रम, भगत हांसदा, रामदास हेम्ब्रम आदि उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

करंजो में 84 किसानों को दिया गया धान के बीज

चक्रधरपुर । बंदगांव प्रखंड की कराइकेला पंचायत स्थित करंजो में मंगलवार को विभिन्न गांव के 84 किसानों के बीच धान के बीज का पैकेट बांटा गया. इस मौके पर मुख्य रूप से प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी विजय सिंह जोंको, लांडूपोदा पंचायत के मुखिया कुश पूर्ति उपस्थित थे. कार्यक्रम में बंदगांव घाटी नीचे के कराईकेला, लांडूपोदा, ओटार, भालूपानी, नकटी, हुड़गदा के किसानों के बीच प्रति किसान 20-20 किलो का पैकेट बांटा गया. मौके पर मुखिया कुश पूर्ति, प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी बिजय सिंह, दिनेश प्रसाद, केदार बानरा, तीरथ जामुदा, मंगल आदि मौजूद थे.

रेलकर्मी की पुत्री ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर के रेलवे क्षेत्र स्थित पोर्टरखोली स्थित शिव मंदिर के समीप एक रेलवे क्वार्टर में मंगलवार को 25 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. बताया जाता है कि रेलवे के ऑपरेटिंग विभाग में प्वाइंट्समैन के पद पर कार्यरत शशिभूषण सिंह मंगलवार को ड्यूटी गये हुये थे. वहीं उनकी पत्नी, मां व बेटा दूसरे कमरे में थे. इसी दौरान दोपहर में रेलकर्मी की पुत्री दिव्या कुमारी ने एक कमरे में लगे लकड़ी के बल्ले में रस्सी फंसाकर आत्महत्या कर ली. सूचना मिलने पर चक्रधरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई.

स्व. सुधीर महतो को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

चांडिल । राज्य के उप मुख्यमंत्री सह ईचागढ़ के विधायक रह चुके दिवंगत सुधीर महतो को उनकी जयंती पर मंगलवार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई. चांडिल गोलचक्कर में आयोजित जयंती कार्यक्रम में कद्दावर नेता रहे दिवंगत सुधीर महतो के तस्वीर पर माल्यार्पण कर और केक काटकर उनकी 68वीं जयंती मनाई गई. इस अवसर पर ईचागढ़ समेत पूरे झारखंड के विकास के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यो की चर्चा की गई. कार्यक्रम में झामुमो के जिला संयुक्त सचिव धर्मु गोप, झामुमो के जिला प्रवक्ता मोहन लोहार, झाछामो के जिलाध्यक्ष सह झामुमो मीडिया प्रभारी सुदामा हेम्ब्रम, झायुमो जिला सचिव दीनबंधु महतो, राजू किस्कू, बैधनाथ टुडू, मोती सोरेन, कलेबर हेम्ब्रम, सुमित टुडू, कालीराम आदि उपस्थित थे.

किसी भी प्रकार के नशा से दूर रहें : प्राचार्य

चाईबासा । महिला कॉलेज चाईबासा के बीएड विभाग के बहुउद्देशीय कक्ष में नशा उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया. इस कार्यक्रम में महिला कॉलेज चाईबासा की प्राचार्य डॉ प्रीतिबाला सिन्हा ने कहा कि सभी लोग किसी भी प्रकार के नशा से दूर रहें. बीएड विभाग के विभागाध्यक्ष मोहम्मद मोबारक करीम हाशमी ने सभी लोगों को नशीले पदार्थों से दूर रहने को कहा. हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ सुचिता बाड़ा कहा कि नशीले पदार्थों से बचें. इसके घातक परिणाम होते हैं. कार्यक्रम में महिला कॉलेज चाईबासा के सभी प्राध्यापक, गैर शैक्षणिक कर्मचारी व छात्राएं उपस्थित थीं. सभी लोगों ने नशा उन्मूलन हेतु शपथ ग्रहण किया.

नीट के रिजल्ट में हुई गड़बड़ी को लेकर कोल्हान विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने केंद्र सरकार का किया विरोध

एनएसयूआई ने रैली निकाल केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

रजिस्ट्रेशन बंद होने के एक दिन बाद भी पोर्टल खोल किन छात्रों का हुआ निबंधन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंकते एनएसयूआई के सदस्य.

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे.

संवाददाता । चाईबासा

कोल्हन यूनिवर्सिटी नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के अध्यक्ष वीर सिंह बालमुचू और जिलाध्यक्ष विवेक विशाल के नेतृत्व में मंगलवार को केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया. इससे पहले एनएसयूआई के नेतृत्व में छात्रों ने नीट 2024 और नेट की परीक्षा में हुई धांधली के विरोध में कोल्हान यूनिवर्सिटी से लेकर तंबो चौक तक रैली निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया. विरोध प्रदर्शन छात्रों के हित में और नीट के छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने के विरोध में था. विद्यार्थियों ने कहा कि विगत दिनों जिस तरीके से नीट रिजल्ट के साथ धांधली कर छात्रों के साथ अन्याय किया गया और नेट का प्रश्न पत्र को लीक हुआ है.

नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के नेताओं ने कहा कि रजिस्ट्रेशन खत्म होने के एक दिन बाद भी पोर्टल खोलकर किन छात्रों का रजिस्ट्रेशन करवाया गया, इसकी छानबीन होनी चाहिए. सेंटर के एक कमरे के परीक्षार्थियों को 720 में 720 नंबर कैसे मिले और यह कैसे संभव हो सकता है. कहीं लेट से कनेक्शन भेजकर ग्रेस मार्क्स देना किस प्रकार की साजिश है.

एनएसयूआई के नेताओं ने इन बिंदुओं पर अलग-अलग जांच करनी चाहिए. कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला महासचिव अनीश कुमार गोप, जिला महासचिव समीर संदीप पिंगुआ, सोशल मीडिया प्रभारी लक्ष्मण पूर्ति, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रीतम बंकिरा, नगर अध्यक्ष अमन महतो, सुशील हेस्सा, कोल्हान यूनिवर्सिटी एनएसयूआई के हेमंत कालुंडिया, मंगल खंडाइत, घनश्याम सोय, अंजलि पूर्ति, स्नेहा खंडाईत मनीषा गोप, नेहा महापात्र, निकिता महापत्र और काफी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

विद्यार्थियों की दोबारा होनी चाहिए परीक्षा

नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया से जुड़े कोल्हान विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कहा कि देश अगर पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं लाता है तो दोबारा छात्रों के भविष्य को देखते हुए री एग्जामिनेशन होना चाहिए. यह सिर्फ 1500 बच्चों के भविष्य की बात नहीं है यह देश के 24 लाख अभ्यर्थियों के भविष्य का मामला है. जिस तरीके से सारी शिक्षण संस्थान जो नीट की तैयारी करवाती है, वह इस पर पूरी तरह से मौन है तो कहीं यह बड़े उद्योगपतियों और सरकार की मिली जुली साजिश का हिस्सा तो नहीं. विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कहा कि यदि देश आज तरक्की की ओर अपना कदम बढ़ाना चाहता है तो सबसे पहले इस तरीके के बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता का होना बहुत जरूरी है. पूरा देश अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित है और कहीं ना कहीं आने वाली पीढ़ी को हम अंधकार की ओर धकेल रहे हैं. इसके सरकार को कड़े कदम उठाने होंगे.

मेघाहातुबुरु में क्षेत्र स्तरीय वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन

किरीबुरु । भारतीय रिजर्व बैंक, रांची कार्यालय द्वारा मंगलवार को मेघाहातुबुरु स्थित सामुदायिक भवन में क्षेत्र स्तरीय वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में लगभग 250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रेम रंजन प्रसाद सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक, झारखंड उपस्थित थे.

क्षेत्रीय निदेशक ने वित्तीय समावेशन, वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग लोकपाल योजना, विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, स्टैंड-अप इंडिया आदि तथा डिजिटल बैंकिंग से संबन्धित विषयों पर जानकारी दी. कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के वरिष्ठ अधिकारी, किरीबुरु के सभी बैंकों के शाखा प्रमुख उपस्थित थे. प्रश्नोत्तरी सत्र में प्रतिभागियों को वित्तीय साक्षरता की जानकारी दी गई.

टोंटो पंचायत कार्यालय : 5 वर्षों में 5 दिन भी नहीं खुला : बुधराम लागुरी

भवन का बीडीओ ने किया निरीक्षण, गंदगी देख भड़के

दीवार में पड़ी दरार को भरा जा रहा पुट्टी से (लाल घेरे में).

- संसाधन व पैसा मिलता है फिर भी सफाई नहीं होती
- जरूरी सामान का पंचायत भवन में है घोर अभाव

संवाददाता । चाईबासा

टोन्टो प्रखंड के टोन्टो पंचायत भवन के पांच वर्ष समाप्त होने को हैं. अपने कार्यकाल में 5 दिन भी नियमित रूप से भवन नहीं खुल सका. मुखिया दीपिका लागुरी के चाईबासा में रहने के कारण आम जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है. पंचायत भवन के रख-रखाव नहीं हो रहा है. एक रात्रि गार्ड तक नहीं है. पंचायत भवन में कचरा का अंबार है, जबकि सरकार की ओर से संसाधन समेत राशि दी जाती है. यह बातें झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने कहीं. लागुरी ने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) ललित कुमार भगत के आज के निरीक्षण को देखते हुए मुखिया ने थोड़ी बहुत साफ-सफाई करवा दी.

प्रखंड विकास पदाधिकारी पंचायत भवन की दुर्दशा देख दंग रह गए. पंचायत भवन में पानी, साफ-सफाई समेत अन्य जरूरी सामान का घोर अभाव है. इस संबंध में बीडीओ भगत ने मुखिया दीपिका लागुरी से जानना चाहा तो इन सभी सवालों का जवाब पूर्व मुखिया बाबूराम लागुरी गोल मटोल दे रहे थे.

लागुरी ने कहा कि पंचायत भवन के सामने बीडीओ द्वारा रात्रि गार्ड के बारे में पूछे जाने पर मुखिया ने सामने खड़े एक व्यक्ति घनश्याम लागुरी की ओर इशारा करते हुए कहा कि यही नाइट गार्ड है, जबकि यह झूठ है. ग्राम सभा की ओर से किसी भी व्यक्ति को नाइट गार्ड के रूप में नियुक्त नहीं किया गया है.

रख-रखाव व नाइट गार्ड के लिए मिलता है 1500 रुपये

पंचायत भवन के रख-रखाव और नाइट गार्ड के लिए सरकार की ओर से प्रति माह 1500 (एक हजार पांच सौ) रुपये भेजे जाते हैं.

सरकार द्वारा पंचायत कार्यालय को सुचारू रूप से संचालन के लिए टेबल, कुर्सी, पंखा, कम्प्यूटर, प्रिंटिंग मशीन समेत अन्य जरूरी सामान भी वितरित किया गया है, वो सभी नदारत है. ऐसे में पंचायत कार्यालय का संचालन कैसे होगा. ये अपने आप में गम्भीर विषय है.

सरकार द्वारा भेजे जा रहे सभी पैसों का कथित रूप से बंदरबांट कर लिया जा रहा है, इसकी जांच की जानी जरूरी है. वहीं पंचायत स्तर पर आमजनों के लिए सरकार द्वारा दिया गया पानी के टैंकर को कथित रूप से भाड़ा में लगा रखा है.

इसके कारण जनता को किसी सामाजिक कार्यक्रम में पानी को तरसना पड़ता है. पंचायत भवन के कमरों को भी बिना ग्राम सभा से पारित भाड़ा में लगा रखा है, जिसकी जांच की आवश्यकता है.

सोलर जलमीनार निर्माण में घोटाला

लागुरी ने कहा कि टोन्टो पंचायत में सोलर जलमीनार के निर्माण में भी भारी घोटाला होने का अंदेशा है, जो जांच का विषय है. क्योंकि एक ही सोलर जलमीनार की योजना का मुखिया और पंचायत समिति के दो-दो मद से निर्माण कार्य किया गया है. लागुरी ने कहा कि मुखिया के चाईबासा में रहने के कारण टोन्टो पंचायत के ग्राम टोन्टो, लिसिमोती, कुदामसादा, टोपाबेड़ा, बांदाबेड़ा, टेंसरा और उदालकम की जनता अपनी समस्याओं को मुखिया के समक्ष नहीं रख पाते हैं. इसके कारण आम जनता की समस्या का हल नहीं हो पा रहा है. लागुरी ने कहा कि टोन्टो पंचायत के सभी सात गांव के लोग पानी, बिजली, स्वस्थ समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं.

पंचायत कार्यालय के नहीं खुलने के कारण पंचायत सेवक, रोजगार सेवक समेत अन्य कर्मचारी भी नदारत रहते हैं. इस मामले को लेकर जल्द ही उपायुक्त कुलदीप चौधरी और मंत्री दीपक बिरुआ से जनता मुलाकात कर उन्हें समस्या से अवगत कराएगी.

साक्षरता दर बढ़ाने में टीएलएम का महत्वपूर्ण स्थान : उपायुक्त

कार्यक्रम निपुण समागम में उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाएं व अन्य.

संवाददाता । चाईबासा

- मेला का उद्‌घाटन डीसी कुलदीप चौधरी ने किया
- अतिथियों ने टीएलएम का किया अवलोकन

निपुण समागम -2024 कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय शिक्षण अधिगम सामग्री मेला (टीएलएम) का जिला स्कूल प्लस टू विद्यालय प्रांगण में मंगलवार को आयोजन किया गया. इसमें जिले के सभी प्रखंडों की ओर से आकर्षक एवं रोचक टीएलएम का प्रदर्शन किया गया. मेला का उद्‌घाटन मुख्य अतिथि डीसी कुलदीप चौधरी, विशिष्ट अतिथि डीडीसी संदीप कुमार मीणा, जिला खेल पदाधिकारी रुपा रानी तिर्की ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. अतिथियों ने जिले के प्रखंडों द्वारा निर्मित टीएलएम का अवलोकन किया. अतिथियों ने बच्चों के पठन-पाठन हेतु समझ स्पष्ट करने में सहायक टीएलएम बनाने वाले शिक्षिक-शिक्षिकाओं एवं प्रधान शिक्षकों की सराहना की और कई सुझाव भी दिये. कार्यक्रम में डीसी कुलदीप चौधरी ने कहा कि जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, साक्षरता दर बढ़ाने एवं छीजन दर घटाने में टीएलएम का काफी महत्वपूर्ण स्थान है. हम आंकड़े की प्रगति पर नहीं, बल्कि बच्चे समाज के अच्छे नागरिक के रूप में स्थापित हों, इसके लिए बेहतर तरीके से शिक्षण सामग्रियों का उपयोग हो.

टीएलएम निर्माण में प्रथम तांतनगर, द्वितीय नोवामुंडी, तृतीय सदर प्रखंड को ओवरऑल स्तर पर पुरस्कृत किया गया. इसके विषय विशेष कर हाटगम्हरिया, चक्रधरपुर, आनंदपुर और मनोहरपुर प्रखंडों की टीम का चयन किया गया. चयनित टीएलएम 4 जुलाई से 6 जुलाई तक आयोजित राज्य स्तरीय निपुण समागम में प्रदर्शित किया जाएगा.

25 जून को लगा था आपातकाल, देश के इतिहास में काला दिन : जटाशंकर

चाईबासा । भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में मंगलवार को जिला अध्यक्ष संजय पांडेय की अध्यक्षता में 25 जून 1975 को कांग्रेस पार्टी की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाने से भारत के इतिहास में काला दिन पर संगोष्ठी की गई. इसमें मुख्य वक्ता के रूप में पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जटा शंकर पांडेय शामिल हुए. उन्होंने कहा कि 25 जून को आपतकाल लगाया गया था. यह दिन देश के इतिहास में काला दिन है.

इसी दिन 1975 को भारत की अहंकारी कांग्रेस की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून को पूरे देश में अलोकतांत्रिक तरीके से आपातकाल लगा कर देश के संविधान को कलंकित किया. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी को भ्रष्टाचार में लिप्त होने पर उन्हें दोषी करार दिया था. इस कारण उनका निर्वाचन रद्द हो गया और अगले 6 साल के लिए उन्हें किसी भी चुनाव लड़ने से रोक लगा दिया. सुप्रीम कोर्ट ने केवल उन्हें प्रधानमंत्री बने रहने की राहत दी. जिस पर विचलित होकर इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को अलोकतांत्रिक तरीके से देश में आपातकाल लगा दिया. यह आजाद भारत के इतिहास में एक काला इतिहास बन गया.

इंदिरा गांधी जनता के दबाव में आकर 21 मार्च 1977 को आपातकाल वापस ली. संगोष्ठी को प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुंवर गागराई, पूर्व विधायक जवाहरलाल बानरा, पूर्व विधायक गुरुचरण नायक, अनूप सुलतानियां, कार्यक्रम संयोजक पवन शंकर पांडे, रामानुज शर्मा, मनोज लेयांगी ने भी संबोधित किया. संगोष्ठी में प्रताप कटियार, हेमन्त कुमार केशरी, अनंत शयनम, सतीश पुरी, दिनेश नंदी, नवीन गुप्ता, रवि विश्वकर्मा, अमरेश प्रधान, जयकिशन बिरुली, चंद्रमोहन तिउ, बिपिन लागुरी, बिरजू रजक समेत अनेक कार्यकर्ता शामिल थे.

फुफेरे भाई की अंत्येष्टी में शामिल होने चाकुलिया पहुंचे बसंत सोरेन

चाकुलिया में अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे बसंत सोरेन, सविता महतो.

संवाददाता । चांडिल

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह झमुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के भांजा व सामाजिक कार्यकर्ता कपूर बागी के छोटे भाई अनुप टुडू का सोमवार की रात इलाज के दौरान मृत्यु हो गई. वे किडनी से संबंधित बीमारी से ग्रसित थे. चांडिल प्रखंड के चाकुलिया के रहने वाले अनुप टुडू के पार्थिव शरीर का मंगलवार को पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया. राज्य के मंत्री सह मृतक अनुप टुडू के ममेरे भाई बसंत सोरेन भी अंत्येष्टि में शामिल होने चाकुलिया पहुंचे थे. अनुप टुडू के मृत्यु की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में गणमान्य चाकुलिया स्थित उनके आवास पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दिया. चाकुलिया पहुंचने वालों में विधायक सविता महतो, चांडिल के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, चारुचांद किस्कू, गुरुचरण किस्कू, सुखराम हेंब्रम, लालटू महतो, भाजपा नेता रमेश हांसदा समेत विभिन्न राजनीति दलों व सामाजिक संगठनों के सदस्य शामिल थे. चांडिल प्रखंड के चाकुलिया निवासी अनुप टुडू लंबे समय से बीमार चल रहे थे. शूगर होने के बाद वे कीडनी से संबंधित बीमारी से जुझ रहे थे. वर्तमान में उनका डायलिसिस चल रहा था. चिकित्सकों ने उन्हे कीडनी बदलने की सलाह दिया था. बीमारी के बावजूद वे घर-गृहस्थी के सारे काम करते थे. सोमवार को भी दिनभर उन्होंने खेत में काम किया था.

टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में युवाओं को नशा से दूर रहने के लिए किया जागरुक

चक्रधरपुर । शराब, सिगरेट व अन्य नशीले पदार्थों से युवाओं को दूर रहने को लेकर मंगलवार को चक्रधरपुर के मधुसूदन महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में नशामुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान युवाओं को नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई. शिक्षक सह एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी राजराम धनवार ने विद्यार्थियों से कहा कि भारत को नशामुक्त बनाने में हम सभी की सहभागिता जरुरी है. देश के युवा नशीले पदार्थों का सेवन कर अपना जीवन व भविष्य खराब कर रहे हैं.

हमें युवाओं को बचाने की कोशिश करनी है. कई युवा चोरी-चुपके नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं. ऐसे में इस तरह के युवा स्वयं की जिंदगी बर्बाद करने के साथ-साथ परिवार को धोखा में रख रहे हैं. युवा संकल्पित रहकर नशापान से दूर रहें. उन्होंने नशा के विनाश व हानि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी. इस दौरान कॉलेज के अन्य शिक्षकों ने भी नशीले पदार्थों से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया. इस मौके पर कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य खुशबू कुमारी, सियोन बारला, संदीप कुमार सिंह, नीतिश प्रधान, अनिल प्रधान, डॉ. शिव प्रसाद, डॉ. गणेश समेत अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं व कॉलेज के छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक ने देखा झिंकरा फॉल

किरीबुरु । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह, उप महाप्रबंधक अनामिका शर्मा व अन्य अधिकारी सारंडा का ऐतिहासिक झिंकरा फॉल देखने 25 जून की अहले सुबह पहुंचे. यहां की प्राकृतिक खूबसूरती व काफी ऊंची पहाड़ी से गिरते स्वच्छ व ठंडे पानी को देखकर काफी प्रभावित हुये. सभी ने कहा कि ऐसे प्राकृतिक धरोहर को बचाने के लिए सभी का सामूहिक प्रयास जरूरी है. झरना क्षेत्र को स्वच्छ रखने की आवश्यकता है, ताकि बाहर से आने वाले पर्यटकों को परेशानी नहीं हो. उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने मेघाहातुबुरु में क्षेत्र स्तरीय वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया.

एक वर्ष से अधूरा है पुलिया का निर्माण, ग्रामीण नाराज

जमशेदपुर । चाकुलिया प्रखंड अंतर्गत कालियाम पंचायत के धधिका गांव में पुलिया का निर्माण बीते एक वर्ष से अधूरा है. पुलिया का निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों को बरसात के मौसम में काफी कठिनाइयों का समाना करना पड़ रहा है. मंगलवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा. ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया. साथ ही आंदोलन की चेतावनी दी. उक्त पुलिया का निर्माण भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय की वित पोषित योजना से कराया जाना है. इसके लिए योजना का बोर्ड भी कार्यस्थल पर लगाया गया है. जिसमें योजना प्रारंभ होने की तिथि 6 जून 2023 अंकित है. ग्रामीण डीडीसी से इस मामले की शिकायत करेंगे.

सिंचाई नाले को मिट्टी डालकर समतल करने का आरोप

चांडिल । साहेब बांध से निकलने वाले नाले पर मिट्टी डालकर उसे समतल करने के खिलाफ झारखंड नवनिर्माण समिति ने चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी को पत्र सौंपा है. पत्र में नाले पर डाली गई मिट्टी को तत्काल उठाकर उसे पूर्ववत करने की मांग की गई है. अनुमंडल पदाधिकारी को सौंपे गए पत्र में बताया गया है कि दालग्राम, बनडीह, कदमडीह, चांडिल, हिरमिली आदि गांव के किसानों के खेतों में सिंचाई के लिए चांडिल प्रखंड के मौजा दालग्राम थाना नंबर 248 में साहेब बांध से एक नाला निकला है. उस पानी को एकत्रित करने के लिए एक चेक डैम का निर्माण पहले ही किया गया है.

स्वास्थ्य

मधुमेह के रोग में बेहतर सुधार के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन का किया आयोजन

जीवन शैली में सुधार कर मधुमेह रोग को रोकें : डॉ सेनगुप्ता

- सम्मेलन में विभिन्न राज्यों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कार्डियो-डायबिटिक स्वास्थ्य पर रखे विचार

संवादाता । चाईबासा

डॉ. सौम्य सेनगुप्ता.

जमशेदपुर में मधुमेह रोग पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल विभिन्न शहरों के विशेषज्ञ डॉक्टर.

शुगर/ब्लड कार्डियोलॉजी/हृदय संबंधी समस्याएं, कार्डियो-मेटाबोलिक स्वास्थ्य के बेहतरी के लिए निरन्तर सक्रिय राष्ट्रीय संस्थान सीसीडीएसआई क्लिनिकल कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा जमशेदपुर में राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया. इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भाग लिया. विशेषज्ञों ने कार्डियो-डायबिटिक स्वास्थ्य पर नवीनतम अनुसंधान और विचार प्रस्तुत किए.

चाईबासा के डॉ सौम्य सेनगुप्ता ने मौके पर मधुमेह चिकित्सा के क्षेत्र में अपने अनुभव और विचार व्यक्त किए. उन्होंने कहा कि जीवनशैली में सुधार कर मधुमेह रोक को रोक सकते हैं. उन्होंने ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग में डायबिटिक पर स्वास्थ्य की अवधारणा की प्रस्तुति की. डॉ सेनगुप्ता ने अपने अनुसंधान के द्वारा मधुमेह के लिए चिकित्सा क्षेत्र में भरपूर प्रशंसा बटोरी. सेव द लिम्ब (अंगविच्छेद) की उनकी अवधारणा से लोगों में उत्सुकता और जागरूकता बढ़ी है, जिसे समाज ने सराहा और स्वीकार किया. डॉ सेन गुप्ता के अनुसार भविष्य में इस विचारधारा को राष्ट्रीय कार्यक्रम में लागू करने की संभावना भी है. उन्होंने बताया कि मधुमेह चिकित्सा के संबंध में किये जा रहे निरंतर बेहतरी के प्रयास भविष्य में इसके इलाज के स्वरूप को और सरल बनाएंगे, जिससे मरीजों को इस रोग से लड़ने में आसानी होगी.

चक्रधरपुर में रन फॉर ड्रग फ्री मैराथन दौड़ आज

चक्रधरपुर । नशामुक्ति अभियान को लेकर बुधवार को रन फॉर ड्रग फ्री मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया है. इस मौके पर जिला के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक के साथ प्रखंड व अंचल के अधिकारी उपस्थित रहेंगे. इसे लेकर मंगलवार को चक्रधरपुर प्रखंड कार्यालय सभागार में बैठक हुई. इसमें अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी गिरजानंद किस्कू ने कहा कि बुधवार की सुबह सात बजे चक्रधरपुर के पोटका स्थित देवी फ्यूल पेट्रोल पंप के समीप से पोड़ाहाट स्टेडियम तक रन फॉर ड्रग फ्री झारखंड मैराथन दौड़ कार्यक्रम निर्धारित किया गया है. बैठक में बीपीआरओ मनोज कुमार सिन्हा, विभिन्न स्कूल कॉलेज के शिक्षक, शिक्षिकाएं, प्रखंड व अंचल कार्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे.

उपायुक्त नैंसी सहाय ने सभी पात्र नागरिकों के निबंधन और मतदाता सूची के शुद्धिकरण पर दिया जोर

25 जून से 20 अगस्त तक चलेगा विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम

संवाददाता। हजारीबाग

मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय ने प्रेस वार्ता की. उन्होंने बताया कि स्वच्छ, समावेशी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची के निर्माण के लिए सभी पात्र नागरिकों का निबंधन एवं मतदाता सूची का शुद्धिकरण किया जाना आवश्यक है.

उपायुक्त ने बताया कि एक जुलाई 2024 को अर्हता तिथि मानते हुए फोटोयुक्त मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का निर्धारण किया गया है. साथ ही शिफ्टेड, डुप्लीकेट और

द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी देतीं डीसी नैंसी सहाय.

मृत मतदाताओं का सत्यापन करते हुए मतदाता सूची से उनके नाम का नियमानुसार विलोपन किया जाएगा. उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम में पूर्व संसोधन और संसोधन गतिविधियां शामिल हैं. पूर्व संसोधन गतिविधियों के लिए 25 जून से 24 जुलाई तक की अवधि निर्धारित है. वहीं संसोधन गतिविधियां 25 जुलाई से 20 अगस्त तक की चलेंगी. इस अवसर पर अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह, सदर व बरही एसडीओ, उप निर्वाचन पदाधिकारी मां देव प्रिया, डीपीआरओ रोहित कुमार मौजूद थे.

20 अगस्त को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन : उपायुक्त ने बताया कि 25 जुलाई से 9 अगस्त तक दावा और आपत्ति दाखिल किया जा सकता है. दावों और आपत्तियों का निपटारा 19 अगस्त को किया जायेगा. कार्यक्रम के तहत 25 जुलाई को एकीकृत मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन और 20 अगस्त को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा. वहीं, 27 व 28 जुलाई तथा 3 व 4 अगस्त को विशेष कैंपेन का आयोजन होगा. उन्होंने कहा कि विशेषकर थर्ड जेंडर, विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीजीटी), सेक्स वर्कर, 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग, दिव्यांगजन, आश्रय गृहों में निवास करने वाले सभी पात्र नागरिकों का मतदाता सूची में शत-प्रतिशत निबंधन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समावेशी सप्ताह का आयोजन किया जाएगा.

प्रशासनिक कवायद
- द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की दी जानकारी
- पुनरीक्षण में पूर्व संसोधन और संसोधन गतिविधियां शामिल

इन तिथियों में होगा समावेशी सप्ताह का आयोजन
- 29 जुलाई को पीवीजीटी एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले जनसमूह का मतदाता सूची में निबंधन होगा.
- 30 जुलाई को रैन बसेरों/आश्रय गृहों में आवासित पात्र नागरिकों के निबंधन का अभियान चलेगा.
- 31 जुलाई को पात्र दिव्यांगों का निबंधन एवं मतदाता सूची में मार्किंग हेतु विशेष अभियान चलेगा.
- एक अगस्त को 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं के निबंधन हेतु विशेष अभियान चलेगा.
- दो अगस्त को सभी पात्र थर्ड जेंडर व सेक्स वर्करों के निबंधन के लिए अभियान चलाया जायेगा.

1400 से अधिक मतदाता वाले बूथ दो भागों में बंटेंगे

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते डीसी चंदन कुमार.

संवाददाता। रामगढ़

आगामी विस चुनाव के मद्देनजर मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार ने समाहरणालय सभाकक्ष में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. इस दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता ने मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम एवं विभिन्न गतिविधियों पर जानकारी दी. उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ पुरीक्षण कार्यक्रम के दौरान किए जाने वाले विभिन्न कार्यों, विभिन्न कारणों से मतदान केंद्रों के भवन में परिवर्तन आदि को लेकर सभी राजनीतिक दलों के साथ चर्चा की. जानकारी दी कि वैसे मतदान केंद्र, जहां 1400 से अधिक मतदाता हैं, उन मतदान केंद्रों को दो भागों में विभाजित किया जाएगा.

ब्रीफ खबरें

जनता दरबार में डीसी ने सुनी फरियाद

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय ने मंगलवार को सप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया. इस दौरान लगभग दो दर्जन मामलों पर सुनवाई की तथा ऑन द स्पॉट निष्पादन के लिए संबंधित विभाग व पदाधिकारी को आवेदन अग्रसारित किया. जनता दरबार में जमीन, दिव्यांग, पीएम आवास, भूमि अतिक्रमण, इंदिरा आवास, राशन कार्ड, मुआवजा, मारपीट, गबन, वित्तीय अनियमितता आदि मामलों की शिकायतें सुनी गई. उपायुक्त ने कहा कि जिलेवासियों का हित सर्वोपरी है. इस दिशा में जिला प्रशासन हर संभव कार्रवाई की जा रही है.मौके पर सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी निवेदिता राय भी उपस्थिति थीं.

निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

हजारीबाग। कर्जन स्टेडियम स्थित जिला खेल कार्यालय के सभागार में मंगलवार को मादक पदार्थ के दुरुपयोग को समाप्त करने हेतु निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें आवासीय बालिका क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र एवं डे बोर्डिंग क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों एवं अन्य खिलाड़ियों को मिला कर कुल 80 खिलाड़ियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सिम्मी कुमारी, द्वितीय स्थान राखी कुमारी और तृतीय स्थान कल्याणी कुमारी ने प्राप्त किया. विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. प्रतियोगिता को सफल बनाने में खेल प्रशिक्षकों का अहम योगदान रहा.

खपिया में सड़क दुर्घटना में एक की मौत

टाटीझरिया (हजारीबाग)। टाटीझरिया के खपिया में मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे सड़क दुर्घटना में बाइक सवार मंसूलाल मांझी, पिता सुकराम मांझी की मौत हो गयी. मृतक मूरकी का रहने वाला था. वह अपने घर मूरकी से टाटीझरिया जा रहा था. पुत्र पवन टुडू ने बताया कि कच्चे घर की मरम्मत के लिए बाइक से टाटीझरिया एस्बेस्टस सीट खरीदने जा रहा था. इसी दौरान ट्रैक्टर ने उसे धक्का मार दिया. इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी. मंसूलाल मांझी एलएंडटी कंपनी में मजदूरी का काम करता था. मंसूलाल की पत्नी गीता देवी, पुत्र बिनोद टुडू, राजू टुडू, पवन टुडू, पुत्री रत्नी कुमारी, खुशबू कुमारी का रो-रोकर बुरा हाल है. टाटीझरिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया. वहीं, पुलिस ने ट्रैक्टर और बाइक को जब्त कर थाना ले आयी.

चोरी, लूट, छिनतई से लेकर देह व्यापार तक में काम रहा महिला गिरोह

शहर में महिला गैंग सक्रिय अपराध से जोड़ चुकी हैं नाता

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

जिले में इन दिनों महिला गैंग काफी सक्रिय है. इस गैंग की सदस्य चोरी, छिनतई, लूट, ड्रग्स तस्करी के साथ-साथ देह व्यापार का कारोबार भी धड़ल्ले से चला रहीं हैं. इनकी भूमिका भू-माफियाओं को सहयोग करने में भी देखी जा रही है. माफिया जमीन हड़पने के लिए इन महिलाओं को जमीन के मालिक के पास भेजते हैं, जिसके बाद जमीन मालिकों को गाली-गलौज करने के साथ ही उन्हें गलत आरोप लगाकर फंसाने की धमकी दी जाती है.

शहर में बड़े-बड़े माफियाओं द्वारा बंगाल, उड़ीसा व केरल से दर्जनों महिला एवं लड़कियों को हजारीबाग लाया जाता है. सभी को शहर में किराये के मकान या बंद पड़े सरकारी भवनों में ठहराया जाता है. इसके बाद इन महिलाओं से अपने संरक्षण में तरह-तरह के गोरखधंधे करवाते हैं. किसी को शक न हो और पुलिस की आंख में धूल झोंकने के लिए ये महिलाओं दवा की मार्केटिंग करने की बात कहती हैं. कई महिलाएं भीख भी मांगती हैं. इसके अलावा कुछ ब्यूटी पार्लर, तो कुछ बार व होटलों में नजर आ जाएंगी. वहीं, ड्रग्स कारोबार में अब तक कई महिलाओं को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है.

भीख मांगने की आड़ में लोगों को करती हैं चिह्नित : अब ये महिलाएं गांवों में भी जाने लगी हैं. भीख मांगने की आड़ में ये लोग आसपास के बड़े लोगों को चिह्नित करती हैं. इसके बाद सेठ-साहूकार को अपने जाल में फंसा कर उन्हें ब्लैकमेल करती हैं. वहीं, साइबर अपराध के क्षेत्र में भी इन महिलाओं ने काम करना शुरू कर दिया है. जरूरतमंदों को नौकरी दिलाने से लेकर शादी-विवाह तक का झांसा देकर पैसे की ठगी कर रफूचक्कर हो जाती हैं.

खास बातें
- मार्केटिंग से लेकर भीख मांग कर झासा देने में माहिर
- भू-माफियाओं को जमीन हड़पने में भी करती हैं मदद

ड्रग्स तस्करी से लेकर देह व्यापार में बढ़ी सक्रियता

केस 01 शहर के एक प्रतिष्ठान भागमणि ज्वेलर्स में सोने का चैन चोरी करते तीन महिलाओं को स्थानीय दुकानदारों ने सोमवार को पकड़ा था. इसके बाद तीनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया था. ये तीनों महिलाएं बंगाल की रहनेवाली थीं.

केस 02 चार दिन पहले बड़कागांव इलाके में नशीला पदार्थ बेचने के आरोप में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया था. उसने लंबे समय से नशे के इस कारोबार से जुड़े होने की बात कबूली थी. पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया था.

केस 03 एक सप्ताह पहले बड़ा बाजार पुलिस ने देह व्यापार के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया था. दोनों महिलाएं पश्चिम बंगाल की रहनेवाली थीं. बताया जाता है कि दूसरे राज्य से आकर कई लड़कियां यहां इसी धंधे में लिप्त हैं.

केस 04 एक साल पहले बड़ा बाजार थाना पुलिस ने प्राइवेट बस स्टैंड से दिल्ली जाने वाली बस से दो महिलाओं को नशीला पदार्थ ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया था. दोनों महिलाएं राजधानी रांची से सटे खूंटी जिला की रहनेवाली थीं.

होटल से 1.8 किलो अफीम और दो किलो डोडा जब्त

चौपारण। पुलिस ने एक होटल में छापेमारी कर अवैध शराब और अफीम की खेप बरामद की है. दरअसल, चोरदाहा गांव स्थित झोपड़ी लाइन होटल में तस्करी के लिए भारी मात्रा में अवैध शराब व अफीम छुपा कर रखे जाने की सूचना मिली थी. इसके बाद थाना प्रभारी दीपक कुमार ने छापेमारी दल के साथ लाइन होटल के पास पहुंचे, तो देखा कि होटल के पीछे से कुछ लोग निकल कर भाग रहे हैं. सशस्त्र बल के सहयोग से भाग रहे एक व्यक्ति को पकड़ लिया गया. उसकी पहचान बिहार के गया जिला अंतर्गत बाराचट्टी थाना क्षेत्र के तेतरिया गांव निवासी महावीर यादव के रूप में की गई. वह होटल का मालिक था. होटल में तलाशी के क्रम में एक कमरा के पलंग के बॉक्स में प्लास्टिक में रखा 1.8 किलो अफीम, दो किलो डोडा, अलग-अलग ब्रांड की 101 बोतल विदेशी शराब, 72 पीस केन बीयर व 60 पीस बोतल बियर बरामद किया गया.

- 101 बोतल विदेशी शराब व 132 पीस बियर भी बरामद
- पुलिस को देख भाग रहा होटल मालिक पकड़ाया

मतदाता सूची का पुनरीक्षण करेंगे बीएलओ

संवाददाता। हजारीबाग

उपायुक्त नैंसी सहाय ने मंगलवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. इस दौरान मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी गई. उपायुक्त ने बताया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार 25 जून से 24 जुलाई तक मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है. इसके तहत बीएलओ घर-घर जा कर मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य करेंगे. इसी क्रम में राजनीतिक दलों से अपेक्षा है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करें. साथ ही यदि उनके पास मतदाताओं से प्राप्त शिकायतें हैं, तो उसकी सूची भी उपलब्ध कराएं, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके.

जर्जर व दूरस्थ बूथों का किया जाएगा सर्वेक्षण : डीसी ने बताया कि अधिक मतदाताओं वाले मतदान केंद्र, जर्जर तथा दूरस्थ मतदान केंद्र तथा शहरी क्षेत्र की सोसाइटीज या हाई राइज बिल्डिंग, जहां मतदाताओ की संख्या 500 या इससे अधिक है, उन स्थानों पर सर्वेक्षण करते हुए नए मतदान केंद्र का गठन किया जाएगा.

दनुवा घाटी में सड़क दुर्घटना, दो की मौत

चौपारण। प्रखंड के दनुवा घाटी में मंगलवार दोपहर बड़ा हादसा हुआ. जानकारी के मुताबिक, दोपहर करीब एक बजे दनुवा घाटी में हथिया बाबा के समीप एक ही दिशा में बिहार की ओर जा रही तीन गाड़ियों में भयंकर टक्कर हो गयी. इसमें तीनों वाहन खाई में जाकर पलट गई. इसी बीच एक बाइक सवार और एक ट्रक चालक गाड़ी को रोक कर घायलों को बचाने के लिए रुका. दुर्भाग्यवश पीछे से तेजी से आ रहे ट्रेलर ने आगे चल रही ट्रेलर को पीछे से जोरदार धक्का मार कर बाइक सवार और ट्रक चालक को चपेट में ले लिया. इस घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गयी. मृतक बाइक सवार की पहचान झुमरी तिलैया के सोनापट्टी राधा कॉम्प्लेक्स निवासी जसविंदर सिंह व ट्रक चालक छोटू राजस्थान के अजमेर बिड़काचियावास निवासी राम गुर्जर के रूप में हुई है. वहीं दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. एंबुलेंस से दोनों को सामुदायिक अस्पताल पहुंचाया गया. घायलों की पहचान तिलैया निवासी विजय यादव और यूपी के कंटेनर चालक हरिनाथ प्रजापति के रूप में हुई है.

देश के इतिहास में अलोकतांत्रिक था आपातकाल : डॉ रवींद्र राय

आपातकाल की वर्षगांठ पर काला दिवस मनाते भाजपाई.

संवाददाता। हजारीबाग

झंडा चौक के विश्वेश्वर दयाल जयसवाल पथ स्थित सांसद सेवा केंद्र में भाजपाइयों ने आपातकाल की वर्षगांठ को काला दिवस के रूप में मनाया. कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह एवं संचालन जिला उपाध्यक्ष दामोदर कुमार सिंह ने की. बतौर मुख्य अतिथि हुडको निदेशक सह पूर्व सांसद डॉ. रवींद्र राय ने कहा कि आपातकाल स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे विवादास्पद और अलोकतांत्रिक काल था.

वहीं, भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि व्यक्तिगत स्वार्थ की पूर्ति के लिए इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र की हत्या कर देश को आपातकाल में धकेल दिया था. मौके पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, केपी ओझा, बटेश्वर मेहता, सुदेश चंद्रवंशी, टुन्नू गोप, सांवरमल अग्रवाल, हरीश श्रीवास्तव, अशोक कुमार यादव, उदयभान नारायण सिंह, चंद्रनाथ भाई पटेल, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी जय नारायण प्रसाद समेत कई भाजपा नेता एवं सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहे.

खास बातें
- आपातकाल की वर्षगांठ पर भाजपाइयों ने काला दिवस मनाया
- निजी स्वार्थ के लिए इंदिरा ने की थी लोकतंत्र की हत्या : विवेकानंद

डीएवी बरकाकाना ने मादक पदार्थ के सेवन के खिलाफ साइकिल रैली

समाज को प्रभावित करता है नशा

जागरूकता अभियान
- छात्रों ने पोस्टर-बैनर लेकर नशे के खिलाफ नारे लगाए
- मादक पदार्थों से दूर रहने के लिए किया गया जागरूक

संवाददाता। रामगढ़

शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के दिशा-निर्देश पर डीएवी पब्लिक स्कूल बरकाकाना ने नशा के खिलाफ से एक साइकिल रैली का आयोजन किया. इसमें बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक एवं कर्मचारियों ने भाग लिया. इस दौरान छात्रों व शिक्षकों ने लोगों को मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने और दूसरों को भी प्रेरित करने के लिए जागरूक किया गया.

रैली को प्राचार्य मो मुस्तफा मजीद ने हरी झंडी दिखा कर विद्यालय परिसर से रवाना किया. रैली विभिन्न मार्गों से गुजरती हुई वापस स्कूल पहुंच कर संपन्न हुई. इस अवसर पर छात्रों ने मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने वाले पोस्टर और बैनर लेकर नशे के खिलाफ नारे लगाए. प्राचार्य ने कहा कि मादक पदार्थ का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि समाज और राष्ट्र को भी प्रभावित करता है. उन्होंने छात्रों को नशा से दूर रहने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया. शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की आवश्यकता पर बल दिया.

साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाते डीएवी बरकाकाना के प्राचार्य मो मुस्तफा.

पंच मंदिर चौक की दो दुकानों से सामान चोरी

हजारीबाग। शहर के पंच मंदिर चौक स्थित दो दुकानों में सोमवार की रात चोरी की वारदात हुई. पंकज कुमार अग्रवाल और विकास अग्रवाल की दुकान को चोरों ने निशाना बनाया. पीड़ित दुकानदार पंकज कुमार अग्रवाल ने बताया कि सोमवार को साप्ताहिक बंदी थी. मंगलवार की सुबह दुकान पहुंचे, तो देखा कि खपरैल छत उखाड़ दी गई है. चोर खाने-पीने के सामान ले गए हैं. उनकी दुकान में 15 दिनों के अंतराल में चोरी की दूसरी घटना हुई है. वहीं, पड़ोसी दुकानदार विकास अग्रवाल ने बताया कि उनके दुकान में चोरी की दूसरी वारदात है. बीती रात चोरों ने उनके दुकान से भारी मात्रा में काजू, किशमिश बादाम और अन्य ड्राई फ्रूट सहित नगद लगभग पांच सौ रुपए चोरी कर ले गए. पंच मंदिर चौक पर ही कुछ दिन पहले नीरज अग्रवाल के दुकान में भी चोरी की वारदात हुई थी. सदर थाना पुलिस ने बताया कि चोरी की घटना को लेकर अब तक कोई भी आवेदन नहीं दिया गया है.

गौतम अडाणी के जन्मदिन पर अडाणी समूह ने लगाया रक्तदान शिविर

मेडिकल कॉलेज में 41 ने किया रक्तदान

संवाददाता। हजारीबाग

अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी के 62वें जन्मदिन के अवसर पर सोमवार को अडाणी फाउंडेशन द्वारा शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. इसमें अधिकारियों, कर्मियों और ग्रामीणों ने उत्साह से भाग लिया. इस क्रम में 41 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया. शिविर के दौरान रक्तदान के प्रति जागरूकता भी फैलाया गया.

इस शिविर का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के प्रति प्रोत्साहित करना था. इस अवसर पर रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों को भी दूर करने की कोशिश की गई. शिविर में मेडिकल अस्पताल से जुड़े चिकित्सा कर्मियों ने बताया कि रक्तदान करने से कोई हानि नहीं होती, बल्कि इसके कई लाभ हैं. एक स्वस्थ व्यक्ति को हमेशा रक्तदान करते रहना चाहिए. रक्त के अभाव में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे मरीज को समय रहते रक्त मिल जाने से उसकी जान बच जाती है. इसके साथ ही रक्तदान करने से ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल भी नियंत्रित रहता है. शिविर में सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया. मौके पर गोंदलपुरा खनन परियोजना के प्रमुख संजय कुमार, डीजीएम कुमार विवेक, एसके सिंह, पुंडरीक मिश्रा, एचआर आशीष कुमार, एडमिन प्रबंधक भीखम सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे.

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रक्तदान करते लोग.

अच्छी पहल
- रक्तदान के प्रति जागरूकता अभियान भी चलाया गया
- रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया

सातवें दिन | बरियातू व साढम पंचायत पहुंची ग्राम स्वराज यात्रा, ग्रामीणों को उनके अधिकारों से कराया अवगत

जनता को जगा कर पंचायती राज को सशक्त बनाना है : शांतनु

संवाददाता। रामगढ़

राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की ग्राम स्वराज यात्रा सातवें दिन गोला प्रखंड की बरियातू पंचायत से शुरू हुई. इस दौरान शांतनु मिश्रा के नेतृत्व में बरियातू पंचायत के कोइया, सोतई, रुंडई, बरियातू व नावाडीह तथा साढम पंचायत के टोनागातु, सेरेगातू, साढम, मसरीडीह, माचाटांड़, कुजू कला में जनसंपर्क किया गया.

राजीव गांधी पंचायती राज के प्रदेश उपाध्यक्ष ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि पंचायती राज को सशक्त बनाने और सत्ता के विकेंद्रीकरण के उद्देश्य से यह यात्रा 21 दिनों के लिए रामगढ़ विधानसभा में निकाली गई है. यह यात्रा गांव गांव जाकर लोगों को पंचायती राज के अधिकार और लाभ के बारे में सजग कर रही है. जनता को जगा कर पंचायती राज को सशक्त बनाना ही इस यात्रा का उद्देश्य है.

मौके पर मुख्य रूप से रामगढ़ नगर अध्यक्ष बलराम साहू, प्रकाश करमाली, आरिफ, धीरेंद्र सिंह, संतोष सोनी, जनार्दन पाठक, गुलाम सरवर, लखेश्वर महतो, कालेश्वर बेदिया, सुरेश रविदास, लुटन करमाली, अफरोज अंसारी, मंटू महतो, कमलेश कुमार महतो, गौरी शंकर महतो, जीत लाल टुडू, मधु महतो, राज कुमार नायक, विजय करमाली, सुरजन नायक, गोवर्धन महतो आदि मौजूद थे.

ग्रामीणों को उनके अधिकार के बारे में जानकारी देते शांतनु मिश्रा.

खास बातें
- 21 दिनों के लिए रामगढ़ विस में निकाली गई है यात्रा
- पंचायती राज के अधिकारों के प्रति किया जा रहा जागरूक

सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए खतरनाक है : जीएम

रामगढ़। सीसीएल रजरप्पा में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत मंगलवार को जागरूकता रथ को रवाना किया गया. सीसीएल रजरप्पा के महाप्रबंधक बिनोद कुमार ने रथ को हरी झंडी दिखाई. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग हमारे पर्यावरण के लिए खतरनाक है. हमें इसका उपयोग तुरंत प्रभाव से बंद कर देना चाहिए. इसी संदेश को फैलाने के लिए यह रथ पूरे रजरप्पा क्षेत्र में घूमेगी. वहीं सीएसआर अधिकारी आशीष झा ने बताया कि अगले सात दिनों तक यह रथ सीसीएल रजरप्पा कमांड क्षेत्र के सभी गांव-कस्बों का दौरा करेगी. उन्होंने कहा कि आसपास स्वच्छ रहेगा, तभी हम सभी लोग बीमारी से बच सकते हैं. बता दें कि 16 से 30 जून तक मनाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के तहत सीसीएल रजरप्पा में कई और कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. मौके पर मनोज कुमार, एसके चौधरी, राजेंद्र नाथ चौधरी, अर्जुन मंडल आदि मौजूद थे.

28 जुलाई को होगा रामगढ़ प्रेस क्लब के पदाधिकारियों का चुनाव

संवाददाता। रामगढ़

प्रेस क्लब रामगढ़ कार्यकारिणी की बैठक प्रेस क्लब के पीसीआर भवन में मंगलवार को क्लब के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई. बैठक का संचालन क्लब के सचिव योगेंद्र कुमार सिन्हा ने किया. इस दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रेस क्लब रामगढ़ का एजीएम आगामी पांच जुलाई को प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित होगा.

वहीं 28 जुलाई को क्लब का चुनाव कराया जाएगा. इसके लिए सभी कार्यकरिणी सदस्यों को तैयारी में जुट जाने कहा गया. बैठक में क्लब के लेखा-जोखा और व्यवस्था पर भी चर्चा की गई. प्रेस क्लब को मजबूत बनाने के लिए कई प्रस्ताव लाये गये. बैठक में प्रेस क्लब रामगढ़ के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, सचिव योगेंद्र कुमार सिंन्हा, कोषाध्यक्ष तरूण बागी, संयुक्त सचिव दीपक प्रसाद, कार्य कारिणी सदस्यों में उमेश सिन्हा, राकेश कुमार पांडेय, देवांशु शेखर मिश्रा, दुर्वेज आलम, दिनेश कुमार, मनोहर लहेरी, मो वलीउल्लाह उपस्थित थे.

खास बातें
- प्रेस क्लब के पीसीआर भवन में कार्यकारिणी की बैठक
- पांच जुलाई को प्रेस क्लब सभागार में एजीएम का निर्णय

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शनि और चंद्र आय भाव में बैठा है. आय होगी. साथ ही धार्मिक स्थल जाने का अवसर मिलेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. काफी समय से लंबित कार्य पूर्ण होंगे. उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे.

वृषभ न्यायालय के कार्य में गति मिलेगी. किसी अपने ही व्यक्ति से बिना कारण विवाद को हो सकता है. दौड़धूप अधिक रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. असमंजस की स्थिति बन सकती है.

मिथुन मानसिक तनाव होगा. जीवनसाथी के साथ आनंद का समय बीतेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. व्यापार ठीक चलेगा. लाभार्जन होगा. परिवार के सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा.

कर्क विवाद से खुद को बचायें. पेट रोग से बचें. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. बेकार बातों पर ध्यान न दें. भोजन सोच विचार कर लें.

सिंह मौसमी बीमारियों से बचाव जरूरी है. जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड लाभ देंगे. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. जल्दबाजी न करें.

कन्या गुप्त शत्रु परेशान कर सकते हैं. किसी भी तरह के विवाद में न पड़ें. बोलचाल में हल्केपन को न अपनाएं. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. परिवार में तनाव रह सकता है. यथासंभव यात्रा टालें. जल्दबाजी न करें. अन्न दान करें.

तुला माता से विवाद हो सकता है. राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. रुके कामों में गति आएगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगी. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. कुसंगति से हानि होगी. किसी तीर्थयात्रा की योजना बनेगी.

वृश्चिक माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. कार्य होगा और जिसके प्रभाव से आय होगी. योजना फलीभूत होगी. मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. समय की अनुकूलता का लाभ लें. प्रमाद न करें.

धनु व्यावसायिक कार्य मनोनुकूल रहेंगे. बेरोजगारी दूर होगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. शेयर मार्केट तथा म्युचुअल फंड लाभदायक रहेंगे. दुष्टजन तथा ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधान रहें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

मकर धन का आगमन होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा. समय उत्तम फल प्रदान करेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें. स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें.

कुंभ जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें. समय अनुकूल है. आपके कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे. किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी.

मीन विदेश में बसे लोगों के लिए दिन बहुत ही उत्तम है. किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो सकता है. आत्मसम्मान बना रहेगा. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा. कार्य होने से सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी.

लोकतंत्र की रक्षा-हमारा संकल्प' विषय पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन, भाजपा नेता अमर बाउरी बोले

भारत के इतिहास में आपातकाल एक काला अध्याय था

- भाजपा ने आपातकाल के दौरान जेल गए जमशेदपुर शहर के लोगों को किया सम्मानित

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

महानगर भाजपा ने आपातकाल के विरोध में मंगलवार को काला दिवस मनाया. इस दौरान 'लोकतंत्र की रक्षा-हमारा संकल्प' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन मानगो में किया गया. जिसमें भाजपा नेताओं-कार्यकर्ताओं के अलावे आपातकाल के दौरान जेल गए लोग भी शामिल हुए. जिन्हें अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया. मुख्य अतिथि की हैसियत से संगोष्ठी को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि 25 जून, 1975 की मध्यरात्रि में लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे कलंकित अध्याय है. जिसका आभास शायद ही किसी को रहा होगा. देश में लोकतंत्र पर 21 महीने तक ग्रहण लगा रहा. उन्होंने कहा कि 49 वर्ष पूर्व आज ही के दिन भ्रष्टाचार, शिक्षा में गिरावट और अपनी सत्ता को बचाए रखने के लिए देश पर आपातकाल थोप दिया गया था. लोगों की स्वतंत्रता पर रोक लगा दी गई थी. तत्कालीन कांग्रेस की इंदिरा गांधी की सरकार ने भारतीय संविधान का लगभग अपहरण ही कर लिया था. इसमें अटल बिहारी, लाल कृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई और लोकनायक जयप्रकाश नारायण समेत देश के विपक्षी नेताओं, आरएसएस व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को जेल में भर दिया गया और नागरिकों के मौलिक अधिकारों सहित सभी संवैधानिक अधिकारों को जबरन हटा दिया. अमर बाउरी ने कहा कि जिस संविधान की शपथ लेकर इंदिरा गांधी सत्ता में आसीन हुई थी. उस सिहांसन को बचाए रखने के लिए उसी संविधान पर ताला लगा दिया. नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि आज कई राजनीतिक पार्टी यह प्रचारित करने में लगी रहती हैं कि लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में है. ऐसा कहने वालों को आपातकाल का वो काला दौर याद करना चाहिए कि सत्ता के लालच में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश को क्रूरतापूर्वक इमरजेंसी की बेड़ियों में कैसे कैद कर दिया था.

कार्यक्रम को संबोधित करते अमर बाउरी व मौजूद भाजपा नेता-कार्यकर्ता.

जेल जानेवाले सम्मानित किये गये: आपातकाल में शहर से कई लोगों को भी जेल भेजा गया था. जिसमें राम प्रवीण पांडेय, हरेंद्र सिंह एवं अश्विनी कुमार अवस्थी शामिल हैं. सभी को को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया. इससे पहले भाजपाईयों ने मानगो गांधी मैदान स्थित बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पदयात्रा निकाली. इस दौरान सभी अपने हाथों में काली पट्टी बांधे हुए थे. मौके पर कार्यक्रम के प्रभारी गुरविंदर सिंह सेठी, पूर्व विधायक मेनका सरदार, प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद समेत अन्य लोग मौजूद रहे.

लोन दिलाने के नाम पर साइबर ठगी मामले का खुलासा, दो गिरफ्तार

कोडरमा । कोडरमा पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि जिले के सतगांवा थानान्तर्गत कुछ व्यक्तियों द्वारा लोगों को लोन दिलाने के नाम पर साइबर ठगी किया जा रहा है. उन्होंने सूचना पर सतगांवा के थाना प्रभारी को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया. गठित टीम द्वारा छापामारी करते हुए दो साइबर अपराधी क्रमश टुन्नी कुमार तथा मनीष कुमार को पकड़ा गया. एसपी मंगलवार को प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे. एसपी ने बताया कि छापामारी के क्रम में इन दोनों के पास से भारी संख्या में मोबाइल फोन, सिम कार्ड, एटीएम, कार्ड, बैंक पासबुक, लाइन वाला पेज, हस्तलिखित संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुआ. इनलोगों के द्वारा स्वीकार किया गया कि ये लोग आम लोगो को लोन दिलाने के नाम पर ठगी करते थे.

पलामू : हल्की बारिश से ही आवागमन हुआ असुरक्षित

सड़क सुदृढ़ीकरण में डब्लूएमएम की जगह मिट्टी से भरे जा रहे गड्ढे

- सस्ते और तेजी से किये जाने वाले विकल्प के कारण सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है

संवाददाता । पलामू

ग्रामीण कार्य विभाग, डालटनगंज प्रमंडल के अधीन हैदरनगर मोहम्मदगंज मुख्य सड़क के भाईबिगहा से हैदरनगर प्रखंड रोड होते हुए कबरा कला तक की सड़क के सुदृढ़ीकरण कार्य की शुरुआत में ही भारी अनियमितता बरती जा रही है. विभाग द्वारा लगभग 4.50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 10 किमी सड़क का निर्माण का कार्य दुबे कंस्ट्रक्शन को आवंटित किया गया है. हाल ही में इस सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया है जिसमें गड्ढों को भरने हेतु डब्लूएमएम की जगह मिट्टी का उपयोग किया जा रहा है.

स्थानीय निवासियों की सूचना पर सड़क कार्य का जायजा लेने पर पाया गया कि ठेकेदार द्वारा डब्लूएमएम की बजाय मिट्टी से गड्ढे भरे जा रहे हैं. इस सस्ते और तेजी से किये जाने वाले विकल्प के कारण सड़क की गुणवत्ता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है. सड़क पर बने गड्ढों को मिट्टी से भरे जाने के कारण सोमवार को परता-कबरा क्षेत्र में हल्की बारिश के बाद लोगों का चलना मुश्किल हो गया. मंगलवार को भी ऐसी स्थिति देखने को मिली. पानी के साथ मिट्टी के मिल जाने से फिसलन हो गयी और दोपहिया वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा.

गौरतलब तो यह है कि मिट्टी की लीपापोती से कालीकरण के बाद बड़े वाहन के चलने पर सड़कें समय के साथ धंस सकती हैं और पुनः उनमें गड्ढे बन सकते हैं. यह सवाल उठना लाजिमी है कि करोड़ों रुपये की लागत से पिछले 12 साल में तीसरी बार सड़क की मजबूतीकरण का कार्य कराने से केवल ठेकेदार और विभागीय अभियंताओं की जेब तो भर जाएगी, लेकिन आम जनता को इससे क्या फायदा होगा? जानकारी के अनुसार सरकारी अधिकारियों की तरफ से निरीक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण की कमी भी इसमें अनियमितता का एक बड़ा कारण है. अक्सर यह देखा गया है कि परियोजना की प्रगति की जांच वास्तविक स्थलीय निरीक्षण और गुणवत्ता परीक्षण की बजाय केवल कागजी दस्तावेजों और रिपोर्टों पर आधारित होती है, इससे ठेकेदारों को घटिया सामग्री के उपयोग का अवसर मिल रहा है. इस अनियमितता का सबसे बड़ा खामियाजा तो आम जनता को ही भुगतना पड़ रहा है. घटिया सड़क निर्माण से आवागमन में तो कठिनाई हो ही रही है, बल्कि सबसे बड़ी समस्या है कि खराब सड़क से दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ गयी हैं.

ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार मरम्मत और पुनर्निर्माण के कारण सरकार के आर्थिक संसाधनों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है. सड़क से प्रभावित स्थानीय निवासियों ने इस गंभीर मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की है. ग्रामीणों की मांग है कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच की जाए और दोषी ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं, जिससे भविष्य में ऐसी घटिया निर्माण की पुनरावृत्ति न हो.

विकास कार्यों में अनियमितता बर्दाश्त नहीं: विधायक

इस संबंध में स्थानीय विधायक कमलेश सिंह ने कहा कि विकास कार्यों में अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जायेगी. उन्होंने विभाग के कार्यपालक अभियंता को इसकी जांच कराने का आदेश दिया है कि किस परिस्थिति में डब्लूएमएम की जगह मिट्टी से गड्ढों को भरा जा रहा है. ग्रामीण कार्य विभाग, मेदिनीनगर प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता विकास खलखो से सड़क में मिट्टी भरे जाने के संबंध में दूरभाष पर पूछने पर बताया गया कि बीती रात्रि में उनके पास व्हाट्सएप के माध्यम से ग्रामीण ने दर्जनों फोटोग्राफ भेजे हैं. इसकी जांच हेतु कार्य स्थल पर कनीय अभियंता को भेजा गया है.

मनरेगा में गड़बड़ी की आशंका

मजदूरी भुगतान को लेकर कूप योजना में भारी गड़बड़ी

- ऑनलाइन मजदूरी, धरातल पर काम बंद

संवाददाता । पलामू

जिले के पाटन प्रखंड की नावाखास पंचायत में बिना मजदूरी किए ही रोजगार सेवक द्वारा मनरेगा योजना में पैसे का भुगतान कर दिया जा रहा है. इस पंचायत में मनरेगा के तहत कई महत्वाकांक्षी योजनाएं चल रही हैं, जिसमें सिंचाई कूप का भी निर्माण हो रहा है. इस योजना में भ्रष्टाचार उजागर हुआ है. रोजगार सेवक द्वारा मजदूरों से काम कराए बिना भुगतान दिखा दिया गया है. इसके लिए स्थल पर जाकर सच्चाई जानने की कोशिश की गयी. इसके बाद ही भुगतान एवं मजदूरी कराने जाने का पता चला. 22 जून को मनरेगा योजना में सिस्टम के अनुसार ऑनलाइन के माध्यम से 46 मजदूर कार्य कर रहे थे, जिसमें 24 महिलाएं एवं 22 पुरुष थे. जब योजना के धरातल पर पहुंच कर मजदूरों की जानकारी ली गई तो सिर्फ एक कुआं पर तीन मजदूरी कार्य करते पाए गए हैं. बाकी कुएं में मजदूरी का कार्य बंद था.

इस संबंध में कुएं के लाभुक सुनीता देवी के पति नंदकिशोर तिवारी से बातचीत की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि मेरे कुएं पर दो दिनों से कार्य बंद है. वही एक और कुएं के लाभुक विनोद तिवारी से बातचीत की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि मेरा कुआं बनकर तैयार हो गया, लेकिन रोजगार सेवक के द्वारा मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है. भुगतान करने के लिए बोला जाता है तो बोलते हैं कि पहले डिमांड के लिए पैसा दीजिए. पैसा नहीं देंगे तो मजदूरी भुगतान नहीं करेंगे. इस संबंध में रोजगार सेवक से बातचीत की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि सारे मजदूर कुआं में कार्य कर रहे हैं.

हाथियों के झुंड ने पीडीएस डीलर को कुचल कर मार डाला

पलामू । पलामू से सटे गढ़वा जिले के भंडरिया थाना क्षेत्र के पर्रो गांव में सोमवार की रात हाथियों के झुंड ने एक जनवितरण प्रणाली के डीलर पर हमला बोला एवं कुचल दिया, जिससे वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए. उन्हें इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया. मंगलवार सुबह में मौत हो गई. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है. घटना उस वक्त हुई जब पीडीएस डीलर अपने घर में सो रहे थे. इस घटना में उनकी पत्नी बाल बाल बच गई. डीलर के साथ उसकी पत्नी भी साथ में थी. मृतक की पहचान पर्रो गांव के पीतांबर सिंह के 46 वर्षीय पुत्र राशन डीलर सह ब्यास महरु सिंह के रूप में हुई है.

चतरा: सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

चतरा । सदर थाना क्षेत्र के चतरा-हजारीबाग मार्ग पर लोवागड़ा गांव के पास सड़क दुर्घटना में घायल दूसरे युवक मो तसलीम की भी मौत हो गई. इससे पहले दुर्घटना में मौके पर ही मो एजाज उर्फ गुड्डू की मौत हो गई थी. बताया जाता है कि सोमवार की देर रात दोनों युवक अपनी मोपेड से लोवागड़ा बाजार से वापस अपने घर संघरी लौट रहे थे. इसी दौरान चतरा से हजारीबाग की ओर जा रही एक स्विफ्ट कार ने मोपेड सवार युवकों को अपनी चपेट में ले लिया. इससे मौके पर ही मो एजाज उर्फ गुड्डू की मौत हो गई. जबकि मो तसलीम गंभीर रूप से जख्मी हो गया था. आसपास के लोगों की मदद से घायल एजाज को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया. सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद घायल को बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज हजारीबाग रेफर किया गया था. इसी दौरान रास्ते में ही उसकी भी मौत हो गई. एक साथ गांव के दो युवकों की मौत के बाद रात में ही आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार को चतरा-हजारीबाग मार्ग को जाम कर दिया. ग्रामीणों के द्वारा लगाया गया जाम मंगलवार दोपहर तक रहा. जाम के कारण सड़क के दोनों किनारों पर वाहनों की लंबी कतार लगी रही. सड़क जाम की सूचना पाकर सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार और अंचलाधिकारी अनिल कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और जाम कर रहे ग्रामीणों को उचित मुआवजा एवं सरकारी लाभ दिलाने का आश्वासन देकर जाम को हटाया. जाम हटाने के बाद पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया.

1500 सौ माइंस ट्रक हड़ताल पर

गुमला । आधा दर्जन से अधिक बॉक्साइट खदानों में खनिज का परिवहन में लगे 1500 माइंस ट्रक हड़ताल पर चले गये. लिहाजा खदानों से बाक्साइट का परिवहन ठप हो गया. बॉक्साइट ट्रकों के परिचालन बंद करने का फैसला विभिन्न बॉक्साइट ट्रक ऑनर एसोसिएशन के द्वारा लिया गया. ऑनर एसोसिएशन के संरक्षक धीरज प्रसाद साहू की अध्यक्षता में लोहरदगा में बैठक का आयोजन किया गया था और उसी बैठक में सभी ट्रक ऑनर एसो. के पदाधिकारी एवं ट्रक मालिकों ने अपनी अपनी ट्रकों को बॉक्साइट खदान नहीं भेजने का निर्णय लिया.

आरोपियों को सजा दिलाने में फेल हो जाती झारखंड पुलिस

सौरभ सिंह । रांची

झारखंड पुलिस नशे के अलग-अलग घटनाओं में संलिप्त आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल तो भेज देती है. साथ ही चार्जशीट भी दाखिल कर देती है, लेकिन अदालत में ट्रायल के दौरान आरोपियों को सजा दिलाने में फेल हो जाती है. इस बात की पुष्टि संबंधित केसों के ट्रायल के बाद आने वाले फैसलों के आंकड़े करते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी 2024 से 31 मई तक 10161 केसों का ट्रायल पूरा हुआ था. जिनमें 8869 केस में शामिल आरोपी रिहा हो गये. जबकि सिर्फ 1287 केस में शामिल आरोपियों को सजा सुनाई गई.

जानें किस जिले में कुल कितने केस, कितने को मिली सजा और कितने हुए रिहा

जिला	सजा	बरी	कुल केस
रांची	116	983	1099
गिरिडीह	89	892	981
जमशेदपुर	124	744	868
हजारीबाग	50	737	787
बोकारो	55	580	638
पलामू	39	560	599
साहेबगंज	38	493	531
गढ़वा	40	481	521
गुमला	82	299	381
दुमका	63	300	363
रामगढ़	16	339	355
देवघर	22	333	355
जामताड़ा	67	286	353
चाईबासा	152	192	344
धनबाद	35	286	321
लातेहार	39	240	279
सरायकेला	28	188	218
पाकुड	30	185	215
लोहरदगा	44	148	192
कोडरमा	34	158	192
चतरा	26	144	170
खूंटी	23	119	142
सिमडेगा	29	96	125
गोड्डा	29	52	81
रेल जमशेदपुर	07	11	18
रेल धनबाद	10	23	33
कुल	1287	8869	10161

राजद की समीक्षा बैठक में हंगामा: पैसे की कमी रहा पलामू में हार का कारण

दिल मिले न मिले, हाथ मिलाते रहिए

खास बातें
- नेताओं ने कहा- प्रत्याशी कॉल नहीं उठा रही थीं
- मीटिंग में एक-एक पैसे का हिसाब देने लगे नेता

संवाददाता । मेदिनीनगर

दुश्मनी लाख सही, खत्म ना कीजे रिश्ता, दिल मिले न मिल हाथ मिलाते रहिए. कुछ ऐसा ही नजारा पलामू में राजद की बैठक में देखने को मिला. जहां नेता और कार्यकर्ता एक दूसरे पर जमकर तोहमत लगाते रहे. मामला पलामू में राजद की समीक्षा बैठक का है. जहां हंगामा पार्टी के बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच हुआ. लोकसभा चुनाव 2024 में राष्ट्रीय जनता दल पूरे झारखंड में एकमात्र पलामू लोकसभा सीट से चुनाव लड़ी. पलामू लोकसभा सीट से राष्ट्रीय जनता दल चुनाव हार गई.

राजद की समीक्षा बैठक में हंगामा करते कार्यकर्ता व नेता

लोकसभा चुनाव में मिली हार की समीक्षा करने के लिए मंगलवार को राजद की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. पहले यह समीक्षा बैठक रांची में आयोजित की गई थी बाद में यह पलामू में तय किया गया. इस समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव, पार्टी के झारखंड समन्वयक गौतम सागर राणा, पलामू लोकसभा सीट से प्रत्याशी ममता भुइयां, पलामू के जिला अध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा समेत बड़े राजा नेता मौजूद रहे. इस बैठक में संबोधन को लेकर पार्टी के बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हुआ और काफी देर तक हंगामा होता रहा. राष्ट्रीय जनता दल की समीक्षा बैठक में एक बड़े नेता पैसे का हिसाब देना शुरू कर दिया. इसी बीच पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव ने उन्हें रोका और आगे की बात करने को कहा. नेता फंडिंग से लेकर नेताओं पर हुए खर्च पाई-पाई का हिसाब जुड़वाने लगे. इस समीक्षा बैठक के दौरान कई राजद नेताओं ने कहा कि प्रत्याशी ने फोन उठाना बंद कर दिया था. पार्टी के नेताओं ने कहा कि हर की समीक्षा होनी चाहिए और निर्णय मजबूत होना चाहिए ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी मजबूती के साथ खड़े हों.

प्रेशर पॉलिटिक्स 2019 के विधानसभा चुनाव में भाकपा-माले ने 11, भाकपा ने 19, मासस ने दो, सीपीएम ने नौ सीटों पर प्रत्याशी उतारा था, सिर्फ एक ही सीट जीत सके

सीटों के बंटवारे पर बात नहीं बनी, तो वाम दल भी अपने प्रत्याशी उतारेंगे

रेहान अहमद । रांची

भाकपा माले, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी (सीपीएम), मार्क्सवादी समन्वय समिति (मासस) ने 2019 के विस चुनाव में अपनी-अपनी पार्टी का प्रत्याशी उतारा था. भाकपा-माले ने 11 सीट, भाकपा ने 19, मासस ने दो, सीपीएम ने नौ सीटों पर प्रत्याशी उतारा था. इनमें से सिर्फ भाकपा माले के बगोदर के प्रत्याशी विनोद सिंह ही चुनाव जीत पाये थे. बाकी वाम दल के प्रत्याशी चुनाव बुरी तरह से हार गये थे. या यों कहें कि वाम दल के प्रत्याशी राज्य के किसी भी विधानसभा क्षेत्र में मुख्य मुकाबले में नहीं थे.

- भाकपा इस बार 19 से अधिक सीटों से तुनाव लड़ने की तैयारी में : अजय कुमार

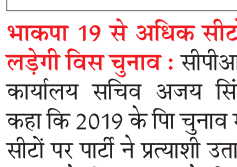

- माकपा अपनी पुरानी नौ सीटों से ही फिर से चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटी : प्रकाश विप्लव

भाकपा 19 से अधिक सीटों पर लड़ेगी विस चुनाव : सीपीआई के कार्यालय सचिव अजय सिंह ने कहा कि 2019 के पि चुनाव में 19 सीटों पर पार्टी ने प्रत्याशी उतारे थे. 2024 के विस चुनाव में भी उतनी ही सीटों या उससे अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी पार्टी ने की है. गंठबंधन दलों में सीटों के बंटवारे को लेकर सही निर्णय नहीं हुआ, तो इस बार भाकपा खुद प्रत्याशी उतारेगी.

सीटों के बंटवारे पर सही निर्णय नहीं हुआ, तो पार्टी अकेले लड़ेगी चुनाव : माकपा

माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि 2019 में पार्टी ने नौ विधानसभा सीटों सेप्रत्याशी उतारा था. इसलिए सीटों के बंटवारे पर सही निर्णय नहीं हुआ, तो 2024 के विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी से ही प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में मुकाबले के लिए उतारेंगे.

वार्ता के बाद विस चुनाव की देंगे जानकारी : भाकपा-माले

भाकपा माले के जनार्दन प्रसाद ने कहा कि इस संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है. इस बार गठबंधन के दलों से भी बात होगी. गठबंधन के दलों से बातचीत के बाद ही इस बार विधानसभा चुनाव लड़ने के मुद्दे पर आगे की रणनीति तैयार की जाएगी. फिलहाल किसी सीट से प्रत्याशी उतारना है, उस पर निर्णय नहीं हुआ है.

11 में से एक बगोदर सीट ही जीत सकी थी भाकपा -माले

भाकपा माले ने 2019 के विधानसभा चुनाव में गिरिडीह, बगोदर, बरकट्ठा, पांकी, गढ़वा, गुमला, देवघर, नाला, दुमका, तमाड़, खिजरी से चुनाव लड़ा था. इनमें से बगोदर सिर्नाफ बगोदर से माले प्रत्याशी विनोद सिंह ने जीत दर्ज की थी. मासस ने निरसा व सिंदरी से 2019 के विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन सफलता नहीं मिली.

भाकपा : 2019 विस चुनाव

विस सीट	कितने वोट मिले
बरही	3500
बहरागोड़ा	4000
बरकट्ठा	5000
छतरपुर	3000
मनिका	3000
बड़कागांव	3200
रामगढ़	1500
डुमरी	3000
मांडू	3200
सिमलिया	6000
विशुनपुर	4200
टुंडी	3000
नाला	19000
बेरमो	3500
बाघमारा	2300
लोहरदगा	4000
सारठ	4000
बोकारो	3500

माकपा

विस सीट	कितने वोट मिले
पाकुड़	12000
महेशपुर	8000
लिट्टीपाड़ा	5500
महगामा	6000
हटिया	16000
सिल्ली	3000
चतरा	2000
मांडर	6000

संवाद और सहयोग की राह

आठरहवीं लोकसभा चुनाव के जनादेश से न तो सत्ता पक्ष ही कुछ सबक लेता दिख रहा है और न ही विपक्ष. यहां तक कि संसद का सत्र शुरू होते ही दोनों पक्षों ने स्पष्ट कर दिया है कि आगे राजनीतिक संघर्ष और भी तल्ख होने जा रहा है. उम्मीद की जा रही थी कि सत्ता पक्ष गठबंधन धर्म के मर्म को समझते हुए समावेशी लोकतंत्र की दिशा में प्रस्थान करेगा और विपक्ष से संवाद का तरीका विकसित करेगा. लेकिन सत्ता पक्ष ने अपने तीसरे कार्यकाल को निरंतरता में परिभाषित करते हुए एक तरह से स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी पुरानी नीतियों पर चलना जारी रखेगा. प्रधानमंत्री ने आपातकाल की याद दिलाते हुए कांग्रेस पर प्रहार किया है. दूसरी ओर कांग्रेस ने भी पिछले दस सालों से जारी अघोषित आपातकाल की चर्चा कर माकूल जबाव देने का प्रयास किया है. इतना तो तय है कि 49 साल पहले लगाए गए आपातकाल से देश ने ज्यादा कुछ सीखा नहीं है. नागरिक अधिकारों पर जिस तरह के हमले जारी हैं, उससे जाहिर होता है कि सत्ता की निरंकुशता सबको रास आती है. भारत के स्वतंत्रता आंदोलन ने समावेशी लोकतांत्रिक राष्ट्रवाद की नींव डाली थी. इस समय देश में सबसे ज्यादा संकट इसी पर है. देखना है भारत की बहुलतावादी लोकतांत्रिक चेतना का विकास अगले पांच सालों में कितना होता है या उसकी राह में रुकावट डाली जाती है. भारत के जनगण ने हर बार संदेश दिया है कि उसकी आस्था निर्वाचित निरंकुशता की किसी भी प्रवृत्ति नहीं है. चुनावों के माध्यम से बहुलतावादी समावेशी लोकतंत्र के पक्ष में जनता के फैसले का आदर किया ही जाना चाहिए. सत्ता पक्ष को इस पर पहल करने की जरूरत है. सत्ता पक्ष को यह भी समझने की जरूरत है कि पिछले दो चुनावों में उसके पास जो प्रचंड बहुमत था, अब वह नहीं है. भाजपा अल्पमत में है और वह एक सही अर्थो में गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रही है. दूसरी ओर पिछले दस सालों की तुलना में एक बेहद मजबूत विपक्ष का उसे मुकाबला करना है. संसद का पहला ही सत्र बता देगा कि दोनों पक्ष इस हकीकत को किस तरह स्वीकार करते हैं. कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने स्पष्ट किया है कि निरंकुशता के खिलाफ यह जनादेश है. नयी लोकसभा के पहले दिन ही मोदी ने जो भाषण दिया है, वह स्पष्ट इंगित करता है कि अगला कार्यकाल भी उसी अंदाज़ में चलाएंगे जैसा कि पिछले दो कार्यकाल में वे चलाते रहे हैं. अब यह विपक्ष पर निर्भर है कि वह कैसे उनकी इसी कार्यप्रणाली के बीच से राह निकालता है. सत्र के पहले दिन विपक्षी दलों के बठबंधन ने हाथ में संविधान की प्रति ले कर जिस तरह की एकजुटता का प्रदर्शन किया है, उससे भी बहुत कुछ संदेश मिल रहा है. जरूरत इस बात की है कि संसदीय प्रणाली की परंपराओं और प्रक्रियाओं को लोकतांत्रिक पहल के साथ चलाया जाए. जरूरत इस बात की है कि हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जाए और दोनों पक्ष देश के संतुलित ओर समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ें.

> जरूरत इस बात की है कि संसदीय प्रणाली की परंपराओं और प्रक्रियाओं को लोकतांत्रिक पहल के साथ चलाया जाए. जरूरत इस बात की है कि हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जाए और दोनों पक्ष देश के संतुलित ओर समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ें.

सुभाषित

शान्तितुल्यं तपो नास्ति तोषान्न परमं सुखम्।
नास्ति तृष्णापरो व्याधिर्न च धर्मो दयापरः॥

शान्ति जैसा कोई तप (यहां तप का अर्थ उपलब्धि समझना चाहिए) नहीं है, सन्तोष जैसा कोई सुख नहीं है (कहा भी गया है, संतोषी सदा सुखी), कामना जैसी कोई व्याधि नहीं है और दया जैसा कोई धर्म नहीं है. अगर जीवन में शांति और संतोष मिल जाता है तो उसे बड़ी उपलब्धि मानना चाहिए.

शिक्षा व्यवस्था का एक स्याह पहलू

हर तरफ से इसी तरह की गड़बड़ी की ख़बरें आ रही हैं और इस धंधे के लगातार चलाने की बात भी पुष्ट हो रही है लेकिन मंत्री जी ही एकदम अनजान बने बैठे हैं और अभी भी अदालत से निर्देश मिलने का पालन होने की बात करते हैं. अगर अदालत को ही सब कुछ करना है तो आप किस लिए बने हैं. और तय मानिए कि अदालत भी आँख बंद नहीं करने वाली है क्योंकि चालीस से ज्यादा मुकदमे हो चुके हैं और रोज नए सबूतों के साथ परीक्षार्थियों के आरोप सही साबित हो रहे हैं.

• देश-काल

अरविंद मोहन

किसी जमाने में कर्ज की अदायगी और प्रतिरक्षा हमारे बजट में खर्च का सबसे बड़ा आइटम हुआ करते थे. सूद और कर्ज की अदायगी का अनुपात भी पहले से कुछ कम हुआ है लेकिन रक्षा बजट काफी छोटा हो गया है. कायदे से इस बदलाव के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट बढ़ना चाहिए, क्योंकि विकसित देश होने की यह शर्त जैसी है कि जो जितना विकसित वह स्वास्थ्य और शिक्षा पर उतना ज्यादा बजट खर्च करता है.

इस बीच यह बदलाव भी हुआ है कि राजनैतिक रूप से भले ही रक्षा, गृह, विदेश और वित्त मंत्री ज्यादा महत्व पाते हों, लेकिन असली महत्व के मामले में वाणिज्य, सूचना तकनीक, सड़क परिवहन और विदेश व्यापार प्रमुखता पाने लगे हैं. एक जमाने में संचार मंत्रालय भी काफी भाव पा रहा था. पर इन सबके बीच वह मंत्रालय, जिसे शिक्षा का काम संभालना है, लेकिन नाम मानव संसाधन विकास कर दिया गया है, लगातार अपना भाव बढ़ाता गया है. कभी तो इसके मंत्री को प्रधानमंत्री के बाद सबसे ज्यादा महत्व वाला माना जाता था. इधर जरूर हुआ है कि चुनाव हारकर भी मंत्री बनी स्मृति ईरानी (जिनकी डिग्री का विवाद भी प्रधानमंत्री की डिग्री की तरह ही चर्चा में रहा) और धर्मेन्द्र प्रधान जैसों के मंत्री बनने से शिक्षा विभाग लगातार कई तरह के विवादों में रहा है और इस पद का महत्व भी कम हुआ है.

और जिस तरह से देश भर के मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा 'नीट' के नतीजों को लेकर विवाद हुआ है हमको-आपको सभी को इस विभाग और इसके काम का महत्व समझ में आने लगा है. महत्व तो इसके मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को ज्यादा मालूम है, लेकिन वे कुछ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे इस पूरे काम से कुछ परेशान हों और इस परेशानी में वे रह-रह कर एक क़दम उठा रहे हैं जो मजबूरी या अदालती आदेश का दबाव ज्यादा लगता है, अपने विभाग का दोष या ग़लती सुधारने की इच्छा से उठाया गया कदम नहीं लगता. जिस तरह से वे परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी को लगातार दोषमुक्त करते जा रहे हैं और परीक्षार्थियों/अभिभावकों को झूठे आश्वासन दिए जा रहे हैं, वह बताता है कि वे सब कुछ जानकर भी अनजान बनने की कोशिश कर रहे हैं. परीक्षा के दिन से ही नहीं, उससे पहले से हंगामा है और वे अनजान दिखते हैं जबकि वे ही पुराने शिक्षा मंत्री भी हैं. जिन कुछ मंत्रियों को पुराने विभाग वापस मिले हैं उनमें धर्मेन्द्र प्रधान भी हैं. इसका तत्काल यह नतीजा निकालने की जरूरत नहीं है कि खुद उनकी इस घोटाले में संलिप्तता है, लेकिन यह जरूर पूछा जा सकता है कि उनको कैसे पता नहीं था.

गड़बड़ी पकड़ी गई तो मंत्री जी ने ग्रेस मार्क्स हटाने या दोबारा परीक्षा का विकल्प दे दिया. मानो एक जगह की गड़बड़ से दूसरे का कोई रिश्ता ही न हो. रिजल्ट अपूर्व हो गया और कट-ऑफ़ मार्क्स किसी की कल्पना से ऊपर पहुंच गया. इतने टॉपर हो गए कि गिनना मुश्किल. पूरे-पूरे अंक लेकर टॉप करने वाले छह टॉपरों वाले केंद्र का स्कूल संचालन भाजपा के एक विवादास्पद नेता के पास था. इंटर फेल भी टॉपरों में था तो दूसरी प्रवेश परीक्षाओं के टॉपर फेल हो गए. कुछ केंद्र के बच्चों का रिजल्ट आश्चर्यजनक अच्छा हुआ तो कई कई राज्यों के कुछ बच्चे हजारों मील दूर गुजरात के एक केंद्र पर परीक्षा देने गए और ज्यादातर पास हो गए. कई बच्चों ने जवाब न आने पर स्थान खाली छोड़ दिया जिसे बाद में भरे जाने की पुष्टि हुई है. परीक्षा के दिन ही एक बड़े हिन्दी अखबार ने अपने सभी संस्करणों में पटना में सवाल कई दिन पहले लीक होने की खबर छापी. बच्चों को प्रश्नपत्र देकर जवाब का अभ्यास कराया गया. पटना पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया और जलाए गए प्रश्न-पत्र पकड़े. कुछ छात्र और अभिभावक भी पकड़े गए जिन्होंने इस गड़बड़ को कबूला. और हद तो तब हो गई जब तीस और चालीस लाख के पोस्ट-डेटेड चेक इन गिरोहबाजों के पास से मिले. अर्थात पूरा धंधा बहुत भरोसे और निश्चिंत भाव से चल रहा था.

हर तरफ से इसी तरह की गड़बड़ी की ख़बरें आ रही हैं और इस धंधे के लगातार चलाने की बात भी पुष्ट हो रही है, लेकिन मंत्री जी ही एकदम अनजान बने बैठे हैं और अभी भी अदालत से निर्देश मिलने का पालन होने की बात करते हैं. अगर अदालत को ही सब कुछ करना है तो आप किसलिए बने हैं. और तय मानिए कि अदालत भी आंख बंद नहीं करने वाली है, क्योंकि चालीस से ज्यादा मुकदमे हो चुके हैं और रोज नए सबूतों के साथ परीक्षार्थियों के आरोप सही साबित हो रहे हैं. बच्चे भी भीषण गर्मी के बावजूद सड़कों पर उतरे हुए हैं, क्योंकि उनके लिए तो जीवन मरण का सवाल है. यह खेल सिर्फ नीट की परीक्षा में हुआ हो, यह संभव नहीं है.

हर परीक्षा शक के दायरे में है और आधी से ज्यादा परीक्षाओं में तो प्रश्नपत्र लीक होने की बात भी सामने आ रही है. कोचिंग सेंटर और शिक्षा माफिया का तंत्र पूरी शिक्षा व्यवस्था और उसमें भी खास तौर से प्रवेश परीक्षाओं को अपनी गिरफ्त में ले चुका है. और हर परीक्षा केन्द्रीय स्तर पर और अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित होने से उसका संचालन चुस्त-दुरुस्त ढंग से करा पाना असंभव बन गया है. दूर-दराज के और असुरक्षित परीक्षा केंद्र बनाना, थोड़े से पैसों के लिए बिकने वाले स्टाफ़ को भी साथ रखने की मजबूरी है. और फिर पूरे विभाग की 'कमाई' और माखन-मिश्री का इंतजाम इसी से होता है. टेक्स्ट-बुक और इस तरह की पुरानी धाँधलियां कम हुई हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | **ओशो**

समाज में इतनी हिंसा क्यों

एक मित्र ने पूछा है 'समाज में इतनी हिंसा क्यों हैं?' हिंसा के मूल में महत्वाकांक्षा है.वस्तुतः तो महत्वाकांक्षा ही हिंसा है.मनुष्य चित्त दो प्रकार का हो सकता है.महत्वाकांक्षी और गैर-महत्वाकाक्षी.महत्वाकांक्षी-चित्त से राजनीति जन्मती है और गैर-महत्वाकांक्षी-चित्त से धर्म का जन्म होता है. धार्मिक और राजनैतिक–चित्त के ये दो ही रूप हैं. या कहें कि स्वस्थ और अस्वस्थ. स्वस्थ चित्त में हीनता नहीं होती है.और जहां आत्महीनता नहीं है, वहां महत्वाकांक्षा भी नहीं हैं. क्योंकि, महत्वाकांक्षा आत्महीनता के बोध को मिटाने के प्रयास से ज्यादा और क्या है? लेकिन, आत्महीनता ऐसे मिटती नहीं हैं और इसलिए महत्वाकांक्षा का कहीं अंत नहीं आता है. आत्महीनता का अर्थ है आत्मबोध का अभाव. स्वयं को न जानने से ही वह होती है.आत्म-अज्ञान ही आत्महीनता है, क्योंकि जो स्वयं को जान लेता है, वह सब प्रकार की हीनताओं और महानताओं से मुक्त हो जाता है. ऐसी स्थिति ही स्वस्थ स्थिति है. स्वस्थ यानी स्वयं में स्थित. और जो स्वयं में नहीं है वही अस्वस्थ है और जो स्वयं में नहीं होता है, वह निरंतर पर से तुलना में रहता है. पर से जो तुलना है, उसी से हीनभाव और फिर महत्वाकांक्षा का निर्माण होता है. और महत्वाकांक्षा द्वंद्व और हिंसा में ले जाती है.राजनीति इसका साकार रूप है.इसलिए ही राजनीति से विनाश फलित होता है.स्वस्थ चित्त से होता है सृजन. अस्वस्थ चित्त से विनाश.मनुष्य का दुख यही है कि वह अब तक राजनैतिक चित्त के घेरे में ही जिया है.और धार्मिक चित्त को हम पैदा नहीं कर पाए हैं.धर्म के नाम पर कई संगठन और संप्रदाय हैं, वे भी सब राजनैतिक ही हैं.इससे ही इतनी घृणा है, हिंसा है और इतने युद्ध हैं.और इससे ही जीवन इतना अशांत, अराजक और विक्षिप्त है. एक छोटी सी नाव में बैठे तीन व्यक्ति विवाद कर रहे थे.उनकी चर्चा का विषय था कि पृथ्वी पर सबसे पहले उनमें से किसका व्यवसाय प्रारंभ हुआ? उनमें से एक सर्जन था, दूसरा इंजीनियर और तीसरा राजनैतिक.सर्जन ने कहा 'बाइबिल कहती है कि ईव का निर्माण आदम की एक पसली को निकाल कर किया गया था.और क्या इससे यह सिद्ध नहीं हो जाता कि शल्य चिकित्सक का व्यवसाय सर्वाधिक प्राचीन है?'

महाराष्ट्र-यूपी के सामाजिक-सियासी यथार्थ

• देशांतर

प्रो. रविकांत

2024 की लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत से रोकने में दो राज्यों की सबसे बड़ी भूमिका रही. उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र देश के सबसे बड़े राज्य हैं. दोनों ही राज्य हिंदुत्व की प्रयोगशाला माने जाते हैं. दोनों राज्यों में लंबे समय से भाजपा सत्ता में है. इन राज्यों में भाजपा का अनेक छोटे-बड़े सहयोगी दलों के साथ गठबंधन भी है. महाराष्ट्र में भाजपा एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के साथ गठबंधन सरकार में है. जून 2022 में उद्धव ठाकरे की महा विकास अघाड़ी की सरकार को गिराकर भाजपा ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सरकार बनाई. उद्धव ठाकरे से बगावत करके एकनाथ शिंदे ने शिवसेना पर कब्जा कर लिया. ठीक इसी तरह भतीजे अजित पवार ने दो तिहाई से ज्यादा विधायक तोड़कर चाचा शरद पवार की एनसीपी पर कब्जा कर लिया. जाहिर तौर पर यह तोड़फोड़ केंद्र की मोदी सरकार के इशारे पर हुई थी. महाराष्ट्र में महायुति सरकार बनाने के पीछे असली मकसद लोकसभा चुनाव था. लेकिन महाराष्ट्र की 48 सीटों में से केवल 17 पर महायुति गठबंधन जीत सका. इसमें 9 पर भाजपा, 7 पर शिवसेना और 1 पर एनसीपी ने जीत हासिल की. इसके बरक्स उद्धव ठाकरे की शिवसेना, शरद पवार की एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर 30 सीटों पर जीत हासिल की. आश्चर्यजनक रूप से कांग्रेस को सर्वाधिक 13, शिवसेना (यूबीटी) को 9 और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) को 8 सीटें मिलीं. केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के जरिए पार्टियों को तोड़कर और तमाम सामाजिक समीकरण साधकर भी महाराष्ट्र में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा. 2014 में भाजपा की जीत में उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी भूमिका थी. यूपी की 80 सीटों में से 71 सीटें जीतकर भाजपा ने पूरे देश में 282 सीटें हासिल की थीं. इसके बाद 2019 के चुनाव में सपा बसपा गठबंधन के सामने भी भाजपा ने 62 सीटें जीतकर 303 सीटों का बड़ा बहुमत हासिल किया. 2024 के चुनाव में सपा कांग्रेस गठबंधन के सामने भाजपा केवल 33 सीटों पर सिमट गई. उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार कई मायने में गौरतलब है. 90 के दशक में उत्तर प्रदेश भाजपा के हिंदुत्व का केंद्र बना. भाजपा के उभार में राम मंदिर आंदोलन की बड़ी भूमिका रही है. बाबरी मस्जिद तोड़कर (6 दिसम्बर, 1992) भाजपा और संघ ने जिस राम मंदिर के लिए आंदोलन शुरू किया था, वह इस साल बनकर तैयार हो गया. सामाजिक समीकरण, कट्टर हिंदुत्व और पानी की तरह पैसा बहाने के बावजूद भाजपा को उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में क्यों पराजय मिली? दरअसल, विपक्षी इंडिया गठबंधन ने चुनाव प्रचार में संविधान और लोकतंत्र बचाने का मुद्दा जोर-जोर से उठाया. कांग्रेस और खासकर राहुल गांधी ने सामाजिक न्याय, आरक्षण, समान प्रतिनिधित्व और सम्मान देने का वादा किया. नतीजे जाहिर करते हैं कि विपक्ष के इस एजेंडे का सबसे ज्यादा प्रभाव उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में हुआ. इन दो राज्यों ने भाजपा और मोदी के मंसूबों पर पानी फेर दिया. उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र देश के सबसे बड़े सूबे हैं. करीब एक चौथाई सीटें इन राज्यों से आती हैं. उत्तर प्रदेश की 80 और महाराष्ट्र की 48 यानी कुल मिलाकर 128 सीटों में से भाजपा केवल 50 सीटें जीत सकी. इन प्रदेशों में भाजपा 40 फ़ीसदी सीटें भी जीतने में कामयाब नहीं हुई. नरेंद्र मोदी को पूर्ण बहुमत से रोकने में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की सबसे बड़ी भूमिका है. महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन की जीत बहुत मायने रखती है. इन राज्यों में दलित राजनीति की नुमाइंदगी होने के बावजूद दलितों ने इंडिया गठबंधन को वोट दिया. उत्तर प्रदेश में बसपा सुप्रीमो चार बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं. बसपा के पास एक मजबूत जनाधार है, लेकिन इस चुनाव में बसपा अपना खाता भी नहीं खोल सकी. दरअसल, इंडिया गठबंधन में शामिल होने की संभावनाओं को नकारते हुए जब मायावती ने अलग चुनाव लड़ने का ऐलान किया तो 21.50 फीसदी दलित समाज बीजेपी को हराने के लिए कांग्रेस और सपा गठबंधन के साथ चला गया. बसपा का कोर वोटर जाटव समाज के शिक्षित और जागरूक तबके ने मायावती से मुंह मोड़ लिया. कोरी, पासी, धोबी, वाल्मीकि, सोनकर आदि जातियों का बड़ा हिस्सा इंडिया गठबंधन के साथ हो गया.

> उद्धव ठाकरे से बगावत करके एकनाथ शिंदे ने शिवसेना पर कब्जा कर लिया. ठीक इसी तरह भतीजे अजित पवार ने दो तिहाई से ज्यादा विधायक तोड़कर चाचा शरद पवार की एनसीपी पर कब्जा कर लिया. जाहिर तौर पर यह तोड़फोड़ केंद्र की मोदी सरकार के इशारे पर हुई थी.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

रेल हादसेः सिर्फ मानवीय चूक ही कारण नहीं

• प्रदूषण

सर्वजीत ए. सिंह

पिछले साल बालासोर, ओडिशा में 3 रेलगाड़ियों की टक्कर हुई, जिसमें 296 यात्रियों की मृत्यु हुई और 1000 से अधिक घायल हुए. इसके पीछे वजह मानवीय चूक बताई गई. उम्मीद थी कि यह हादसा रेलवे को अपनी संचालन और रख-रखाव की प्रणाली की समीक्षा करके सुरक्षा में आगे सुधार लाने का निमित्त बनेगा, विशेषकर मानवीय चूक से होने वाली दुर्घटनाओं की संभावना न्यूनतम करने में, किंतु लगता है यह उम्मीद झूठी निकली. अब 17 जून को पश्चिम बंगाल में नई जलपाईगुड़ी के पास एक जगह ठहरी कंचनजंगा एक्सप्रेस को एक मालगाड़ी ने पीछे से आकर टक्कर मारी, जिसमें 10 लोगों की मौत हुई और 40 जख्मी हुए. इस दुर्घटना का दोष भी मानवीय चूक पर मढ़ दिया गया. हालांकि, रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा की जा रही वैधानिक जांच अभी जारी है, लेकिन सार्वजनिक मंचों पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर कुछ बिंदु जोड़कर, जो हुआ होगा, हम उसका अंदाज़ा लगा सकते हैं. 17 जून के दिन सुबह 5 बजकर 50 मिनट पर रंगापानी और चैटरहाट स्टेशनों के बीच रेल-खंड में आसमानी बिजली गिरने से स्वचालित सिग्नल प्रणाली ठप्प पड़ गई, इसकी सूचना 6 बजकर 5 मिनट पर सिग्नल विभाग को प्रेषित कर दी गई. अब चूंकि निदान होने में वक्त लगना था तो सामान्य व सहायक नियमों के मुताबिक विभाग को पैदा हुई समस्या की घोषणा तुरंत कर देनी चाहिए थी, इससे होता यह कि कार्यप्रणाली का ढंग स्वचालित ब्लॉक सिग्नल व्यवस्था से बदलकर पूर्णरूपेण मानव-चालित व्यवस्था बन जाता, शायद तब हादसा टल जाता. फिलहाल अभी पता नहीं है कि ऐसा क्यों नहीं किया गया. नतीजतन, यह प्रखंड स्वचालित सिग्नल नियमों के मुताबिक काम करता रहा, जो ड्राइवरों को दोषपूर्ण सिग्नल पारित करने के लिए अधिकृत करता है. चूंकि स्वचालित क्षेत्रीय व्यवस्था लागू थी तो चालक के लिए गाड़ी की गति 15 किमी प्रतिघंटा तक सीमित रखना और प्रत्येक रेड सिग्नल पर एक मिनट रुकना जरूरी था. कंचनजंगा एक्सप्रेस सहित 6 रेलगाड़ियों ने इस संहिता की पालना की भी, लेकिन कंटेनर ले जा रही मालगाड़ी के चालक ने ऐसा नहीं किया, जिससे दुर्घटना घटी. यदि मालगाड़ी चालक ने भी उक्त निर्देशों का पालन किया होता तो टक्कर होने से बच जाती. साफ है, मालगाड़ी की रफ्तार 15 किमी प्रतिघंटा से कहीं अधिक थी. लोको ड्राइवरों के प्रवक्ता का कहना है कि 'पेपर लाइन क्लियर' (जिसमें इंजन चालक को अनुमति चिट थमाई जाती है) शायद जरूरी न थी, क्योंकि चालक को सावधानी वाली गति बनाए रखते हुए सिग्नल पार करने का अधिकार होता है, चाहे वह खराब हो या न हो, वैसे भी स्वचालित सिग्नल प्रणाली का सारा प्रयोजन रेलगाड़ियों को, जितना संभव हो सके, अधिक से अधिक गाड़ियों को, उचित परस्पर नज़दीकी दूरी कायम रखते हुए चलाना है. उनके अनुसार, पेपर लाइन क्लियर चिट यदि थमाई होती तो इसका सीधा अर्थ है ऐसी परिस्थिति, जिसमें चालक के लिए संहिता का पालन करना जरूरी नहीं और वह सामान्य गति से आगे बढ़ सकता है. लगता है, नई सिग्नल व्यवस्था के कार्यकारी-नियमों में यह एक असमंजसपूर्ण त्रुटि है (स्वचालित प्रणाली दो स्टेशनों के बीच एक वक्त में केवल एक ही रेलगाड़ी होने की अनुमति देने वाले कड़े ब्लॉक नियम के विपरीत है). कर्मियों के विभिन्न स्तरों पर इन नियमों की यथेष्ट समझ न होना भी एक कारक हो सकता है. मानवीय चूक को वजह बताने वाले हादसों को रोकना इतना मुश्किल क्यों है? रेलवे द्वारा नई तकनीकें अपनाकर मानवीय दखलअंदाज़ी न्यूनतम करने के प्रयासों के बावजूद, मसलन, घरेलू तकनीक पर विकसित 'कवच' नामक रेल सुरक्षा प्रणाली- जो खतरे का सिग्नल पार करने के परिणामवश हुई दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बनाई गई है– अभी भी हादसों की संख्या में मानवीय चूकों की हिस्सेदारी आधी है. यदि उक्त रेल-खंड में कवच व्यवस्था स्थापित की गई होती तो भले ही टक्कर होने से बच जाती, लेकिन यह चालक को गलती करने से नहीं रोक पाती. तो आखिर क्या वजह है कि मानवीय चूक को खत्म कर पाना इतना मुश्किल है? वह इसलिए, क्योंकि यह असफलता का मुख्य कारक न होकर, व्यवस्था में गहरे तक समाई खामी का चिह्न है. यह वह चीज़ है जिसकी स्वीकारोक्ति रेलवे विभाग द्वारा करना बाकी है. यह प्रवृत्ति मानवीय चूक को 'सड़े सेब' के नज़रिए से देखती और मानती है कि चंद गैर-भरोसेमंद की काहिली के सिवाय सुरक्षा व्यवस्था मूलतः चाक-चौबंद है, ऐसों की शिनाख्त कर उन्हें मिसाल के तौर पर पेश किया जाए.

> नई सिग्नल व्यवस्था के कार्यकारी–नियमों में यह एक असमंजसपूर्ण त्रुटि है (स्वचालित प्रणाली दो स्टेशनों के बीच एक वक्त में केवल एक ही रेलगाड़ी होने की अनुमति देने वाले कड़े ब्लॉक नियम के विपरीत है). कर्मियों के विभिन्न स्तरों पर इन नियमों की यथेष्ट समझ न होना भी एक कारक हो सकता है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मीडिया में अन्यत्र

सात साल का जीएसटी कितना प्रभावी !

देश की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में आमूलचूल बदलाव हुए सात वर्ष बीत चुके हैं. इस बदलाव के तहत ही वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी प्रणाली लागू की गई थी.जीएसटी के अंतिम स्वरूप के बारे में बहुत कुछ ऐसा था जो एक तरह का समझौता था. इसमें केंद्र सरकार और संदेह करने वाले राज्यों के बीच का समझौता भी शामिल था. उस समय माना जा रहा था कि ये समझौते जीएसटी के सुधारों को सीमित करेंगे.इस समाचार पत्र समेत कई लोगों को उम्मीद थी कि समय के साथ जीएसटी) के भीतर की ढांचागत दिक्कतें दूर कर दी जाएंगी और इसका पूरा लाभ मिलना शुरू हो जाएगा. परंतु सात वर्ष और दो आम चुनाव बीतने के बाद भी यह स्पष्ट है कि व्यवस्था में बुनियादी सुधार के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है.जीएसटी की निगरानी जीएसटी परिषद करती है. यह राज्यों और केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालयों को एक साथ लाती है. बीते सप्ताहांत परिषद की बैठक हुई लेकिन इस बार भी जीएसटी में अहम सुधारों के गहरे प्रश्न आगे की बैठकों के लिए टल गए. कहने का अर्थ यह नहीं है कि परिषद ने अहम काम नहीं किए.केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संकेत दिया कि जीएसटी परिषद द्वारा लिए गए निर्णयों में मांग नोटिस को चुनौती देने के तरीके और अपील में बदलाव तथा अनुपालन व्यवस्था में अन्य सुधार शामिल हैं. उदाहरण के लिए अगर किन्हीं मामलों में धोखाधड़ी नहीं हुई है तो उनमें ब्याज या जुर्माना नहीं मांगा जाएगा और विभाग अपने विरुद्ध निर्णयों के खिलाफ स्वतः ऊपरी अदालतों में अपील नहीं करेगा.बल्कि ये संशोधित मौद्रिक सीमा के अधीन होंगे. चूंकि दो फीसदी आकलनों को चुनौती दी जा रही है इसलिए ऐसे बदलाव बहुत अधिक महत्त्व रखते हैं. जीएसटी को लेकर एक वादा यह था कि इसका इस्तेमाल सुगम होगा. अब वक्त आ गया है कि जीएसटी के बुनियादी ढांचे में सुधार करने का प्रयास किया जाए. यह सवाल उठाया जाना चाहिए कि राज्य और केंद्र सरकार के स्तर पर दोहरा ढांचा क्यों होना चाहिए? जीएसटी के अधूरे एजेंडे में दरों और स्लैब को युक्तिसंगत बनाया जाना भी शामिल है.अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था की प्रारंभिक परिकल्पना एक दर के साथ की गई थी. जिससे स्पष्टता और किफायत सुनिश्चित होती. परंतु इसकी जगह कई दरें पेश की गईं और जीएसटी परिषद भी इन दरों में लोकलुभावन ढंग से बदलाव करने का मोह नहीं त्याग पाई. यहां तक कि पिछली बैठक में भी बॉक्स पैक करने पर लगने वाली दर को 18 फीसदी से कम करके 12 फीसदी कर दिया गया. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

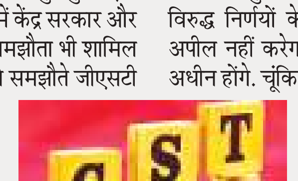

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मंजर/मंजूर

रात जाती है, सुबहा आती है, यूं ही वक्त चलता ही रहता है रुकता नहीं, एक पल में ये आगे निकल जाता है. आदमी ठीक से देख पाता नहीं और परदे में मंजर बदल जाता है. एक बार चले जाते हैं दिन-रात सुबहो शाम, वो फिर नहीं आते. फिल्म आपकी कसम के गाने की इन पक्तियों में गौर करने वाला पद है परदे में मंजर बदल जाता है. इस पद में भी सबसे प्रमुख शब्द है मंजर. मंजर तो देखने की चीज है, लेकिन कालचक्र में बंधा आदमी की नजरें ठीक से नहीं देख पातीं, समझ नहीं पातीं और मंजर बदल जाता है, नजारे बदल जाते हैं. हिंद शब्दसागर के अनुसार संस्कृत मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द मंजर शब्द आम बोलचाल की भाषा में बहु प्रचलित है. आम के पेड़ में लगे मंजर का आनंद तो आप साल में कम से कम एक बार ले ही लेते हैं. इस मंजर का अर्थ मोती भी होता है और तिलक नामक का एक पौधा भी. संस्कृत में इसका एक रूप मंजरि या मंजरी भी है. यह संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है और इसका अर्थ है छोटे पौधे या लता आदि का निकला हुआ कोंपल, कुछ विशिष्ट वृक्षों या पौधों में फूलों या फलों के स्थान पर एक सींके में लगे हुए बहुत से दानों का समूह. जैसे आम की मंजरी, तुलसी की मंजरी, तिल का पौधा, लता, बेल, तुलसी. गाने में प्रयुक्त मंजर शब्द अरबी भाषा मूल का संज्ञा पुल्लिंग है. इसका मतलब है नजारा, दृश्य, दर्शनीय वस्तु, मुखाकृति, क्रीड़ा स्थान, दृष्टिसीमा. हो सकता है कि ये बातें सबको मंजूर नहीं हों. बात की बात में एक और शब्द निकल आया मंजूर. यह शब्द अरबी भाषा मूल का विशेषण है. इसका मतलब है जो मान लिया गया हो, स्वीकृत, पसंद, जो देखा गया हो, अवलोकित. इसी शब्द से बना है मंजूरी, जो संज्ञा स्त्रीलिंग है. इसका मतलब है मंजूर होने का भाव, स्वीकृति.

बरामदे की रखवाली और हिमालय की चोरी

• तीर-तुक्का

रमेश जोशी

हमारे घर का बरामदा सामान्य और परंपरावादी बरामदा है. आजकल के बरामदों की तरह किसी ग्रिल, शीशे और गेट से सज्जित बरामदा नहीं है. बस, गेट के पास और कमरे के दरवाजे से लगता हुआ कोई साढ़े चार-पांच फुट चौड़ा और नौ-दस फुट लंबा रास्ते की तरफ खुलता हुआ स्थान है, जिसमें यदि धूप और बरसात न हो तो हम और तोताराम बैठते हैं, चाय पर चर्चा करते हैं . कभी कोई राहगीर भी यहां बैठकर सुस्ता लेता है तो कभी कोई शराबी भी बैठ जाता है. फिर खुद ही उठकर चल जाता है. पता लगने पर भी हम उससे उलझते नहीं, क्योंकि वह अंधभक्त नहीं होता इसलिए खतरनाक भी नहीं होता .'बरामदा' शायद अंग्रेजी के शब्द 'वरांडा' से बना है लेकिन हमारे अनुसार यह अरबी-फारसी के 'बरामद' शब्द से बना है. कोई चार बजे कुत्ता बहुत जोर से भूंका तो हमें लगा अब तो जरूर कोई न कोई घमंडिया आ ही गया दीखे. बरामदे में जाकर देखा तो कोई नहीं. सुना है, नींद कम लेने से आदमी का दिमाग खराब हो जाता है. कई मानसिक बीमारियां हो जाती हैं. पता नहीं, अहर्निश जागने वाले, 140 करोड़ के प्रधान सेवक और प्रधान चौकीदार मोदी जी का क्या हाल हो रहा होगा? लेकिन उनके पास इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है. राष्ट्र का अमृत काल जो चल रहा है. सो मोदी जी को चौबीसों घंटे जाग-जाग कर भैंसों की रक्षा का काम कम से कम 2047 तक तो करना ही पड़ेगा. उसके बाद वे शायद झोला उठाकर, फोटोग्राफरों को लेकर केदारनाथ की गुफा में ध्यान करने चले जाएं, लेकिन तब तक तो यह कठिन व्रत निभाना ही पड़ेगा. वैसे संन्यास आश्रम की आयु तो 2025 में हो जाएगी. सोचा, अब क्या सोएंगे. सो बरामदे में खड़े थे कि तोताराम भी आ गया. आश्चर्य! इतनी सुबह! बोला- क्या नींद नहीं आ रही? कोई बुरा सपना देखा क्या? हमने कहा-तोताराम, तुझे कैसे पता चला? बोला-लगता है हम दोनों का हाल एक जैसा ही है. मुझे भी बड़ा अजीब सा सपना आया. हालांकि उसमें दिखाई दे रही समस्या का निदान तो हो गया लेकिन समस्या इतनी विचित्र और खौफनाक है कि अब भी वह सोने नहीं देती और तरह तरह की दुश्चिंताओं से डराती है. वैसे तूने क्या सपना देखा? हमने कहा- पहले तू बता? बोला- नहीं, पहले तू बता. हमने कहा- कहीं तू हंसेगा तो नहीं. बड़ा ही विचित्र सपना है. लगभग असंभव. मजाक न उड़ाने का आश्वासन मिलने के बाद हमने बताया- तोताराम, हमने देखा कि कांग्रेसी आधा हिमालय अपने कंधे पर उठाकर दक्षिण दिशा की तरफ भागे जा रहे हैं. हो सकता है केरल के मुसलमानों को देने जा रहे हों. सोचा अगर कांग्रेसी नेता इसमें सफल हो गए तो ? फिर तो उत्तर दिशा में कोई रुकावट ही नहीं रहेगी . पूरा उत्तर भारत भयंकर ठंड से जम जाएगा. चीन सीधा दिल्ली पहुंच जाएगा.

her Story

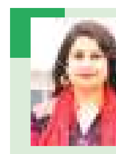
रश्मि शर्मा

आम...नहीं - नहीं, आम से पहले मुझे आम का बगीचा याद आता है, पत्तों से छनकर आने वाली धूप याद आती है और पीठ पर उगी घमौरियों की काल्पनिक खुजलाहट भी महसूस होने लगती है. यह तो होना ही था...तब भरी दोपहरी आम के बगीचे में मुहल्ले के बच्चों का जमावड़ा लगता और होती थी छीना–झपटी. जब आम के टिकोरे थोड़े से बड़े होते तो कोई अपनी जेब में छुपाकर नमक लाता, कोई मिर्ची और जो ज्यादा तेज बच्चा होता वह अपने घरवालों की आंख बचा रसोई से चाकू भी ले आता. सब मिलकर उसे छीलते, छोटे - छोटे टुकड़े करते और फिर बनता नायाब कच्चे आम का घुमउआ...अहा...मुंह में पानी लाने वाला अतुलनीय स्वाद.

हो रहा है ज़िक्र पैहम आम का

ढप की वह आवाज रसीली

गर्मियों की छुट्टियां आधी बीतती तब तक आम बड़े होने लगते. कुछ दिनों पहले तक आम खाने का साझा बंदोबस्त वाला तरीका बंद हो जाता, क्योंकि पके आम मिलने पर भला कौन बंटवारा करे! पत्थर मारकर आम भी नहीं तोड़ा जा सकता क्योंकि बागीचे की पहरेदारी अब तक शुरू हो जाती थी. इसलिए हमें पेड़ से पके- टपके फल का इंतजार होता. जैसे ही ढप की आवाज होती, झाड़-झंखाड़ भूलकर सब बच्चे उस ओर ही दौड़ लगाते. जिसके हाथ लगता आम...वह दूसरों को दिखा-दिखा कर ललचाता.

पहले ज्यादातर बीजू आम के पेड़ होते थे घरों के बाहर. उन दिनों एसी कूलर का जमाना नहीं था, सो गर्मियों में हमलोग छतों पर तारे गिनते या हवा चलने पर कितने पके आम गिरे, इसकी गिनती करते हुए सो जाते. सुबह जल्दी उठकर सब आम चुन कर एक बाल्टी पानी में डुबाकर छोड़ देते. फिर तो आम ही नाश्ता, आम ही खाना.

वरना लंगड़ों पे कौन मरता

गर्मियों और आम ऐसा नाता है कि एक के आते ही दूसरे को पाने की बेताबी बढ़ जाती है. तब हमारे लिए आम की दो ही किस्में होती थी - काटकर खाने वाला, चूस कर खाने वाला आम.

यह तो बाद में पता लगा कि अल्फांसो, दशहरी, जर्दालू, बैंगनपरी, तोतापरी, कलमी, हापुस, चौसा, मालदा, लंगड़ा...न जाने कितने आम होते हैं. मुझे लंगड़ा नाम के साथ ही किसी का कहा एक शेर याद आता है -

**"तजरुबा है हमें मुहब्बत का दिल हसीनों से प्यार करता है
आम ये तेरी खुशनसीबी है वरना लंगड़ों पे कौन मरता है"**

इतिहास में आम

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में आम को कल्पवृक्ष भी कहा गया है. वैदिक कालीन ग्रंथों तथा अमरकोश में भी इसकी चर्चा है और यह बुद्ध के समय भी प्रतिष्ठा पा चुका था. आम की प्रशंसा कालिदास ने भी की और सिकंदर ने भी. हेमिल्टन जो अठारहवीं सदी में भारत आया था, उसने गोवा के आमों को संसार का सर्वश्रेष्ठ आम बताया है. कोंकणी आम की यह प्रतिष्ठा आज भी कायम है. ह्वेनसांग ने अपने यात्रा वर्णन में भी आम का उल्लेख किया है.

कहते हैं मुगल सम्राट अकबर ने दरभंगा में विभिन्न प्रजातियों के आम के पेड़ लगवाए थे. शाहजहां भी आम का शौकीन था. और हां - चौसा में हुमायूं पर जब शेरशाह ने विजय प्राप्त किया तो अपने पसंदीदा आम का नाम चौसा रख दिया.

अमझोरा का सोंधा स्वाद

छोड़िए इतिहास की बात ...उन दिनों आम की गुठली कड़ी होने से पहले ही आम घर आ जाता था अमझोरा बनाने के लिए. क्या स्वाद होता था उसका. पहले उसे आग या गरम राख में पकाओ, छील कर गूदा अलग करो और उसमें काला नमक, चीनी, भुना जीरा, पुदीना और पानी डालकर तैयार करो. कहीं से बर्फ मिल जाए तो स्वाद जैसे दुगुना हो जाता था. लोग तो मिट्टी के घड़े में डालकर ठंडा होने रखते थे और खूब पीते, मस्त काम करते. गांवों में गर्मी के असर को काटने का कोई दूसरा उपाय इससे बेहतर नहीं होता था.

शादी की दिशा बताता आम

वैसे अचार का सिलसिला तो बचपन से ही चला आ रहा. मां गर्मियों में आम के चार टुकड़े करने के लिए 'बैंठी' जिसे हंसुल कहते हैं, उसका उपयोग करती थीं. जिस आम के अंदर की गुठली कच्ची निकलती, वह हमारे खेल का साधन बनती. हम उसे अंगूठे और इंडेक्स उंगली के बीच रखकर दबाते. सामने जो भी लड़का या लड़की होता, उसकी ओर देखकर चिकनी गुठली से पूछते – "कोया- कोया...बता इसकी शादी किधर होगी?" गुठली जिस दिशा में जाकर गिरती, हम सामने वाले पक्का विश्वास दिला देते कि मानो न मानो तुम्हारी ससुराल उसी दिशा में होगी. तब न टीवी सबके घर होती थी न और खेलने का कोई अलग तरीका. तो बच्चे मन बहलाव के लिए कंचे-कबड्डी के अलावा भी कुछ खेल बना लेते थे.

अचार की फांक

आम के मीठे और नमकीन दोनों तरह के अचार बनते घर में. मां साबुत मसाले मंगवाती और एक-एक कर सब मसाले पहले भूनती और सबको सिल - लोढ़ा में पीसती. पूरा घर भुने मसालों की सोंधी सुगंध से भर जाता. मां अचार लगा धूप में रख देती और हमलोग छत पर चुपके से जाकर अचार की फांक निकाल कर भागते. चार-पांच दिन धूप दिखाने के बाद खाने के लिए कुछ अचार बाहर रखकर बाकी को कांच के मर्तबान में साल भर सुरक्षित रखने के लिए ढक्कन के नीचे एक कपड़ा डालकर कस कर बंद किया जाता था. इन अचारों को हम साल भर खाते. मुझे याद है तब बड़े शहरों से आने वाले मेहमान मां के हाथों बने अचार की तारीफ कर अपने घर ले जाने के लिए भी मांग लेते.

जाने कहां गए वे दिन

कई बार आम अधिक आ जाता तो मां छोटे कच्चे आमों को छील - सुखाकर उसकी खटाई बनाती और पके आम के अमावट, जैम बनते. यानी आम के आम, गुठली के दाम. सब कुछ घर का बना. न कोई प्रिजर्वेटिव का उपयोग न बाजार का चक्कर. होम मेड चीजें जो स्वाद में तो अच्छी होती थीं, स्वास्थ्य की दृष्टिकोण से भी फायदेमंद. अब सोचती हूं तो लगता है, यह किसी और युग की बातें याद कर रही हूं. बच्चों के पास अब इतनी फुर्सत कहां कि आम में मंजर आने से उनके पकने तक कि प्रक्रिया को जाने समझे.

हमलोग तो आम के मंजरी आने से ही पेड़ पर नजर गड़ाए रहते थे. इसके दो कारण थे - पहला कि उस समय सरस्वती पूजा के दिन मिश्री और आम के मंजर प्रसाद के रूप में चढ़ाकर, फिर पहली बार खाते थे. दूसरा - कोयल की मीठी बोली उसी समय से सुनाई पड़ने लगती थी.

अब कार्बाइड डाल कर पकाए फल और पेड़ में पके फल के स्वाद का अंतर हम समझते हैं, क्योंकि हमने दोनों को चखा है. मगर अब के बच्चे भला कैसे पहचानेंगे यह स्वाद? अब बाजार जाइए, जो उपलब्ध है, खरीद लाइए. बल्कि अब तो लगभग हर मौसम में आम मिलने लगा है, जिसमें कोई स्वाद होता ही नहीं. गलती आज के बच्चों की भी नहीं है. ये कंक्रीट के जंगल में रहते हैं और इनकी दुनिया मोबाईल, लैपटॉप में सिमट के रह गई है. घर के आसपास न कोई फलदार पेड़ नजर आता है और न ही फल पकने पर पड़ोसी के घर पहुंचाने वाली सामाजिकता बची है. लोग इतने सिमट गए हैं कि अब पड़ोसी भी पड़ोसी को नहीं पहचानता.

...जो भेजिए बस आम भेजिए

एक समय था जब घर में आम का पेड़ होना, समृद्धि का परिचायक हुआ करता था. पहले जिनके आम के बागान या चार - छः पेड़ होते थे वो आम पकने पर पूरे मुहल्ले को बांटने के बाद नाते-रिश्तेदार और मित्रों के घर भी भिजवाया करते थे. शादियों में भी टोकरी भर-भर कर आम भिजवाने का रिवाज़ था. तभी न अकबर इलाहाबादी ने तो एक पूरी ग़ज़ल ही बतौर ए ख़ास 'आम' पर लिख डाली है 'आम-नामा' के नाम से . दरअसल यह दरख्वास्त थी अपने दोस्त मुंशी निसार हुसैन से -

नामा न कोई यार का पैग़ाम भेजिए
इस फ़स्ल में जो भेजिए बस आम भेजिए

ऐसा ज़रूर हो कि उन्हें रख के खा सकूं
पुख़्ता अगरचे बीस तो दस ख़ाम भेजिए

मालूम ही है आप को बंदे का ऐडरेस
सीधे इलाहाबाद मिरे नाम भेजिए

ऐसा न हो कि आप ये लिक्खें जवाब में
तामील होगी पहले मगर दाम भेजिए !

अपने देश में पंद्रह सौ से अधिक किस्म के आम

माना जाता है कि यह सबसे पहले आसाम में जंगली प्रजाति के रूप में उगा और चौथी से पांचवी सदी ईसा पूर्व ही एशिया के दक्षिण पूर्व तक पहुंच गया. भारत कभी भी आम का आयात नहीं करता और यहां पन्द्रह सौ से अधिक किस्म के आम उगाए जाते हैं. वाकई, आम आम नहीं खास है, क्योंकि यह फलों का राजा है. मंजर से लेकर पत्तों तक, कच्ची अंबिया से लेकर पके आम तक, हमारे जीवन में रचा–बसा है, समझिए कि एक पूरी संस्कृति है आम.

आम तो आम, गुठलियों के लिए मार!

मुक्ति शाहदेव

आम फलों का राजा. हो भी क्यों नहीं, क्या बच्चे, क्या बड़े, क्या बूढ़े सभी को आम बहुत प्रिय होता है. आम के साथ प्यार तो खानदानी है. पिता की ओर से आम चूसकर खाने का संस्कार मिला तो मां की तरफ से सलीके से फांक में काटकर, प्लेट में सजा कर खाने का. मेरी मां बताती थीं कि नानी मां जब बहुत बूढी हो गई थीं, उन्हें खाना खाने के लिए उठाया जाता कि -"मां चलो खाना खा लो" तो कहती थीं (उड़िया में) आम्बो अछी? (आम है?) और हां बोलने पर ही उठतीं, वरना भूख नहीं है-कहकर सो जाती थीं. मेरी मां यह तो नहीं पूछती थीं पर थाली में आम की फांक देखकर विशेष प्यार से खाना खातीं.

वैसे तो मेरे पीहर में दो बड़े कलमी आम के पेड़ थे. इतना आम होता कि अमचूर, मुरब्बा, मीठा और नमकीन अचार बनने के बाद भी पकता तो घर के 10-12 सदस्यों के साथ-साथ अड़ोस-पड़ोस के लोग भी खाकर ऊब जाते और फिर घर के गाय -बैलों को भी आम खिलाया जाता. इसके बावजूद मेरे बाबा बाज़ार में आम आते ही अलग-अलग किस्म के आम डेली मार्केट से खरीदकर भी लाते. शुरुआत में आम महंगे भी होते तो सभी सदस्यों को हिसाब से आम मिलता. यह तो मां का हुनर था कि लिमिटेड चीजों को भी ऐसे न्यायपूर्वक बांटती कि बड़े से परिवार का हर सदस्य संतुष्ट हो जाता. मां आम काटती तो मेरा पूरा ध्यान गुठलियों पर रहता, मजाल है मेरी थाली से पहले किसी और भाई-बहन की थाली में गुठली रख दी जाए. मुझे हमेशा लगता कि चारों ओर से छील दी गई गुठली में भी बाकी सब फांकों से ज्यादा आम है. एक दिन मां बीमार थीं तो बड़ी बहन आम काट रही थी और मुझे गुठली नहीं मिली. बस मैं अपने जिद्दी रंग-ढंग से रो-रो कर पूरा घर सिर पर उठा ली. बीमार मां वैसे ही परेशान रही होंगी. उठी तो सीधे चंडी रुप में, चप्पल के साथ! अच्छी मरम्मत हुई मेरी. अब हाल यह है कि मेरे घर में कोई गुठली खाना ही नहीं चाहता तो गुठली अक्सर मेरे हिस्से आ जाती है. घर में अगर चार आम भी कटा है तो चारों गुठलियां मेरे प्लेट में नजर आती हैं. बचपन याद करके कभी हंसी आती है तो कभी मैं भावुक हो जाती हूं. खा, मुक्ति कितनी गुठलियां खाएगी?

बाल्टी भर आम और अमराई में दुल्हन

अनीता रश्मि

वे आम के आम, गुठलियों के भी दाम गिनने के दिन थे. मतलब केवल आम खाने से मतलब नहीं था. किस पेड़ का आम है, क्वालिटी क्या है पर भी विशेष ध्यान रखते थे शौकीन लोग. गुठलियों को भी बचाकर नई जगह रोप दिया करते थे.

विशेष प्रिय था सबको लंगड़ा, तोताफूली, बीजू, सिंदूरिया, फजली आदि. छोटे-छोटे, पिलपिले बीजू आम तो सभी का पसंदीदा. चूसकर ही खाया जाता था लेकिन वह घर भर को जोड़े रखता था. बादल-आंधी आई नहीं कि बिछ जाते पेड़ों तले. सब बच्चे-किशोर चुनकर लाते और बाल्टी में डुबो देते. थोड़ी देर में आंगन में गोलाई में बैठकर चूसते सारे लोग. इस समय बड़े, छोटे, युवा सब शामिल. सामूहिकता का ऐसा नजारा मकई पकते समय भी बोरसी के चारों ओर नजर आता. हम शहरी लोगों को इस आनंद का पता नहीं था. एक बार किशोरावस्था में ननिहाल चतरा गई थी. ममेरे भाई की शादी की गहमागहमी के बीच अंधड़-पानी आ गया. जेठ की भरी दुपहरी में हम भी भाई-बहनों संग खेतों की ओर दौड़ पड़े. चारों ओर उड़ती धूल...धुंधला सब कुछ. नीचे बिछ गया था टपकता पीताभ बीजू आम. टप!...टपाटप!! एकदम अलहदा अनुभव. सबके साथ टोकरी, गमछा, फ्रॉक में हम भी बटोर लाये और वही आंगन के बीच में बाल्टी के चारों ओर जम गए लोग. रांची में तो खरीदकर लाते थे बाबूजी, गिनती से ही हमें हाथ में पकड़ाया जाता था. वहां बाल्टी पर बाल्टी. ऊपर से खुद लूटने का सुख.

मजेदार बात तो यह कि बाद में उसी चतरा में दुल्हन बनकर गई. अपने गांव डाढ़ा की अमराई से आम ही आम आते. किसिम-किसिम के आम. अमराई में बैठे-बैठे ही हाथ बढ़ाकर तोड़ लो, ऊंचाई इतनी ही.

फिर तो पूरी गर्मी तरह-तरह के आमों को सहेजते व्यतीत होती. कूच्चा, अमचूर, अमावट, गुड़म्बा, अचार बनाते, अचार मसाला भूनते-कूटते ही ही बीत जाता. वहां तब और घरों की तरह बाहर से अचार खरीदने का चलन नहीं था. सालभर के अचार एक सीजन में बना लिये जाते थे. चार-पांच घड़े, दो-तीन मर्तबान खट्टे, मीठे, सूखे के साथ पानीवाला अचार मां संग मिलकर बनाती थी. मेरे घर की खासियत "गोलिया अचार" के लिए मारामारी होती. उसकी मांग बाहर बसी बेटियों और रिश्तेदारों के घर में भी थी.

बहुत मेहनत से बनाना पड़ता था. बड़ी टोकरी भर छिले आमों को बड़ी सिलौटी पर लोढ़े से पीसना आसान नहीं था. एक तरफ संभालो कि दूसरी तरफ से मछलियों की तरह फिसलकर गायब. दूसरी तरफ संभालते ही एक और तरफ मछलियां भाग जाएं.

बहुत कठिनाई से महीन पीसकर, मसाले मिलाकर बड़ी की तरह धूप में पारना, सुखाना... मतलब हफ्ते-दस दिन की कवायद! दस दिन आंगन, छत, बरामदे एक कर मात्र एक घड़ा गोलिया अचार तैयार करो. और उस पर लगी लार टपकाती गिद्ध दृस्टि के हवाले कर दो, है न मजेदार बात...वे दिन विशेष दिन. अब है मिक्सी की सुविधा. गोलिया अचार अब भी बनाती हूं पर कम.

वो झूला और डंडे मार कर आम तोड़ना

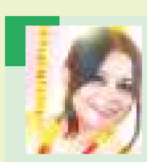
स्मिता नारायण

जब हम बच्चे थे, हमारे घर के आंगन में एक बड़ा सा आम का वृक्ष था. गर्मी की छुट्टियों में हम बच्चों के लिए इस पेड़ पर नारियल की रस्सी और लकड़ी के तख्ते से झूला लगाया जाता था. झूले का मजा हम सभी बच्चे बारी-बारी से लेते थे और पेड़ पर लगे बड़े-बड़े आमों को ललचायी नजरों से देखते थे.

गर्मी की दुपहरिया में हमारा बाहर निकलना मना था. परंतु हम सभी बड़ों के सोने का इंतजार करते और दबे कदमों से आम तोड़ने निकल जाते. डंडे से मार मार कर आम तोड़ने की कोशिश करते. जिस दिन हवा और बारिश आ गई आम आम खुद पेड़ से टपकता हम सभी अपने फ्रॉक से ही थैला बना लेते और चुने आमों को उसमें जमा करने लगते. फिर देखा जाता किसके पास आम सबसे ज्यादा इकट्ठा हुआ. फिर आपस में तकरार होती और लड़ते झगड़ते उन रसीले आमों का लुफ्त उठाते. आज भी गर्मी की छुट्टियों में वह झूला और वह रसीले आम याद आ जाते.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

यह है मैंगो ब्यूटी

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

आम स्वाद ही नहीं सौन्दर्य का भी सरताज है. आम का पल्प यूं ही चेहरे पर हल्के हाथों से मसलें और थोड़ी देर बाद धो लें तो त्वचा में सफाई ही नहीं, चमक भी नजर आएगी. आम के गुदे के संग ओट्स डाल चेहरे पर स्क्रब किया जा सकता है. इसी तरह पके आम के गुदे को खूब मैश कर उसमें दही व शहद मिला कर पैक लगाएं और 20 मिनट बाद धो लें. इससे त्वचा हाइड्रेट होगी. स्किन सॉफ्ट और ग्लोइंग बनेगी. आम में विटामिन ए और सी जैसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं. इस कारण यह पैक हमें कमसीन दिखने में मददगार होता है. नियमित लगाने पर फाइन लाइन्स और झुर्रियों की छुट्टी हो सकती है और हमारी त्वचा अधिक जवां दिखती है. आम में प्राकृतिक एसिड होते हैं जो त्वचा की टोन को बाहर निकालने में मदद करते हैं और दाग-धब्बों और काले धब्बों को मिटाते हैं. अगर धूप से त्वचा पर टैन हो गया है तो कच्चे आम को उबाल कर उसके गुदे को चेहरे पर रगड़ें. असर पहले प्रयोग से ही नजर आएगा.

मैंगो केक

ये चाहिए

¼ कप चीनी पाउडर, 2 बड़े चम्मच सॉफ्ट बटर, ¼ कप मैंगो प्यूरी, दो बड़े चम्मच दूध, एक छोटा चम्मच वनिला एसेंस, ½ कप मैदा, ½ छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर, 1/8 छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर, बारीक कटा पिस्ता.

ऐसे बनाएं

चीनी और बटर को अच्छे से मिक्स करें, जबतक कि ये अच्छे से एकसार ना हो जाए. फिर इसमें आम की प्यूरी डालें और मिलाएं. वनिला एसेंस और दूध डालें और फिर इस मिश्रण को फेंटें. अब इसमें मैदा, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा और कटे हुए पिस्ता डालना है और हल्के हाथ से फोल्ड करते हुए मिलाना है.

अब चिकनाए केक टीन में सारा बैटर डाल कर कटे पिस्ता उपर से छिड़क दें. 180 सेंटिग्रेट पर गर्म अवन में 20 से 25 मिनिट तक केक को बेक करें. अब इसे ठंडा होने दें और फिर एंजॉय करें.

आम के ये खास स्वाद

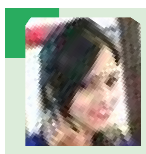
डिंपल चौधरी

22 जून से आद्रा नक्षत्र प्रारंभ हो चुका है. आद्रा नक्षत्र में भगवान सूर्य की पूजा व भगवान इंद्र को खीर और दाल पूरी के साथ आम का भोग लगाने व अपने अपनों के संग खाने की परंपरा है. इस मौके पर मास्टर शेफ समेत कई राष्ट्रीय कुकिंग प्रतियोगिताओं में हुनर दिखा चुकी डिंपल चौधरी आम के कुछ नए स्वाद पेश कर रही हैं...

क्रीम चीज केक विद आमरस

ये चाहिए

एक कप मैंगो प्यूरी, स्वादानुसार चीनी पाउडर, काला नमक चौथाई छोटा चम्मच, एक-दो धागे केसर, थोड़े से पिस्ता, पसंदीदा 10 पीस बिस्किट, चौथाई कप मेल्टेड यानी पिघला बटर, आधा कप क्रीम चीज, चौथाई कप व्हीप्ड क्रीम, दो बड़े चम्मच कंडेंस्ड मिल्क.

ऐसे बनाएं

स्टेप 1

सबसे पहले आमरस बना लेते हैं. इसके लिए मैंगो प्यूरी को किसी बर्तन में रखें और इसमें बाकी की सारी सामग्री जैसे शक्कर, नमक, केसर, पिस्ता के कतरन डाल कर तबतक मिलाते रहें जबतक सारी चीजें बिल्कुल अच्छे तरीके से मिक्स न हो जाएं. आमरस तैयार है.

स्टेप 2

बिस्कुट को मिक्सर की हेल्प से पाउडर कर लें. इस पाउडर को एक बाउल में लें. इसमें मेल्टेड बटर डाल कर अच्छे से मिक्स करें.

स्टेप 3

एक कटोरे में व्हीप्ड क्रीम को फेंटे. जब क्रीम थोड़ा सेट होने लगे तो उसमे क्रीम चीज और कंडेंस्ड मिल्क मिलाएं और फिर फेंटे. अब इस फ्रिज में रखें.

स्टेप 4

अब इसे असेम्बल करेंगे. तस्वीर के अनुसार कोई ग्लास लें. इसमें सबसे नीचे बिस्कुट वाला मिश्रण तीन बड़े चम्मच डालें और किसी चीज से दबाएं. इसे दस मिनट के लिए फ्रिज में रखें. अब क्रीम चीज का पेस्ट डालें. फिर आमरस डालें. इस तरह ग्लास के साइस के हिसाब से लेयरिंग डालती रहें.

अब इस तरह जितने ग्लास तैयार होंगे, सभी को फ्रिज में अच्छे से ठंडा करें. सर्व करते समय पसंद के हिसाब से सूखे मेवे, केसर या फिर आम के छोटे टुकड़े डाल कर सर्व करें.

आम की पूरी

ये चाहिए

एक कप मैदा, एक कप गेहूं का आटा, ¾ कप मैंगो प्यूरी, दो छोटे चम्मच चीनी, नमक स्वादानुसार, ½ छोटा चम्मच अजवाइन और मंगरेल, एक 1 छोटा चम्मच आम अचार का मसाला, एक बड़ा चम्मच कसूरी मेथी, तेल.

ऐसे बनाएं

एक बर्तन में मैदा और गेंहू के आटे को ले कर अच्छे से मिक्स करना है और अब इसमें तेल को छोड़ के सारी सामग्री डालनी है. अब इन्हें मिलाते हुए सॉफ्ट आटा लगाना है. आटे को 20 मिनिट यूं ही ढंक कर छोड़ दें. अब पूरियां बेल के तैयार करें. कड़ाही में तेल गर्म करके पूरियां तल लें.

ब्रीफ खबरें

ब्राजील ने कोस्टारिका से गोलरहित ड्रॉ खेला

इंगलवुड (अमेरिका)। ब्राजील को कोपा अमेरिका फुटबॉल के पहले मैच में कोस्टारिका ने गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया. नौ बार की चैम्पियन ब्राजील ने गेंद पर नियंत्रण और विरोधी गोल पर हमलों में दबदबा बनाया लेकिन कोस्टारिका के गोलकीपर पैट्रिक सिक्वेरा काफी मुस्तैद थे जिन्होंने तीन गोल बचाये. पहले हाफ में वीएआर चेक के बाद ब्राजील के मारकिन्होस का एक गोल अमान्य करार दिया गया. इस मैच के बाद कोलंबिया ग्रुप डी में शीर्ष पर है जिसने पराग्वे को 2.1 से मात दी.

मेरे विकेटों का काफी श्रेय बुमराह को जाता है : अर्शदीप

जॉर्जटाउन। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि जसप्रीत बुमराह की सटीक गेंदबाजी से बाकी भारतीय गेंदबाजों को बेहद दबाव के हालात में भी विकेट लेने का मौका मिल जाता है. अर्शदीप अब तक टी20 विश्व कप में 11.86 की औसत और 7.41 की इकॉनॉमी रेट से 15 विकेट ले चुके हैं. दूसरी ओर बुमराह ने 11 विकेट लिये हैं लेकिन उनका इकॉनॉमी रेट 4.08 ही रहा है. अर्शदीप ने कहा, मुझे लगता है कि काफी श्रेय जसप्रीत को जाता है क्योंकि वह बल्लेबाजों पर काफी दबाव बनाते हैं. वह तीन या चार रन ही एक ओवर में देते हैं. उन्होंने कहा, ऐसे में मुझे सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है और विकेट लेने के कई मौके मिल जाते हैं.

डकवर्थ-लुईस पद्धति के जनक फ्रेंक डकवर्थ का निधन

नयी दिल्ली। इंग्लैंड के सांख्यिकीविद् और डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) पद्धति को तैयार करने वालों में शामिल फ्रेंक डकवर्थ का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया.डकवर्थ का 21 जून को निधन हो गया. डकवर्थ-लुईस पद्धति को डकवर्थ और उनके साथी सांख्यिकीविद् टोनी लुईस ने तैयार किया और इसका इस्तेमाल बारिश से प्रभावित मैचों के नतीजे के लिए किया जाता है. इस पद्धति को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे पहले 1997 में लागू किया गया और 2001 में आईसीसी उन मुकाबलों में संशोधित लक्ष्य देने की मानक प्रणाली के रूप इसे स्वीकार किया जहां ओवरों की संख्या में कटौती होती है. सांख्यिकीविद् स्टीवन स्टर्न द्वारा इसमें कुछ संशोधन के बाद इस पद्धति को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नाम दिया गया.

पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे अनुष

नयी दिल्ली। एशियाई खेलों के पदक विजेता घुड़सवार अनुष अग्रवाल पेरिस ओलंपिक की ड्रेसेज स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे. अनुष ने बेहतर औसत के कारण करीबी मुकाबले में श्रुति वोरा को पछाड़ा. भारतीय घुडसवारी महासंघ (ईएफआई) ने मंगलवार को यह जानकारी दी.हांगझोउ एशियाई खेल 2022 में टीम ड्रेसेज स्पर्धा का स्वर्ण और व्यक्तिगत ड्रेसेज स्पर्धा का कांस्य पदक जीतने वाले अनुष को श्रुति पर तरजीह दी गई. दोनों खिलाड़ियों के हाल के प्रदर्शन के विश्लेषण के बाद अनुष को चुना गया. ओलंपिक की ड्रेसेज स्पर्धा में पहली बार कोई भारतीय घुड़सवार हिस्सा लेगा. इससे पहले भारत के घुड़सवारों ने इवेंटिंग स्पर्धा में ही हिस्सा लिया है. अनुष ने पिछले साल शुरू हुए क्वालीफिकेशन चक्र के दौरान प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई और न्यूनतम पात्रता आवश्यकता (एमईआर) को चार बार पूरा किया .

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर पहली बार विश्व कप के अंतिम चार में जगह बनाई, आस्ट्रेलिया को टूर्नामेंट से बाहर किया

सिर्फ लारा को हमारे सेमीफाइनल में पहुंचने का यकीन था : राशिद खान

एजेंसी। किंग्सटाउन

दो महीने पहले ब्रायन लारा ने अफगानिस्तान के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना जताई थी, तो कइयों को हैरानी हुई लेकिन यह करिश्मा कर दिखाने वाली टीम के कप्तान राशिद खान ने उनसे वादा किया था कि वह उनके भरोसे पर खरे उतरकर दिखाएंगे. और ऐसा ही हुआ. काबुलीवाला की कहानी वाले युद्ध से जर्जर इस देश की यह कामयाबी अब क्रिकेट की किवदंतियों का हिस्सा होगी. अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को आखिरी ग्रुप मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से आठ विकेट पर हराकर न सिर्फ पहली बार विश्व कप के अंतिम चार में जगह बनाई बल्कि आस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज को भी टूर्नामेंट से बाहर कर दिया. लारा ने मई में बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा था, वेस्टइंडीज, भारत और इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच सकते हैं. चौथे स्थान के लिए मेरा दाव एक डार्कहॉर्स अफगानिस्तान पर है. मैने ग्रुपिंग देखी नहीं है लेकिन अफगानिस्तान ने जितने विश्व कप

> **27** जून को अफगानिस्तान का सामना दक्षिण अफ्रीका से और भारत की टक्कर इंग्लैंड से होगी.

उसने अतीत में खेले हैं, यह टीम प्रगति की राह पर है और अंतिम चार में जगह बना सकती है. राशिद ने सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के बाद कहा , हमारे लिये सेमीफाइनल में पहुंचना सपना सच होने जैसा है. हमने न्यूजीलैंड को हराया तो यह भरोसा बनने लगा था. बांग्लादेश के खिलाफ मोर्चे से अगुवाई करके चार विकेट लेने वाले राशिद ने कहा , सिर्फ एक ही व्यक्ति है जिसने कहा था कि हम सेमीफाइनल तक पहुंच सकते हैं और वह ब्रायन लारा हैं. हमने उन्हें सही साबित कर दिखाया. जब हम स्वागत पार्टी में उनसे मिले तो मैने उनसे कहा था कि हम आपके भरोसे पर खरे उतरेंगे. सेमीफाइनल में 27 जून को अफगानिस्तान का सामना दक्षिण अफ्रीका से और भारत की टक्कर इंग्लैंड से होगी. तेज गेंदबाज नवीनुल हक और फजलहक फारूकी ने पूरे टूर्नामेंट में नयी गेंद से शानदार प्रदर्शन किया. लारा ने कहा ,टी20 क्रिकेट में अच्छी शुरुआत से बीच के ओवरों में मदद मिलती है. पूरे टूर्नामेंट में इन दोनों ने शानदार शुरुआत दी जिससे हमारी राह आसान हो गई. बारिश के कारण खेल कई बार रोका गया. राशिद ने कहा कि वे दस विकेट लेने के लिये मानसिक रूप से तैयार थे. उन्होंने कहा, बारिश हमारे हाथ में नहीं है लेकिन हमें पता था कि पूरे 20 ओवर खेलकर दस विकेट लेने हैं. इसी तरीके से हम जीत सकते थे. गुलबदिन को ऐंठन हो गई थी लेकिन उसका विकेट हमारे लिये अहम था. कप्तान ने कहा कि अफगानिस्तान में जश्न का माहौल होगा. उन्होंने कहा, यह हमारे लिये भी बड़ी उपलब्धि है. हमने अंडर 19 स्तर पर यह किया है लेकिन इस स्तर पर नहीं. मैं बयां नहीं कर सकता कि देश में क्या माहौल होगा. हमें हर हालत में सेमीफाइनल में पहुंचना था ताकि देशवासियों को यह खुशी दे सकें.

टी-20 में वर्ल्ड कप में बड़ा उलटफेर, बांग्लादेश हार कर बाहर

अफगानिस्तान ने रचा इतिहास पहली बार सेमीफाइनल में

> **59** रन की साझेदारी की तो फजलहक फारूकी और नवीनुल ने नयी गेंद से विकेट लिये.

एजेंसी। किंग्सटाउन

विषमता से सफलता के सफर में अपने क्रिकेट इतिहास का सबसे सुनहरा पन्ना लिखते हुए अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से बांग्लादेश को आठ विकेट से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया. जैसे ही नवीनुल हक ने 18वें ओवर की चौथी गेंद पर तस्कीन अहमद का विकेट लिया, उनके साथी खिलाड़ियों से लेकर स्टेडियम में मौजूद समर्थकों तक की आंखें भर आईं. कैरेबियाई सरजमीं से काबुल तक क्रिकेटप्रेमियों को भावविभोर करने वाली इस उपलब्धि का कयास क्रिकेट पंडित भी नहीं लगा सके थे.

राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध की विभीषिका झेलने वाले देश की ऐसी टीम ने यह कारनामा कर दिखाया, जिसके पास अभ्यास के लिये खुद का मैदान तक नहीं है. इस रोमांचक मुकाबले में पासा पल पल बदलता रहा, लेकिन आखिर में बाजी राशिद खान के रणबांकुरों के नाम रही, जिन्होंने इस जीत के साथ आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गज का टूर्नामेंट से बोरिया बिस्तर भी बांध दिया. अब सेमीफाइनल में 27 जून को अफगानिस्तान का सामना दक्षिण अफ्रीका से और भारत की टक्कर इंग्लैंड से होगी. इससे पहले बांग्लादेश के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को पांच विकेट पर 115 रन पर रोक दिया. लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने 26 रन देकर तीन विकेट चटकाये. शानदार फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज भी खुलकर नहीं खेल पाये और 43 रन बनाने के लिये 55 गेंदें खेल डाली. जवाब में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 17.5 ओवर में 105 रन पर आउट कर दिया. राशिद खान ने 23 रन देकर और तेज गेंदबाज नवीनुल हक ने 26 रन देकर चार चार विकेट लिये. बांग्लादेश के लिए लिटन दास (नाबाद 54) अकेले किला लड़ते रहे. बारिश के कारण खेल कई बार रुका. अफगानिस्तान ने अब तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपनी सलामी जोड़ी के दम पर जीत दर्ज की है और आज भी कहानी वही रही. गुरबाज और इब्राहिम जदरान ने 59 रन की साझेदारी की तो फजलहक फारूकी और नवीनुल ने नयी गेंद से विकेट लिये. शुरुआती विकेट लेने के आदी फारूकी ने तंजीद हसन को दूसरे ही ओवर में पवेलियन भेजा. इसके बाद नवीनुल ने नजमुल हुसैन शांतो और शाकिब अल हसन के कीमती विकेट लिये. बांग्लादेश का स्कोर उस समय तीन विकेट पर 31 रन था जब बारिश के कारण खेल रुका. खेल बहाल होने पर पावरप्ले के छह ओवर में उसने तीन विकेट पर 46 रन बना लिये थे. ऐसे में राशिद ने गेंद संभाली और लगातार ओवरों में विकेट लिये.उन्होंने लगातार दो विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 150 विकेट पूरे करके न्यूजीलैंड के टिम साउदी को पछाड़ा. एक बार फिर बारिश से खलल पड़ा जब बांग्लादेश डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर पीछे थी. ऐसे में अफगानिस्तान के हरफनमौला गुलबदिन नायब अचानक ऐंठन के कारण गिर पड़े जिसे खेल में विलंब करने का शिगूफा माना जा रहा है. उधर खेल बहाल होने पर लिटन ने स्क्वेयर लेग में चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया. नवीनुल ने बांग्लादेश के नौवें और दसवें नंबर के बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर कैरेबियाई धरती से काबुल तक अपने प्रशंसकों को जश्न में सराबोर कर दिया. इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान के खिलाड़ी खुलकर खेल नहीं पा रहे थे. बांग्लादेश को 11वें ओवर में सफलता मिली जब जदरान (29 गेंद में 18 रन) ने हुसैन की गेंद पर अपना विकेट गंवाया. विकेट से मिल रही मदद का पूरा फायदा उठाते हुए बांग्लादेश के गेंदबाजों ने रनगति बढने नहीं दी.

स्कोरबोर्ड

अफगानिस्तान : रहमानुल्लाह गुरबाज का सरकार बो हुसैन 43, इब्राहिम जदरान का हसन साकिब बो हुसैन 18, अजमतुल्लाह उमरजई का दास बो रहमान 10, गुलबदिन नायब का सरकार बो हुसैन 4, मोहम्मद नबी का शांतो बो अहमद 1, करीम जनत नाबाद 7, राशिद खान नाबाद 19, अतिरिक्त : 13 रन, कुल योग : 20 ओवर में पांच विकेट पर 115 रन विकेट पतन : 1 . 59, 2 . 84, 3 . 88, 4 . 89, 5 . 93 , **गेंदबाजी :** हसन साकिब 4 0 36 0 अहमद 4 1 12 1, शाकिब 4 0 19 0, रहमान 4 0 17 1, हुसैन 4 0 26 3

बांग्लादेश : लिटन दास नाबाद 54, तंजीद हसन पगबाधा बो फारूकी 0, नजमुल हुसैन शांतो का नबी बो नवीनुल हक 5, शाकिब अल हसन का और बो नवीनुल हक 0, सौम्या सरकार बो राशिद 10, महमूदुल्लाह का इशाक बो राशिद 6, रिशाद हुसैन बो राशिद 0, तस्कीन अहमद बो नवीनुल हक 2, मुस्ताफिजूर रहमान बो नवीनुल हक 0, **अतिरिक्त :** 11 रन., **कुल योग :** 17 . 5 ओवर में 105 रन, **विकेट पतन :** 1 . 16, 2 . 23, 3 . 23, 4 . 48, 5 . 64, 6 . 80, 7 . 80, 8 . 92, 9 . 105 **गेंदबाजी :** नवीनुल 3 .5 0 26 4, फारूकी 2 0 15 1, नबी 2 0 15 0, राशिद 4 0 23 4, नूर 4 0 13 0, नायब 2 0 5 1

मैं टीम की तरफ से माफी मांगता हूं: शांतो

किंग्सटाउन। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टी20 विश्व कप में अपनी टीम के खराब प्रदर्शन के लिए प्रशंसकों से माफी मांगते हुए इस निराशाजनक अभियान के लिए बल्लेबाजों को दोषी ठहराया. भारत की ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद बांग्लादेश के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका था लेकिन सुपर 8 के अपने अंतिम मैच में उसे अफगानिस्तान से हार का सामना करना पड़ा.

गुलबदिन नायब के मैच के दौरान मैदान पर गिरने से मचा बवाल

एजेंसी। किंग्सटाउन

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के आखिरी मैच में अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने अपने खिलाड़ियों को धीमे खेलने का इशारा किया और फिर गुलबदिन नायब नाटकीय ढंग से कमर के बल गिर गए, जिससे पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाया है कि क्या वह वाकई तकलीफ में थे.

स्लिप में फील्डिंग कर रहे नायब ने 12वें ओवर में ऐंठन की शिकायत की. इससे पहले ट्रॉट को अपने खिलाड़ियों को खेल की गति धीमी करने का इशारा करते कैमरे पर देखा गया था. चूंकि बारिश के कारण खलल पड़ने पर डकवर्थ लुईस प्रणाली से उनकी टीम आगे चल रही थी. मैच में कई बार बारिश के कारण बाधा पड़ी. उस समय बांग्लादेश सात विकेट पर 81 रन बना चुकी थी और 19 ओवर में 114 रन के संशोधित लक्ष्य से दो रन पीछे थी. अफगानिस्तान ने आठ रन से जीत दर्ज करके पहली बार विश्व कप सेमीफाइनल में जगह बनाई. साइमन डाउल ने कमेंट्री करते समय कहा, कोच संदेश दे रहे हैं कि धीमे हो जाओ और अचानक पहली स्लिप में खड़ा खिलाड़ी बिना वजह गिर जाता है. यह अस्वीकार्य है. जिम्बाब्वे के कमेंटेटर पॉमी एम्बांग्वा ने कहा, आस्कर या एमी. नायब को उपचार दिया गया और तेज गेंदबाज नवीनुल हक उन्हें मैदान से बाहर ले गए. इसके बाद फिर बारिश शुरू हो गई और खिलाड़ी डगआउट में चले गए.

शतक मायने नहीं रखते, गेंदबाजों पर दबाव बनाना चाहता था : रोहित

एजेंसी। ग्रोस आइलेट (सेंट लूसिया)

वह संभवतः रिकॉर्ड तोड़ शतक बनाने से चूक गए, लेकिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के लिए निजी उपलब्धियां मायने नहीं रखतीं और उनका एकमात्र लक्ष्य गेंदबाजों को मैदान के चारों ओर शॉट लगाकर उन पर दबाव बनाना था. रोहित ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर आठ चरण के आखिरी मैच में 41 गेंद में सात चौकों और आठ छक्कों से 92 रन की आक्रामक पारी खेली जिससे भारत ने पांच विकेट पर 205 रन का मौजूदा टूर्नामेंट का अपना सर्वोच्च स्कोर बनाकर 24 रन से जीत दर्ज की. टी20 विश्व कप में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 2016 में 47 गेंदों में तिहरा अंक छुआ था. रोहित इस रिकॉर्ड को तोड़ने के बिल्कुल करीब थे. मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रोहित ने कहा कि वह बस उसी अंदाज में बल्लेबाजी करना चाहते थे जैसे अब तक करते आए हैं.रोहित ने मैच के बाद कहा, जब आप खुले दिमाग से खेलते हैं और सिर्फ एक शॉट के बारे में नहीं सोचते, तो आप मैदान के सभी हिस्सों में रन बना सकते हैं. यह एक अच्छा विकेट था और आप शॉट खेलने के लिए खुद को तैयार करना चाहते हैं. मैं पिछले कुछ वर्षों से ऐसा करने की कोशिश कर रहा हूं और मुझे खुशी है कि आज यह संभव हो पाया. उन्होंने कहा, अर्धशतक और शतक मायने नहीं रखते, मैं बस उसी अंदाज से बल्लेबाजी करना चाहता था जैसे करता आया हूं. आप बड़ा स्कोर बनाना चाहते हैं. हां, लेकिन साथ ही आप चाहते हैं कि गेंदबाज सोचें कि अगला शॉट कहां आएगा और मुझे लगता है कि मैं आज ऐसा करने में कामयाब रहा. तेज हवा के बीच बल्लेबाजी करने के संदर्भ में रोहित ने कहा, मैंने पहले ओवर से ही सोचा था कि तेज हवा चल रही है. उन्होंने अपनी योजना बदली और हवा के विपरीत गेंदबाजी की इसलिए मुझे लगा कि मुझे ऑफ साइड में भी शॉट खेलने होंगे. आपको हवा का भी ध्यान रखना होगा और समझना होगा कि गेंदबाज भी समझदार हैं और मैदान के सभी तरफ शॉट खेलने होंगे. रोहित ने यह भी कहा कि उन्हें पता था कि कलाई का स्पिनर कुलदीप यादव वेस्टइंडीज की पिचों पर काफी उपयोगी साबित होगा.

जश्न में डूबा अफगानिस्तान, दुनिया ने बांधे टीम की तारीफों के पुल

एजेंसी ।काबुल

दिग्गजों को जमींदोज करके टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची अफगानिस्तान क्रिकेट टीम की इस उपलब्धि ने पूरे देश को जश्न में सराबोर कर दिया और लोग सड़कों पर खुशियां बांटने निकल पड़े. बांग्लादेश के खिलाफ सुपर आठ चरण के वर्षाबाधित मैच में अफगानिस्तान ने आठ रन से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाई. इसके साथ ही उसने आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गज को भी बाहर कर दिया.

इससे पहले ग्रुप चरण में उसने न्यूजीलैंड को हराया था. नवीनुल हक ने जैसे ही मुस्ताफिजूर रहमान को पगबाधा आउट किया, खोस्त, पकतिया और काबुल में बड़ी तादाद में क्रिकेटप्रेमी जुटने लगे. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इन शहरों की तस्वीरें एक्स पर डाली है. इसके साथ कैप्शन दिया है, देखो कि सफलता के हमारे लिये क्या मायने हैं. एक और पोस्टर में हजारों प्रशंसकों को सड़कों पर, अपने घरों की बालकनी में और दुकानों की छतों पर जश्न मनाते देखा गया. कैप्शन में कहा गया , उन्हें पता है कि टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान के नायकों की जीत का जश्न कैसे मनाना है. चैम्पियन बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने लिखा, अफगानिस्तान का सेमीफाइनल में पहुंचना अतुलनीय है. न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया जैसी टीमों को हराया. यह जीत आपकी प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत की देन है. आपकी प्रगति पर गर्व है. आस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला टॉम मूडी ने टीम को बधाई देते हुए कहा, क्या शानदार मैच था. अफगानिस्तान टीम को बधाई. पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने लिखा,क्या शानदार जीत. न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचना. इसे ही तरक्की कहते हैं. बधाई हो. युवराज सिंह ने लिखा, शानदार नजारा. जबर्दस्त जीत. रोमांचक मैच. जज्बातों का सैलाब. पठान पहली बार सेमीफाइनल में. नवीनुल हक का मैच विनिंग प्रदर्शन. बेजोड़ क्रिकेट.

यूरो कप

ग्रुप बी से इटली ने क्रोएशिया से 1-1 से ड्रॉ खेलकर अगले चरण में जगह बनाई

स्पेन ने अल्बानिया को 1-0 से हराया

एजेंसी। डसेलडोर्फ (जर्मनी)

स्पेन ने अपनी पूरी टीम लगभग बदलने के बावजूद यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के मैच में अल्बानिया को 1-0 से हराया. नॉकआउट चरण में पहले ही प्रवेश कर लेने के बाद स्पेन के कोच लुईस डे ला फुऐंते ने शुरुआती टीम में दस बदलाव किये.

स्पेन ने 2008 के बाद पहली बार ग्रुप चरण के तीनों मैच जीते. स्पेन ने 2008 में खिताब जीता था. स्पेन के लिए 13वें मिनट में फेरान टोरेस ने गोल किया और स्टॉपेज टाइम में गोलकीपर डेविड राया ने गोल बचाया. पूरे ग्रुप चरण में स्पेन ने एक भी गोल नहीं गंवाया. ग्रुप बी से इटली ने क्रोएशिया से 1-1 से ड्रॉ खेलकर अगले चरण में जगह बनाई. अल्बानिया की टीम बाहर हो चुकी है जिसे एक ड्रॉ की ही जरूरत थी. स्पेन को अंतिम 16 का मैच रविवार को कोलोन में खेलना है.

लुका मोडरिच गोल करने वाले सबसे उम्रदराज फुटबॉलर बने

लीपजिग। संभवतः अपना आखिरी टूर्नामेंट खेल रहे क्रोएशिया के लुका मोडरिच ने इटली के खिलाफ गोल किया तो वह यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए. दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया और उन्हें प्लेयर आफ द मैच पुरस्कार भी मिला, लेकिन वह इसका जश्न मनाने के मूड में नहीं थे. इटली के मात्तिया जाकानी ने स्टॉपेज टाइम के आठवें मिनट में गोल कर दिया. इससे क्रोएशिया की नॉकआउट चरण में पहुंचने की राह कठिन हो गई है. अब उसे दूसरे मैचों के नतीजे पक्ष में आने की दुआ करनी होगी. 38 वर्ष 289 दिन के मोडरिच ने 55वें मिनट में रिबाउंड पर गोल दागा. इससे पहले यह रिकॉर्ड आस्ट्रिया के इविका वास्टिक के नाम था जिन्होंने यूरो 2008 में पोलैंड के खिलाफ गोल किया तब वह 38 वर्ष 257 दिन के थे. क्रोएशिया के लिए 2006 में पदार्पण करने वाले मोडरिच 178 मैच खेल चुके हैं. उन्हें 2018 में बलोन डिओर पुरस्कार भी मिला था.

क्रोएशिया से ड्रॉ के बाद इटली नॉकआउट में

लीपजिग। इटली के स्थानापन्न खिलाड़ी मात्तिया जाकानी ने स्टॉपेज टाइम के आखिरी मिनट में गोल करके क्रोएशिया को 1.1 से ड्रॉ पर रोका और अपनी टीम को नॉकआउट चरण में जगह भी दिला दी. इससे पहले क्रोएशिया के लिए लुका मोडरिच ने दूसरे हाफ में गोल किया था. इटली को अंतिम 16 में जगह बनाने के लिए ड्रॉ की जरूरत थी जबकि क्रोएशिया को हर हालत में जीत दर्ज करनी थी. क्रोएशिया के तीन मैचों में दो ही अंक है और अब तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीम के

नेशनल अंडर-18 रग्बी के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचा झारखंड

नेशनल अंडर-18 रग्बी चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचा झारखंड.

संवाददाता ।रांची

पुणे के बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 25-26 जून तक आयोजित नेशनल अंडर-18 रग्बी चैंपियनशिप में झारखंड की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्री क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की. मंगलवार को झारखंड की टीम ने दो मुकाबले खेले. ग्रुप एफ के पहले मुकाबले में झारखंड ने मध्यप्रदेश को 52-0 से करारी शिकस्त दी. वहीं दूसरे मुकाबले में झारखंड ने पंजाब को 12-0 हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की. झारखंड की ओर से डेविड मुंडा, अजीत नाग, नमजन मुंडू, अंकित भेंगरा, अभय होरो और सुखदेव मुंडू ने दोनों मैच में मुख्य रुप से स्कोर किया.

डेविड वार्नर ने क्रिकेट को अलविदा कहा

किंग्सटाउन। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डेविड वार्नर के उपलब्धियों और विवादों से भरे 15 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का मंगलवार को यहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया. टी-20 विश्व कप में अफगानिस्तान की बांग्लादेश पर जीत के साथ निराशाजनक अंत हो गया. अफगानिस्तान की जीत के साथ पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा. बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ 2021 का चैंपियन ऑस्ट्रेलिया सिर्फ दो अंक के साथ सुपर आठ ग्रुप एक तालिका में तीसरे स्थान पर रहा. वार्नर को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट ढांचे में किसी भी नेतृत्व की भूमिका निभाने से भी आजीवन प्रतिबंधित कर दिया गया था.

ब्रीफ खबरें

दहेज लोभी ने की विवाहिता की हत्या

नवादा । नवादा में मंगलवार को दहेजलोभी ससुराल वालों ने विवाहिता की हत्या कर शव को नदी में फेंक दिया. इस घटना के बाद पीड़ित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. घटना जिले के सीतामढ़ी थाना क्षेत्र के मिल्की बेलरी गांव की बतायी जा रही है, जहां दहेजलोभियों ने दहेज की डिमांड नहीं पूरी होने पर विवाहिता की हत्या कर महिला के शव को गया जिले के खिजरसराय स्थित फल्गु नदी में फेंक दिया. जिसकी पहचान बेलदरी गांव निवासी बादल कुमार की पत्नी प्रियंका कुमारी के रूप में की गई है.

गांजा बरामदगी मामले में 13 साल की सजा

पूर्वी चंपारण । एनडीपीएस न्यायालय-2 के विशेष न्यायाधीश सूर्यकांत तिवारी ने प्रतिबंधित गांजा बरामदगी मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को तेरह वर्षों का सश्रम कारावास व दो लाख रुपए अर्थ दंड की सजा सुनायी है. अर्थ दंड नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी. सजा बंजरिया थाना के पचरुखा निवासी सांद्रिका साह को हुई. मामले में तत्कालीन थानाध्यक्ष ने प्राथमिकी दर्ज कराया था, जिसमें कहा गया था कि 25 अप्रैल 2019 की संध्या नामजद अभियुक्त के घर छापेमारी की गई. छापेमारी के दौरान उसके घर में रखे कई बंडल में साठ किलो गांजा पकड़ा गया.

भूमि विवाद में शख्स की पीट-पीटकर हत्या

बांका । बांका के धनकुंड थाना क्षेत्र के पचरुखी गांव के पास एक नहर पुल के नीचे से कीचड़ में सना शव मिला. मंगलवार की सुबह मिली इस लाश की पहचान पचरुखी ग्राम निवासी अधिकराम सिंह के पुत्र बबलू सिंह (40 वर्ष) के रूप में हुई है. घटना की सूचना के बाद मौके पर काफी संख्या में इलाके के लोग जुट गए. सूचना मिलने के बाद धनकुंड थानाध्यक्ष मंटू कुमार समेत काफी संख्या में पुलिस भी मौके पर पहुंची. शख्स की हत्या भूमि-विवाद में लाठी-डंडे से पीटने की बात सामने आ रही है. घटना को लेकर धनकुंड थाना की पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है.

बिहार बीएड सीईटी

पटना : मंगलवार को बिहार बीएड कॉमन एंट्रेंस टेस्ट 2024 (बिहार बीएड सीईटी) में शामिल होने से पहले अभ्यर्थी एक केंद्र के बाहर कतारों में इंतजार करते हैं.

पटना सिविल कोर्ट में नीट पेपर लीक मामले की सुनवाई टली

संवाददाता । पटना

पटना सिविल कोर्ट में मंगलवार को नीट पेपर लीक मामले में एडीजी-5 राजेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच में सुनवाई होनी थी लेकिन अभियोजन पक्ष ने कोर्ट को अवगत कराया कि इस मामले को सीबीआई के टेक ओवर कर लिया है. इसके बाद सिविल कोर्ट में इस मामले की सुनवाई नहीं हुई.

इस मामले में ईओयू ने एक पत्र जारी किया है, जो अभियोजन को प्राप्त नहीं हुआ है. जब यह पत्र एडीजी-5 को मिलेगा तब इसकी सुनवाई स्पेशल जज सीबीआई के यहां होगी. अभियोजन ने कहा कि दो आवेदनों संख्या 1168/24 अखिलेश कुमार और 1078 आयुष राज के बेल आवेदन को अधिवक्ता ने वापस लेने के लिए आवेदन दिया है. इस मामले में कुल नौ लोगों की सुनवाई एडीजी कोर्ट में हो रही थी, जिसमें मंगलवार को आठ लोगों की सुनवाई होनी थी और बाकी एक संजीव मुखिया की अंतरिम जमानत पर सुनवाई फिर टली है.

नीट पेपर लीक कांड मामले में पटना के एसएसपी को सीबीआई ने तलब किया. सीबीआई ने कल ही नीट पेपर लीक कांड को टेक ओवर किया है. जानकारी अनुसार पटना के एसएसपी सीबीआई कार्यालय पहुंचे हैं. नीट पेपर लीक कांड मामले को लेकर एसएसपी से सीबीआई कई अहम जानकारी लेगी.

सीवान में हत्याओं का सिलसिला जारी

अपराधियों ने मॉर्निंग वॉक को निकले युवक को मारी गोली

- घटना महाराजगंज थाना क्षेत्र के अकील टोला बघौत बाबा के स्थान की है.

संवाददाता । सीवान

सीवान के महाराजगंज में बेखौफ अपराधियों ने एक युवक की गोली मार हत्या कर दी है. युवक का शव सड़क किनारे से मिला है. जिससे इलाके में सनसनी फैल गई. हत्या को लेकर आक्रोशित लोगों ने सड़क पर आगजनी कर प्रदर्शन किया है. आक्रोशित लोग अपराधियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं. वहीं आपसी रंजिश में घटना को अंजाम देने की बात कही जा रही है. बताया जा रहा है कि, युवक टहलने गया हुआ था इसी दौरान अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है.

घटना महाराजगंज थाना क्षेत्र के अकील टोला बघौत बाबा के स्थान की है. मृतक की पहचान हरकेशपुर गांव निवासी सुनील कुमार के रूप में की गई है. बताया जा रहा है कि सुनील कुमार अपने घर से टहलने के लिए निकला था तभी पहले से ही घात लगाए बैठे अपराधियों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी. घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए. स्थानीय लोगों ने शव सड़क किनारे पड़ा हुआ देख परिजनों को इसकी सूचना दी. जिसके बाद परिजनों में मातम पसर गया. हत्या को लेकर आक्रोशित लोग सड़क पर उतर गए और सड़क पर आगजनी कर प्रदर्शन किया. आक्रोशित लोग अपराधियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं.

परिजनों ने बताया कि सुनील कुमार पेशे से प्लंबर था. बीते कई दिनों से उसे जान से मार देने की धमकी मिल रही थी. इस मामले में सुनील ने थाने में शिकायत भी दर्ज करवाई थी, लेकिन पुलिस ने समय पर कोई कार्रवाई नहीं की और इसी बीच उसकी हत्या कर दी गई. जिसको लेकर परिजनों और ग्रामीणों में काफी आक्रोश बना हुआ है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है.

घटना के बाद स्थानीय लोगों से बात करते पुलिस के अधिकारी.

मुजफ्फरपुर में महिला को मारी गोली, भर्ती

पटना । राज्य के मुजफ्फरपुर में मंगलवार को बेला औद्योगिक थाना क्षेत्र के बेला मोर के समीप एक बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने लूटपाट के इरादे से प्राइवेट कंपनी के ऑफिस में काम करने वाली एक महिला को गोली मारी. बदमाशों ने तीन गोली चलाई गई, जिसमें महिला को एक गोली लगी. गोलीबारी की इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर बेला थाना पुलिस के साथ मिठनपुरा थाना पुलिस भी पहुंची और तहकीकात शुरू कर दी है. घायल महिला की पहचान क्षेत्र के रहने वाली समृद्धि वर्मा के रूप में हुई है.

गया के रिमांड होम का मामला

फांसी के फंदे से लटका मिला नाबालिग का शव, हंगामा

संवाददाता । गया

शहर के बाल सुधार गृह में सोमवार देर रात एक नाबालिग का शव फंदे से लटका हुआ मिला. जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया. आनन-फानन में रिमांड होम कर्मियों के द्वारा इसकी सूचना रामपुर थाना को दी गई. जिसके बाद रात में ही रामपुर थाना की पुलिस बाल सुधार गृह पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल भेज दिया. नाबालिग का शव बाल सुधार गृह के बाथरूम में फंदे से लटका हुआ पाया गया है. जिसके बाद परिजन काफी आक्रोशित हो गए और रात में ही अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के पास पहुंचकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करने लगे. प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त नाबालिग डेल्हा थाना क्षेत्र का रहने वाला टकला पासवान था. जो विगत 20 फरवरी 2024 से गोलीबारी के आरोप में बंद था.

ठनका की चपेट में आने से किशोर की हुई मौत

पूर्वी चंपारण । जिले के तुरकौलिया थाना क्षेत्र के पशुरामपुर गांव में मंगलवार की सुबह हुई तेज बारिश के दौरान हुए वज्रपात की चपेट मे आने से एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान पशुरामपुर गांव निवासी छोटेलाल साह के 10 वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार के रूप में हुई है. घटना के संबंध मृतक के परिजनों ने बताया की वह सुबह में घर से नाश्ता करने के बाद घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत में अपने पिता के साथ बिचड़ा उखाड़ने गया था. तभी तेज बारिश के साथ अचानक गिरी आसमानी बिजली के चपेट में आ गया.

शिक्षा विभाग ने कसा शिकंजा

शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी बननी शुरू

संवाददाता । गोपालगंज

जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्थित सरकारी स्कूलों में शिक्षा विभाग के आदेश पर शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी बननी मंगलवार से शुरू हो गई. इसको लेकर जिला शिक्षा विभाग की ओर से तैयारी की जा चुकी है. पहले चरण में मंगलवार से ऑनलाइन हाजिरी बनाने का कार्य शुरू हो गया. इसमें जिले में सभी प्रकार के हजारों शिक्षकों को शामिल किया गया है. सभी शिक्षकों को पूर्व में ही कहा गया था कि 24 जून तक उन्हें अपना रजिस्ट्रेशन ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर कर लेना है.

डीइओ सुभाष कुमार गुप्ता ने सभी बीइओ को यह जिम्मा दिया था कि वे प्रधानाध्यापकों से समन्वय स्थापित कर सभी शिक्षकों का रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर कराना सुनिश्चित करें. सभी प्रधानाध्यापक व शिक्षकों को कहा गया है कि वे प्ले स्टोर से ई-शिक्षाकोष एप अपने मोबाइल में इंस्टॉल कर लें. इसमें अपनी आइडी की मदद से रजिस्ट्रेशन कर लॉगइन करें. शिक्षा विभाग की ओर से कहा गया है कि अब सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों की हाजिरी एप से ही बनेगी. इसकी मॉनिटरिंग निदेशालय स्तर से की जाएगी. शिक्षक स्कूल पहुंचने के बाद ई-शिक्षाकोष पोर्टल के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराएंगे. शाम को छुट्टी होने के बाद निकलते समय एप पर मार्क आउट करना होगा. यह एप स्कूल परिसर से 500 मीटर के दायरे में ही काम करेगा. इस एप की मदद से शिक्षक के स्कूल पहुंचने और वहां से निकलने के प्रतिदिन की जानकारी निदेशालय को मिल जाएगी.

कारोबार

सीमा शुल्क प्राधिकरण ने जुर्माना लगाया

नयी दिल्ली । कृषि और निर्माण उपकरण बनाने वाली कंपनी एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड को सीमा शुल्क प्राधिकरण से 14 करोड़ रुपये से अधिक की मांग और जुर्माने लगाया है. एस्कॉर्ट्स कुबोटा ने शेयर बाजार को बताया कि दिल्ली क्षेत्र के सीमा शुल्क आयुक्त (न्याय निर्णय) ने ब्याज के साथ 4,42,10,867 रुपये की मांग की पुष्टि करते हुए एक आदेश पारित किया. इसके साथ ही उन्होंने आयातित वस्तुओं के मूल्यांकन के मुद्दे पर 9,87,10,867 रुपये का जुर्माना भी लगाया है.

कल्पतरु को 2,333 करोड़ के मिले ठेके

नयी दिल्ली । कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल को 2,333 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं. कंपनी के अनुसार, उसके नए ठेकों में भारत और विदेशी बाजारों में पारेषण व वितरण (टीएंडडी) कारोबार तथा भारत में एक आवासीय भवन का ठेका शामिल है. केपीआईएल तथा इसके जेवी और अंतरराष्ट्रीय अनुषंगी कंपनियों को 2,333 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं. प्रबंध निदेशक मनीष मोहनोत ने कहा, टीएंडडी कारोबार में ठेकों ने हमारी ऑर्डर बुक को बढ़ाया है, जिससे भविष्य में टीएंडडी कारोबार के लिए वृद्धि की संभावना में सुधार हुआ है.

नेफ्रो केयर का आईपीओ 28 जून को खुलेगा

नयी दिल्ली । किडनी देखभाल सेवा प्रदाता नेफ्रो केयर इंडिया लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 41 करोड़ रुपये से कुछ अधिक राशि जुटाने की योजना है. कंपनी के अनुसार, आईपीओ 28 जून को खुलेगा और दो जुलाई को बंद होगा. इसके लिए निर्गम मूल्य 85-90 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है. आईपीओ में 41.26 करोड़ रुपये मूल्य के 45.84 लाख शेयर जारी किए जाएंगे. इसके बाद कंपनी के शेयर कंपनी आईपीओ से प्राप्त 26.17 करोड़ रुपये का इस्तेमाल पश्चिम बंगाल के कोलकाता के मध्यमग्राम में विवासिटी मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की स्थापना के लिए करना चाहती है.

केंद्र ने गेहूं के थोक व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं के लिए स्टॉक होल्डिंग लिमिट लगाई

थोक व्यापारियों के लिए स्टॉक सीमा 3,000 टन

- थोक व्यापारियों को स्टॉक की घोषणा करनी होगी
- अभी तक गेहूं के निर्यात पर कोई रोक नहीं है

भाषा । नयी दिल्ली

केंद्र सरकार गेहूं की बढ़ती कीमत को लेकर गंभीर है. गेहूं के दाम न बढ़े. इसकी जमाखोरी न हो और मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र ने थोक व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं के लिए स्टॉक होल्डिंग लिमिट लगा दी है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी. केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एकल खुदरा विक्रेताओं, बड़े खुदरा विक्रेताओं, प्रसंस्करणकर्ताओं और थोक व्यापारियों को हर शुक्रवार को अपने गेहूं स्टॉक की घोषणा करनी होगी. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह देश में गेहूं की कमी की अफवाहों को दूर करना चाहते हैं. कहा कि अभी तक गेहूं के निर्यात पर कोई रोक नहीं है और चीनी के निर्यात पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा का भी कोई प्रस्ताव नहीं है. उन्होंने कहा, वह चाहते हैं कि गेहूं की कीमतें स्थिर रहे.

▪ फाइल फोटो

पिछले वर्ष 266 एलएमटी की खरीद की गई

बताया कि हाल ही में मीडिया में आई खबरों के मद्देनजर स्टॉक सीमा लगाई गई है, जिन खबरों में गेहूं सहित आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि की बात कही जा रही है. उन्होंने बताया कि स्टॉक सीमा को जमाखोरी कम करने के लिए लगाया गया है. यह भी कहा कि खुदरा कीमतों पर नजर रखने के लिए कई उपकरण हैं और स्टॉक सीमा उन्हीं में से एक उपकरण है. उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल, 2023 को गेहूं का प्रारंभिक स्टॉक 82 लाख टन (एलएमटी) था, जबकि 1 अप्रैल, 2024 को यह 75 एलएमटी था. उन्होंने आगे बताया कि पिछले वर्ष 266 एलएमटी की खरीद की गई थी, जबकि इस वर्ष सरकार ने 262 एलएमटी की खरीद की है और खरीद अभी भी जारी है. इसलिए गेहूं की कमी (प्रारंभिक स्टॉक में) सिर्फ 3 लाख टन है.

बताया कि थोक व्यापारियों के लिए स्टॉक सीमा 3,000 टन होगी, जबकि प्रसंस्करणकर्ताओं के लिए यह उनकी प्रसंस्करण क्षमता का 70 प्रतिशत होगा. वहीं बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेताओं के लिए यह प्रति दुकान 10 टन और कुल सीमा 3,000 टन होगी. वहीं एकल खुदरा विक्रेताओं के लिए यह 10 टन होगा.

देखा जाए तो भारत में धान के बाद गेहूं की फसल ही सबसे प्रमुख फसल है. जिसकी सबसे अधिक खपत उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत में होती है. वहीं, भारत में सबसे अधिक गेहूं उत्पादन वाले राज्य की बात करें, तो इसमें पहले पायदान पर उत्तर प्रदेश आता है. भारत का यह राज्य कुल 32.42 फीसदी गेहूं का उत्पादन करता है. इसकी वजह यहां की जलवायु और मिट्टी है, जिससे अधिक पैदावार होती है. क्योंकि, गंगा और यमुना से मिलकर दोआब का क्षेत्र अधिक ऊपजाऊ माना जाता है. वहीं, गेहूं उत्पादन के लिए चिकनी मिट्टी की भी जरूरत होती है. जो यहं पर्याप्त मात्रा में मिलती है. इसके बाद दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक राज्य मध्य प्रदेश है. यहां गेहूं की पैदावार 16 फीसदी है. मध्य प्रदेश के गेहूं की गुणवत्ता को देखते हुए यहां के गेहूं और इससे बने आटे की मांग रहती है. इस तरह से देश में कई राज्यों में गेहूं का उत्पादन होता है. लेकिन इसके बाद भी कीमत में बढ़ोतरी हो जाती है. इसलिए बढ़ती कीमत पर लगाम लगाने के लिए सरकार फैसले ले रही है.

टाटा मोटर्स ने बजाज फाइनेंस के साथ की साझेदारी

नयी दिल्ली । टाटा मोटर्स ने अपने संपूर्ण वाणिज्यिक वाहन खंड के लिए वित्तपोषण समाधान उपलब्ध कराने के वास्ते बजाज फाइनेंस लिमिटेड के साथ साझेदारी की है. टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने इसके लिए बजाज फिनसर्व लिमिटेड के हिस्से बजाज फाइनेंस लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं. ग्राहकों को बजाज फाइनेंस की व्यापक पहुंच, प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों, 'फ्लेक्सी' ऋण और डिजिटल रूप से सक्षम ऋण वितरण से लाभ होगा. टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के उपाध्यक्ष एवं व्यवसाय प्रमुख (ट्रक) राजेश कौल ने कहा, हमें विश्वास है कि वाणिज्यिक वाहन वित्तपोषण में उनका (बजाज फाइनेंस) उद्यम उन्हें परिवहन क्षेत्र की अपार संभावनाओं का दोहन करने में सक्षम बनाएगा और इस साझेदारी से देश भर के उद्यमियों को लाभ होगा. बजाज फाइनेंस के उप प्रबंध निदेशक अनूप साहा ने कहा, हमारा लक्ष्य वाणिज्यिक वाहन खरीदने की प्रक्रिया को सुलभ तथा परेशानी मुक्त बनाना है. हमें विश्वास है कि यह साझेदारी अधिक वाणिज्यिक वाहन मालिकों को वित्तपोषण समाधान के साथ सशक्त बनाएगी.

जेएसडब्ल्यू स्टील 11 करोड़ डॉलर का करेगी निवेश

एजेंसी । नयी दिल्ली

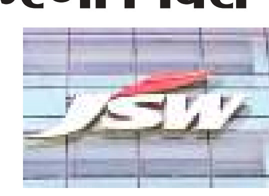

जेएसडब्ल्यू स्टील की अनुषंगी कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील यूएसए टेक्सास के बेयटाउन में अपनी स्टील प्लेट मिल को नए उपकरणों और टिकाऊ प्रौद्योगिकी के साथ आधुनिक बनाने के लिए 11 करोड़ डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है. कंपनी के अनुसार, इस निवेश से उच्च गुणवत्ता वाले मोनोपाइल स्टील प्लेट का उत्पादन संभव होगा, जिससे अपतटीय पवन ऊर्जा के विस्तार के लिए अमेरिकी प्रशासन के नए कदमों को समर्थन मिलेगा. इसके लिए 2030 तक 30 गीगावाट (जीडब्ल्यू) अपतटीय पवन ऊर्जा की स्थापना की जाएगी, जो एक करोड़ मकानों को स्वच्छ ऊर्जा से बिजली प्रदान करने के लिए पर्याप्त होगी. जेएसडब्ल्यू स्टील ने एक बयान में कहा, जेएसडब्ल्यू स्टील यूएसए इंक ने टेक्सास के बेयटाउन में अपनी विनिर्माण सुविधाओं के भीतर टिकाऊ प्रौद्योगिकी और अत्याधुनिक उपकरणों के साथ स्टील प्लेट मिल आधुनिकीकरण परियोजनाओं में 11 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई है.

यूरोनिक्स अपने कारोबार को दोगुना करेगा

नयी दिल्ली । सार्वजनिक शौचालय स्वचालन कंपनी यूरोनिक्स 2025-26 तक अपना कारोबार दोगुना कर 400 करोड़ रुपये तक पहुंचाने की योजना बना रही है. कंपनी का गुरुग्राम में नया विनिर्माण संयंत्र शुरू होने पर उसके 50 प्रतिशत ठेके पूरे करने की क्षमता रखता है. यूरोनिक्स के प्रबंध निदेशक विकनेश जैन ने कंपनी की वृद्धि दर के बारे में पूछे गए एक सवाल पर कहा, पिछले वित्त वर्ष में हमारा कारोबार 200 करोड़ रुपये के आसपास था... इस साल हम 280 करोड़ रुपये से 290 करोड़ रुपये के करीब पहुंच रहे हैं और वित्त वर्ष 2025-26 में हमारा लक्ष्य 400 करोड़ रुपये का कारोबार करना है.

अडाणी — समूह के मुख्य वित्त अधिकारी जुगेशिंदर 'रॉबी' सिंह ने मंगलवार को कहा

अपनी कई कंपनियों में 1.3 लाख करोड़ का निवेश करेगा

- नए निवेशकों को लाकर वार्षिक दो से ढाई अरब डॉलर का इक्विटी निवेश भी जारी रहने की संभावना है.

एजेंसी । अहमदाबाद

अदाणी समूह ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अपनी कंपनियों में करीब 1.3 लाख करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है. समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर 'रॉबी' सिंह ने मंगलवार को कहा कि समूह ने कारोबार बढ़ाने के लिए अगले सात से 10 साल में 100 अरब डॉलर के निवेश अनुमान को दोगुना कर दिया है. उन्होंने कहा कि समूह की बंदरगाह से लेकर ऊर्जा, हवाई अड्डा, जिंस, सीमेंट और मीडिया क्षेत्रों में कार्यरत कंपनियों में कुल निवेश का 70 प्रतिशत आंतरिक संसाधनों से किया जाएगा और शेष राशि कर्ज के जरिये जुटाई जाएगी. सिंह ने कहा कि समूह इस वर्ष परिपक्व होने वाले तीन से चार अरब डॉलर के ऋण का पुनर्वित्तपोषण करने तथा परियोजना वित्तपोषण के लिए अतिरिक्त एक अरब डॉलर जुटाने पर विचार करेगा.

उन्होंने कहा कि नए निवेशकों को लाकर वार्षिक दो से ढाई अरब डॉलर का इक्विटी निवेश भी जारी रहने की संभावना है. उन्होंने कहा, इस वर्ष परिसंपत्ति निर्माण कार्य पूरा करने पर अधिक ध्यान दिया जाएगा. अक्षय ऊर्जा कंपनी अदाणी ग्रीन छह-सात गीगावाट की परियोजना पूरी करेगी, जबकि सौर वेफर विनिर्माण इकाई बड़े पैमाने पर काम करेगी. साथ ही मुंबई में नए हवाई अड्डे का काम भी पूरा हो जाएगा.

वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल 2024 से मार्च 2025) के लिए अनुमानित पूंजीगत व्यय या पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 2023-24 में खंड पर होने वाले अनुमानित व्यय से 40 प्रतिशत अधिक है. समूह ने इससे पहले अगले सात से 10 साल में 100 अरब डॉलर के निवेश का अनुमान जताया था. इसमें से ज्यादातर निवेश समूह के तेजी से बढ़ते नवीन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और हवाई अड्डा तथा बुनियादी ढांचा क्षेत्र में किया जाना है. सिंह ने बताया कि अदाणी समूह की कंपनियों के कर-पूर्व लाभ में वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह 82,917 करोड़ रुपये (करीब 10 अरब अमेरिकी डॉलर) पर पहुंच गया है. अदाणी समूह आगामी नवी मुंबई हवाई अड्डे और 14 घरेलू बंदरगाहों सहित आठ हवाई अड्डों के खंड के साथ इन क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करना चाहता है.

रेडियो तरंगों के लिए 96,238 करोड़ रुपये की नीलामी शुरू

एजेंसी । नयी दिल्ली

स्पेक्ट्रम की 96,238 करोड़ रुपये मूल्य की नीलामी आज से शुरू हो गई. इसमें एयरटेल और रिलायंस जियो जैसी कंपनियों द्वारा बोली लगाने की उम्मीद है जिससे उनकी 5जी सेवाओं को बढ़ाने में मदद मिलेगी. रेडियो तरंगों की बिक्री प्रक्रिया 2010 में ऑनलाइन शुरू होने के बाद से यह 10वीं स्पेक्ट्रम नीलामी है.

आखिरी बार अगस्त 2022 में नीलामी हुई थी, जिसमें पहली बार 5जी सेवाओं के लिए रेडियो तरंगें शामिल की गईं थीं. बयान के अनुसार, मौजूदा दूरसंचार सेवाओं को बढ़ाने और सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने के लिए सरकार मंगलवार 25 जून 2024 को स्पेक्ट्रम नीलामी होगी. यह सभी नागरिकों को सस्ती, अत्याधुनिक उच्च गुणवत्ता वाली दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है. दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू की है. इसके लिए आठ मार्च को आवेदन आमंत्रण नोटिस (एनआईए) जारी किया गया था.

ब्रीफ खबरें

अंतरिक्ष यान नमूने लेकर पृथ्वी पर लौटा

बीजिंग। चीन का चांग ए 6 अंतरिक्ष यान पहली बार चंद्रमा के सुदूर क्षेत्र से चट्टान और मिट्टी के नमूने एकत्रित करने के बाद मंगलवार को पृथ्वी पर लौट आया. यह अंतरिक्ष यान मंगलवार दोपहर को उत्तरी चीन में उतरा.चीनी वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर लाए गए नमूनों में 25 लाख वर्ष पुरानी ज्वालामुखीय चट्टान और अन्य सामग्री शामिल है. वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इससे चंद्रमा के दोनों छोरों पर भौगोलिक अंतर के बारे में सवालों के जवाब मिल जाएंगे.

भारत अमेरिका का एक प्रमुख सहयोगी है

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने कहा है कि भारत अमेरिका का एक प्रमुख सहयोगी है और चीन के खतरों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण देश है. मीक्स ने हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी. अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के रैंकिंग सदस्य और सदन की वित्तीय सेवा समिति के वरिष्ठ सदस्य मीक्स ने रविवार को सीएनएन को दिए एक साक्षात्कार में कहा, आप 1.3 अरब लोगों के बारे में बात कर रहे हैं.

हत्या मामले में पूर्व अध्यक्ष गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मियां कयूम को वर्ष 2020 में एक वकील बाबर कादरी की हत्या में उनकी कथित संलिप्तता के लिए मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया. अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान समर्थक अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी से करीबी संबंधों के लिए पहचाने जाने वाले कयूम को एसआईए द्वारा उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत एकत्र करने के बाद हिरासत में ले लिया गया.

रेवन्ना के खिलाफ एक और केस दर्ज

बेंगलुरु। यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न, पीछा करने और आपराधिक धमकी के आरोप में एक और केस दर्ज की गई है. रेवन्ना के साथ-साथ हासन से भाजपा के विधायक रह चुके प्रीतम गौड़ा समेत तीन अन्य लोगों के नाम भी इस प्राथमिकी में हैं. इन सभी लोगों पर पीड़िता के यौन उत्पीड़न के दौरान प्रज्वल द्वारा खींची गई तस्वीरों को वीडियो कॉल पर साझा करने का आरोप है. ताजा मामले के साथ ही अब इस मामले में प्रज्वल के खिलाफ यह चौथा मामला दर्ज किया गया है.

आपातकाल के 49 साल पूरे होने के मौके पर शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा-

कांग्रेस ने संविधान की भावना को कई बार कुचला

एजेंसी। नयी दिल्ली

अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश में आपातकाल लगाने के लिए मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि विपक्षी दल ने एक खास परिवार को सत्ता में बनाए रखने के लिए संविधान की भावना को कई बार कुचला. साल 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल के 49 साल पूरे होने के मौके पर शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्हें पार्टी का युवराज करार दिया और कहा कि वह भूल गए हैं कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था और उनके पिता राजीव गांधी ने संसद में 23 जुलाई 1985 को कहा था कि आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था. उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक खास परिवार को सत्ता में बनाए रखने के लिये कांग्रेस ने हमारे संविधान की भावना को कई बार कुचला. इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान भारत के लोगों पर निर्मम अत्याचार किए.

कांग्रेस के लिए परिवार और सत्ता के अलावा कुछ भी प्रिय नहीं : उन्होंने कहा, राजीव गांधी ने तो यहां तक कहा था, अगर इस देश का कोई प्रधानमंत्री जो यह महसूस करता है कि इन परिस्थितियों में आपातकाल जरूरी है और फिर वह आपातकाल लागू नहीं करता है, तो वह इस देश का प्रधानमंत्री बनने के योग्य नहीं है. तानाशाही कृत्य पर गर्व करना यह दिखाता है कि कांग्रेस के लिए परिवार और सत्ता के अलावा कुछ भी प्रिय नहीं है. शाह ने इससे पहले एक अलग पोस्ट में कहा, देश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर बार-बार आघात करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है. साल 1975 में आज के ही दिन कांग्रेस द्वारा लगाया गया आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है. उन्होंने कहा कि अहंकार में डूबी, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार के सत्ता सुख के लिए 21 महीनों तक देश में सभी प्रकार के नागरिक अधिकार निलंबित कर दिए थे, मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी थी, संविधान में बदलाव किए और न्यायालय तक के हाथ बांध दिए थे.

वहीं, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जो लोग आज भारतीय लोकतंत्र के संरक्षक होने का दावा करते हैं, उन्होंने संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए उठाई गई आवाजों को दबाने का कोई मौका नहीं छोड़ा. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में लगाया गया आपातकाल भारतीय लोकतंत्र में एक काला अध्याय है, जिसे चाह कर भी भुलाया नहीं जा सकता.

आतिशी अस्पताल में भर्ती अनशन से तबीयत बिगड़ी

एजेंसी। नयी दिल्ली

अस्पताल में भर्ती आतिशी

राष्ट्रीय राजधानी के लिए जल छोड़े जाने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठीं दिल्ली की जल मंत्री आतिशी को उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद मंगलवार सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया. दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने यह जानकारी दी. आप ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि मंत्री को लोक नायक (एलएनजेपी) अस्पताल के आपातकालीन आईसीयू में भर्ती कराया गया है. पार्टी ने कहा, जल संसाधन मंत्री आतिशी की तबीयत बिगड़ी. उनका शर्करा स्तर गिरकर आधी रात को 43 और देर रात तीन बजे 36 रह गया जिसके बाद एलएनजेपी अस्पताल के चिकित्सकों ने उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती करने की सलाह दी. उसने कहा, पिछले पांच दिन से उन्होंने कुछ नहीं खाया है और वह दिल्ली के हिस्से का पानी छोड़े जाने की हरियाणा सरकार से मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं. उन्हें एलएनजेपी के आपातकालीन आईसीयू में भर्ती कराया गया है. हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं.

मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर किया पोस्ट, खरगे बोले-

पीएम के अघोषित आपातकाल ने लोकतंत्र को गहरा आघात पहुंचाया

खरगे बोले-
- लोकतंत्र और संविधान की दुर्दशा भाजपा ने की है
- कांग्रेस ने हमेशा लोकतंत्र और संविधान का साथ दिया है और हम आगे भी देते रहेंगे

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आपातकाल के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा की गयी टिप्पणी को लेकर उन पर मंगलवार को पलटवार किया. आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अपनी कमियां छिपाने के लिए अतीत को कुदरते रहते हैं, जबकि उनके शासनकाल में 10 साल के अघोषित आपातकाल ने लोकतंत्र एवं संविधान को गहरा आघात पहुंचाया है. उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने हमेशा लोकतंत्र और संविधान का साथ दिया है और आगे भी देती रहेगी. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को ही कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने आपातकाल लागू कर बुनियादी स्वतंत्रताओं को नष्ट किया और भारत के संविधान को कुचला, उन्हें संविधान के प्रति प्रेम जाहिर करने का कोई अधिकार नहीं है. आपातकाल की बरसी पर मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक के बाद एक पोस्ट में कहा कि जिस मानसिकता के कारण देश में आपातकाल लगाया गया था, वह आज भी उस पार्टी में जीवित है जिसने इसे लागू किया था.

140 करोड़ भारतीयों को अघोषित आपातकाल का आभास करवाया : उनकी टिप्पणी के जवाब में खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, नरेन्द्र मोदी जी, देश भविष्य की ओर देख रहा है, आप अपनी कमियां छिपाने के लिए अतीत को ही कुरेदते रहते हैं. पिछले 10 वर्षों में 140 करोड़ भारतीय नागरिकों को आपने जिस अघोषित आपातकाल का आभास करवाया, उसने लोकतंत्र और संविधान को गहरा आघात पहुंचाया है.

उन्होंने सवाल किया, 'पार्टियों को तोड़ना, चुनी हुई सरकारों को चोर दरवाज़े से गिराना, 95 प्रतिशत विपक्षी नेताओं के खिलाफ ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग का दुरुपयोग करना, मुख्यमंत्रियों तक को जेल में डालना और चुनाव के पहले सत्ता का इस्तेमाल कर समान अवसर की स्थिति को बिगाड़ना, क्या यह सब अघोषित आपातकाल नहीं है?

केवल 16 प्रतिशत विधेयक संसद की स्थायी समिति के समक्ष गये

मल्लिकार्जुन खरगे

उन्होंने कहा, 17वीं लोकसभा में, इतिहास में सबसे कम केवल 16 प्रतिशत विधेयक संसद की स्थायी समिति के समक्ष गये और लोकसभा में 35 प्रतिशत विधेयक एक घंटे से कम समय में पारित हुए. राज्यसभा में ये आंकड़ा 34 प्रतिशत है. खरगे ने दावा किया कि लोकतंत्र और संविधान की दुर्दशा भाजपा ने की है. उन्होंने कहा, कांग्रेस ने हमेशा लोकतंत्र और संविधान का साथ दिया है और हम आगे भी देते रहेंगे.

कोई शासक संविधान नहीं बदल सकता

पी चिदंबरम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा कि देश की जनता ने 18वीं लोकसभा के लिए इस तरह से मतदान किया है कि कोई भी शासक संविधान की मूल संरचना को नहीं बदल सकता. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि लोगों ने भाजपा की महत्वाकांक्षाओं पर अंकुश लगाने के लिए वोट किया है.

मोदी सहमति और सहयोग की बात करते हैं, पर उनके कदम इसके विपरीत हैं

खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी सहमति और सहयोग की बात करते हैं, पर उनके कदम इसके विपरीत हैं. उन्होंने कहा, जब 146 विपक्षी सांसदों को संसद से निलंबित कर तीन क़ानून – भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023, भारतीय न्याय संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 पारित किये गये थे तब यह सहमति वाला शब्द कहां था? उन्होंने सवाल किया, जब संसद के प्रांगण से छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा गांधी और बाबासाहेब आंबेडकर जैसी महान विभूतियों की प्रतिमाओं को बिना विपक्ष से पूछे, एक कोने में स्थानांतरित कर दिया गया, तब यह सहमति वाला शब्द कहां था? खरगे ने कहा, 'जब हमारे 15 करोड़ किसान परिवारों पर तीन काले क़ानून थोपे गये और उनको अपने ही देश में महीनों सड़कों पर बैठने के लिए विवश किया गया, उन पर अत्याचार किया गया, तब यह सहमति वाला शब्द कहां था? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'नोटबंदी हो, आनन-फ़ानन में लागू किया गया लॉकडाउन हो, या चुनावी बॉन्ड का क़ानून हो, ऐसे सैकड़ों उदहारण है, जिस पर मोदी सरकार ने सहमति और सहयोग का उपयोग तो बिलकुल भी नहीं किया. विपक्ष को क्या, उन्होंने तो अपने ही नेताओं को अंधेरे में रखा.

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका और सहयोगी देशों के तेवर कड़े

परमाणु कार्यक्रम को लेकर तेहरान और मास्को का किया भारी विरोध

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

बैठक में हिस्सा लेते सहयोगी दल

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में सोमवार को अमेरिका और उसके प्रमुख यूरोपीय सहयोगियों ने तेहरान के बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर ईरान और रूस का विरोध किया. अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार संपन्न होने से रोकने के लिए सभी आवश्यक साधनों का उपयोग करने का संकल्प जताया.

अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी ने ईरान पर आरोप लगाया कि वह अपनी परमाणु गतिविधियों को, परमाणु हथियार विकसित करने से रोकने के उद्देश्य से 2015 के समझौते में तय की गई सीमाओं से कहीं अधिक बढ़ा रहा है और संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ सहयोग करने में विफल रहा है. ईरान और रूस ने अमेरिका और उसके सहयोगियों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया, जिन्हें समझौते के तहत हटा दिया जाना था.

दोनों देशों ने जोर देकर कहा कि तेहरान का परमाणु कार्यक्रम अन्तरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण (आईएईए) की निरंतर निगरानी में है. यह टकराव ईरान और छह प्रमुख देशों अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के बीच परमाणु समझौते के कार्यान्वयन पर अर्ध-वार्षिक बैठक के दौरान हुआ, जिसे संयुक्त व्यापक कार्य योजना के रूप में जाना जाता है. समझौते के तहत तेहरान ने आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने के बदले में परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए आवश्यक स्तर तक यूरेनियम संवर्धन को सीमित करने पर सहमति व्यक्त की थी. वर्ष 2018 में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को समझौते से यह कहते हुए अलग कर लिया था कि वह और कड़ा समझौता करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ.

उदयनिधि को सनातन पर टिप्पणी मामले में जमानत मिली

बेंगलुरु। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन को सनातन धर्म को खत्म करने की अपनी टिप्पणी से जुड़े एक मामले में मंगलवार को बेंगलुरु की एक अदालत से जमानत मिल गयी. द्रमुक के नेता उदयनिधि 42वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश हुए. अदालत ने सामाजिक कार्यकर्ता परमेश की याचिका पर उन्हें नोटिस भेजा था. खेल और युवा कल्याण मामलों के मंत्री उदयनिधि को एक लाख रुपए के मुचलके पर जमानत दी गयी. इस मामले पर अगली सुनवाई आठ अगस्त को होगी. उदयनिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ द्रमुक के अध्यक्ष एम के स्टालिन के बेटे हैं.

विस अध्यक्ष मुझे नेता प्रतिपक्ष के तौर पर मान्यता दें : जगनमोहन

एजेंसी। अमरावती (आंध्र प्रदेश)

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा अध्यक्ष सी. अय्याना पात्रुडु से उन्हें नेता प्रतिपक्ष और उनकी पार्टी को मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया.

रेड्डी ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया. वाईएसआर कांग्रेस पार्टी द्वारा 'पीटीआई-भाषा'से साझा किए गए पत्र में रेड्डी ने कहा, कानून बाध्य करता है कि विपक्ष में जिस भी दल को सबसे अधिक सीट मिली है, उसे मुख्य विपक्षी दल के तौर पर मान्यता दी जानी चाहिए. उन्होंने दावा किया कि कोई कानून नहीं कहता कि मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा देने के लिए विधानसभा के कुल सदस्यों में से कम से कम 10 प्रतिशत उसके सदस्य होने चाहिए. रेड्डी ने कहा कि इस परिपाटी का पालन संसद या राज्य विधानसभा में नहीं किया जाता है. पूर्व मुख्यमंत्री के मुताबिक हाल में सभी मंत्रियों को विधानसभा सदस्य की शपथ दिलाने के बाद उन्हें सदन की सदस्यता का शपथ दिलाना परंपराओं के खिलाफ है. उन्होंने आरोप लगाया कि तेदेपा, भाजपा और जनसेना ने तय कर लिया है कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं दिया जाए.

बसपा अध्यक्ष मायावती ने भाजपा-कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया, कहा-

संविधान को जातिवादी व पूंजीवादी बना दिया

एजेंसी। लखनऊ

मायावती

बसपा की अध्यक्ष और यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने मंगलवार को भाजपा और कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि इन दोनों दलों ने अंदर ही अंदर मिलकर अनेक संशोधनों के जरिये इस संविधान को काफी हद तक जातिवादी, सांप्रदायिक एवं पूंजीवादी संविधान बना दिया है. मायावती ने यहां पत्रकारों से कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि अब संसद के अंदर एवं बाहर संविधान की कापी दिखाने की होड़ में लगे सत्ता एवं विपक्ष एक ही थाली के चट्टे-बट्टे लग रहे हैं. मायावती ने कहा, ये लोग अपने-अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए संविधान के साथ जो खिलवाड़ कर रहे हैं, वह कतई उचित नहीं है. सत्ता और विपक्ष ने अब तक अंदर-ही-अंदर मिल कर इतने ज्यादा संशोधन कर दिये हैं कि अब यह बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की मंशा वाला समतामूलक, धर्मनिरपेक्ष और बहुजन हिताय वाला संविधान नहीं रह गया है. बल्कि अधिकांश तौर पर अब यह जातिवादी, सांप्रदायिक एवं पूंजीवादी संविधान बन गया है. उन्होंने कहा कि जनता का ध्यान बांटने के लिए सत्ता और विपक्ष द्वारा आपसी मिलीभगत से जबर्दस्ती संविधान बचाने का नाटक किया जा रहा है जिससे देश की जनता को जरूर सावधान रहना है. उन्होंने कहा कि इसलिए संविधान बचाने के नाम पर सत्ता एवं विपक्ष द्वारा जो जातिवादी, पूंजीवादी एवं सांप्रदायिक राजनीति की जा रही है तो उससे इन वर्गों को कतई लाभ मिलने वाला नहीं है.

राहुल ने संविधान की कॉपी हाथ में लेकर ली शपथ, इन्होंने भी ली शपथ

राहुल गांधी

अखिलेश यादव

हरसिमरत कौर

ओम बिरला

असदुद्दीन ओवैसी

अवॉर्ड आईजीएफ आर्चर-अमीश अवॉर्ड फॉर लिटरेचर की घोषणा सोमवार को की गयी

भारतीय साहित्य के लिए 25 हजार डॉलर का आर्चर-अमीश पुरस्कार

एजेंसी। लंदन

लेखक लॉर्ड जेफरी आर्चर (दाएं) और अमीश त्रिपाठी ने लंदन में नए आईजीएफ आर्चर-अमीश पुरस्कार की घोषणा की.

जाने-माने लेखक लॉर्ड जैफ्री आर्चर और अमीश त्रिपाठी ने समकालीन भारतीय कथा साहित्य में प्रतिभाओं और भारतीय कथा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली कहानी कला को प्रोत्साहित करने के लिए 25,000 डॉलर के एक नए साहित्यिक पुरस्कार का आगाज किया है. आईजीएफ आर्चर-अमीश अवॉर्ड फॉर लिटरेचर की घोषणा सोमवार को की गयी. दोनों लेखक इस घोषणा के लिए ब्रिटेन स्थित इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) के उद्घाटन पर एक साथ आए. पुरस्कार के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया इस साल शुरू होगी और 2025 में अगले आईजीएफ लंदन सम्मेलन में पुरस्कार के विजेता की घोषणा की जाएगी. केन एंड एबेल और द क्लिफ्टन क्रॉनिकल्स जैसी सबसे अधिक बिकने वाली किताबों के जाने-माने ब्रिटिश लेखक लॉर्ड आर्चर ने कहा, पुरस्कार काफी महत्वपूर्ण होते हैं क्योंकि वे लेखक की रचनाधर्मिता को एक पहचान देते हैं और साथ ही यह भरोसा दिलाते हैं कि लेखन कर्म को अपने दिन रात समर्पित करने वाला लेखक अकेला नहीं है.

उन्होंने कहा, लेखन बहुत एकांतवादी प्रक्रिया है जहां आप पूरी तरह अपनी दुनिया में खोए रहते हैं. इसलिए जब दुनिया आपको किसी पुरस्कार के जरिए पहचानती है तो यह आपकी प्रतिभा की पहचान होती है. हिंदू पौराणिक कथाओं पर केंद्रित कृतियों के लिए मशहूर अमीश त्रिपाठी ने इस साहित्यिक पुरस्कार के बारे में कहा, यह ऐसा पुरस्कार है जिसका उद्देश्य कहानी कहने की कला को प्रोत्साहित करना है. यह इसे उन अन्य पुरस्कारों से काफी अलग बनाएगा जो संभवतः उन लेखकों को पुरस्कृत करते हैं जिनकी किताबें उबाऊ होती है लेकिन वे अच्छी भाषा का इस्तेमाल करते हैं जबकि उनमें कोई कहानी नहीं होती. इस पुरस्कार के विजेता को आईजीएफ के विभिन्न मंचों पर बुलाया जाएगा जहां वह दुनियाभर के दर्शकों के सामने अपने काम को पेश कर सकता है और अपनी रचनात्मक यात्रा के बारे में बता सकता है.

कंगना की फिल्म इमरजेंसी सितंबर में होगी रिलीज

नयी दिल्ली। अभिनेत्री से सांसद बनीं कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी छह सितंबर को रिलीज होगी. फिल्म निर्माताओं ने मंगलवार को यह जानकारी दी. रनौत ने सोमवार को 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा की सांसद के रूप में शपथ ली थी. रनौत ने इमरजेंसी में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई है. इस फिल्म की रिलीज की तारीख कई बार टल चुकी है. इसे पहले 24 नवंबर, 2023 को रिलीज किया जाना था. इमरजेंसी की मुख्य अभिनेत्री, लेखिका, निर्देशक और निर्माता रनौत ने कहा कि उन्होंने अपनी यह फिल्म बनाने के लिए विलियम शेक्सपियर के नाटक द ट्रेजेडी ऑफ मैकबेथ से प्रेरणा ली. अभिनेत्री ने कहा, मैं विलियम शेक्सपियर के मैकबेथ से बहुत प्रेरित हूं. इमरजेंसी का सार वह विनाश है जो महत्वाकांक्षा द्वारा नैतिक बाधाओं को तोड़ देने के बाद होता है. यह भारतीय लोकतंत्र का निस्संदेह सबसे सनसनीखेज अध्याय है और मैं छह सितंबर 2024 को दुनिया भर में इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं.

सुप्रीम कोर्ट ने जैन की जमानत पर जल्द फैसला सुनाने को कहा

एजेंसी। नयी दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय को मंगलवार को निर्देश दिया कि वह धनशोधन के एक मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर फैसला सुनाए. न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने कहा कि जमानत के मामलों को अनावश्यक रूप से स्थगित नहीं किया जाना चाहिए. पीठ ने उच्च न्यायालय से कहा कि वह सुनवाई की अगली तारीख पर जैन की याचिका पर फैसला करे.

जैन ने उच्च न्यायालय द्वारा उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई को छह सप्ताह के लिए स्थगित किए जाने के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था. उन्होंने तर्क दिया था कि इसी तरह का एक मामला शीर्ष अदालत में लंबित है और इसलिए उनकी याचिका को इसके साथ संलग्न किया जाना चाहिए.

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 28 मई को ईडी से जैन की याचिका पर जवाब देने और उसे मामले पर एक स्थिति रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा था. अदालत ने जेल प्राधिकारियों से जैन का रिकॉर्ड भी मांगा था और मामले पर अगली सुनवाई के लिए नौ जुलाई की तारीख तय की थी.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)